

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 69 । पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 05 नवम्बर 2026(गुरुवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महा-खुलासाः मौत और अपराध का 'नवापुर सिंडिकेट'

नंदुरबार सीमा पर डी-कंपनी का खूनी साम्राज्यः खाकी ने बेचा ईमान, सफेदपोशों ने पहनाया संरक्षण का ढाल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नंदुरबार / मुंबई। महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर स्थित नंदुरबार का नवापुर अब केवल एक सीमावर्ती इलाका नहीं रहा, बल्कि यह भारत के सबसे खतरनाक संगठित अपराध सिंडिकेट्स में से एक का अड्डा बन चुका है। कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाते हुए यहाँ एक ऐसा जहरीला नेटवर्क खड़ा किया गया है, जो राज्य की सुरक्षा तंत्र के लिए सीधी चुनौती है। 'महानगर मेट्रो' की इस विस्फोटक जांच में वह खौफनाक सच सामने आया है, जिसे दबाने के लिए तंत्र और अपराध जगत के आका सालों से करोड़ों का खेल खेल रहे हैं।

अपराध का नया 'किलिंग जोन': जूना आरटीओ और बिदखिपाड़ा

शहर के मुख्य मार्ग, जूना आरटीओ (नवी आरटीओ), श्रीराम पार्क और इंडियन पेट्रोल पंप के ठीक पीछे बिदखिपाड़ा में लोहे और तिरपाल के विशाल शेड डालकर एक समानांतर गुप्त साम्राज्य चलाया जा रहा है। यह कोई साधारण जुए का अड्डा नहीं है। रात ढलते ही यहाँ महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और दमन से अंडरवर्ल्ड के शार्पशूटर्स, वांटेड भगोड़े और संदिग्ध अपराधी जमा होते हैं। सूत्रों के अनुसार, यहाँ हर रात टेबल पर करोड़ों का काला धन फूंका जाता है, जबकि दीवारों के पीछे संगठित अपराधों की पटकथा लिखी जाती है।

सिंडिकेट के मुख्य सरगना और खूनी गठजोड़

जांच रिपोर्ट के अनुसार, इस पूरे खूनी तंत्र का संचालन तीन मुख्य मोहरों के जरिए किया जा रहा हैः

रईस शेख (नवापुर): सीधा अंडरवर्ल्ड और डी-कंपनी से जुड़े होने के आरोप। रोजाना करीब 2 लाख रुपये की लेवी कराची/अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट तक



पहुंचाने का दावा।

पप्पू गोस्वामी (लकड़कोट): पुलिस, एलसीबी और प्रशासनिक तंत्र को पैसे के दम पर 'न्यूट्रलाइज' करने का मुख्य मोहरा।

सूरज जायसवाल: अंतरराज्यीय नेटवर्क, लॉजिस्टिक्स और रिकवरी के खूनी दांव संभालने का आरोपी।

यह तिकड़ी केवल स्थानीय स्तर पर काम नहीं कर रही, बल्कि इसके तार दाऊद इब्राहिम के डी-कंपनी सिंडिकेट और अंतरराज्यीय माफियाओं से सीधे जुड़े होने की आशंका है।

ड्रग्स, देहव्यापार और अवैध असलहों की मंडी

बिदखिपाड़ा के शेड में चलने वाली गतिविधियां किसी भी वक्त बड़े नरसंहार या बड़े क्राइम ब्लास्ट का कारण बन सकती हैं:

1. **युवाओं को 'स्लो पॉइजन':** एमडी ड्रग्स और कृत्रिम रसायनों की खुलेआम आपूर्ति कर पूरी पीढ़ी को खोखला किया जा रहा है।

2. **अंतरराज्यीय तस्करी का कॉरिडोर:** शराब, गुटखा और अवैध हथियारों (कट्टे/कारतूस) का बेरोक-टोक सीमा पार परिवहन।

3. **अनैतिक गतिविधियां और जबरन वसूली:**

बिदखिपाड़ा बना अंतरराज्यीय अपराधियों का गुप्त सेफ-हाउस; एमडी ड्रग्स और अवैध हथियारों की तस्करी का नेटवर्क, रईस शेख का डी-कंपनी कनेक्शनः रोजाना 2 लाख की लेवी; पप्पू गोस्वामी और सूरज जायसवाल पर अफसरों को 'मैनेज' करने के गंभीर आरोप, विधायक, सरपंच से लेकर खाकी तक करोड़ों के 'हफ्ते' में भागीदार? DGP और गृह विभाग के लिए सबसे बड़ी चुनौती

देहव्यापार और ब्लैकमेलिंग के जरिए आसपास के सामाजिक माहौल में खौफ का तांडव।

'पुलिस बिक चुकी है, जन-प्रतिनिधि मौन; खाकी बनी जुए के अड्डे की बाउंड्री '

जनता का सीधा आरोप है कि नवापुर पुलिस स्टेशन, एलसीबी और स्थानीय प्रशासन इस खूनी खेल में बराबर का हिस्सेदार है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो कानून का इकबाल कहाँ बचेगा?

सूत्रों के विस्फोटक खुलासे:

हफ्ते की मलाई: स्थानीय स्तर से लेकर शीर्ष अधिकारियों तक हर महीने करोड़ों का 'प्रोटेक्शन मनी' पहुंच रहा है।

सफेदपोशों का हाथ: स्थानीय विधायक और गांव के सरपंच पर भी इस सिंडिकेट को राजनीतिक छत्रछाया देने के बेहद गंभीर आरोप हैं।

SP ऑफिस पर सवाल: जिला पुलिस प्रमुख के नाम का सहारा लेकर यह नेटवर्क बेखौफ चल रहा है। क्या शीर्ष नेतृत्व को इस बारूद के ढेर की खबर नहीं, या आंखें मूंद ली गई हैं?

अल्टीमेटम: क्या महाराष्ट्र में चलेगा बुलडोजर?

DGP साहब! नवापुर को दूसरा मुंब्रा या कराची बनने से रोकिए! '

अगर बिदखिपाड़ा के इन अवैध अड्डों को तुरंत ध्वस्त नहीं किया गया और खाकी में छिपे गद्दारों को जेल नहीं भेजा गया, तो नवापुर बहुत जल्द किसी बड़े गैंगवार और खून-खराबे का गवाह बनेगा।

'महानगर मेट्रो' की सीधी मांगें:

1. SIT व NIA जांचः डी-कंपनी कनेक्शन और ड्रग्स नेटवर्क की जांच केंद्रीय एजेंसियों व विशेष जांच दल से हो।

2. **अधिकारियों पर FIR और बर्खास्तगी:** संबंधित PI, LCB प्रभारियों पर भ्रष्टाचार और अपराध में संलिप्तता का केस दर्ज कर तुरंत बर्खास्त किया जाए।

3. **बुलडोजर एक्शन:** श्रीराम पार्क और बिदखिपाड़ा के पीछे बने शेडों को 24 घंटे के भीतर मलबे में तब्दील किया जाए।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को दी बहस की चुनौती, बोले- 5 मिनट में देशद्रोही साबित कर दूंगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

संगरूर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पंजाब के संगरूर में आयोजित इंसाफ रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्हें खुली बहस की चुनौती दी। राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री को कहीं भी आकर उनके साथ बहस करने के लिए कहा है, लेकिन वह उनके सामने बैठकर चर्चा नहीं कर सकते। राहुल ने दावा किया कि वह पांच मिनट में प्रधानमंत्री को देशद्रोही साबित कर देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नियंत्रित कर रहे हैं। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में केंद्र सरकार को लेकर भी भविष्यवाणी करते हुए कहा कि उनका अनुमान है कि मोदी सरकार एक साल के भीतर समाप्त हो जाएगी और तीन साल बाद अमित शाह गृह मंत्री नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि देश के सामने कई महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिन पर सरकार को जवाब देना चाहिए। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर प्रधानमंत्री को सार्वजनिक मंच पर बहस की चुनौती दी। रैली की शुरुआत में राहुल गांधी पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह को मंच पर लेकर आए। उन्होंने सिद्धू मूसेवाला की हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि उनके साथ जो हुआ, वह आज पंजाब में एक फैशन बन गया है। राहुल गांधी ने पंजाब में बढ़ते नशे को भी बड़ा मुद्दा बताते हुए राज्य की स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए कहा कि जब वह दिल्ली में रहते थे, तब लोगों को चुटकुले सुनाया करते थे। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सुबह 11 बजे ही उनके मुंह से शराब की बदबू आती थी। संगरूर की इस रैली में राहुल गांधी ने केंद्र और पंजाब सरकार पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा तथा प्रधानमंत्री मोदी को बहस की चुनौती दोहराई। राहुल गांधी ने रैली के दौरान पंजाब में कानून-व्यवस्था, बेरोजगारी और नशे की समस्या को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पंजाब के युवाओं का भविष्य नशे और रोजगार के अभाव के कारण प्रभावित हो रहा है। राज्य में नशे के कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाने और प्रदेश में पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया। रैली में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।



दीपावली और छठ पर बदायूं के यात्रियों को मिलेगी राहत, उत्राण-लालकुआं के बीच चलेगी विशेष ट्रेन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बदायूं। दीपावली और छठ पर्व पर घर लौटने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए गुजरात के उत्राण से उत्तराखंड के लालकुआं के बीच विशेष रेलगाड़ी संचालित की जाएगी। बदायूं और बरेली स्टेशन होकर गुजरने वाली यह रेलगाड़ी दोनों दिशाओं में दो-दो फेरे लगाएगी। उत्राण से लालकुआं जाने वाली ट्रेन दोपहर 12:52 बजे बदायूं पहुंचेगी, जबकि वापसी में लालकुआं से उत्राण जाने वाली ट्रेन रात 1:05 बजे बदायूं स्टेशन पर पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 09129 उत्राण-लालकुआं विशेष रेलगाड़ी 5 और 12 नवंबर, गुरुवार को उत्राण से दोपहर 3 बजे रवाना होगी। गुजरात में यह अंकलेश्वर, भरुच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद और रतलाम होते हुए अगले दिन सुबह राजस्थान पहुंचेगी। इसके बाद कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर, मथुरा और कासगंज होते हुए दोपहर 12:52 बजे बदायूं पहुंचेगी। यहां से दोपहर 1:50 बजे बरेली और शाम 4:10 बजे लालकुआं पहुंचेगी।



पूर्णिया में हिमंत बिस्वा सरमा का राहुल गांधी पर तंज, बोले- भाजपा जनता का दिल चुराती रहेगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया में बुधवार को भाजपा की ओर से 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा निकाली गई। इसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे वोट चोरी का आरोप लगाते रहें, भाजपा देश की जनता का दिल चुराती रहेगी। उन्होंने चुनाव आयोग से दोबारा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कराने और उसमें से बाबर तथा औरंगजेब के नाम चुन-चुनकर हटाने की अपील भी की। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सचिन तेंदुलकर ने क्रिकेट में शतकों का शतक बनाया था, जबकि राहुल गांधी ने चुनाव हारने का शतक बनाया है। हिमंत बिस्वा सरमा ने राम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि अयोध्या में बाबरी मस्जिद के स्थान पर 500 साल बाद राम मंदिर का निर्माण हुआ है। उनके अनुसार, भाजपा ने राम मंदिर बनवाकर देश के मतदाताओं का दिल जीता है। उन्होंने इसे जनता के दिलों को जीतने वाला कदम बताया। सीमांचल, असम और पश्चिम बंगाल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से बाबर और औरंगजेब के नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से सवाल किया कि ऐसे नामों को मतदाता सूची से हटाना सही है या गलत। साथ ही चुनाव आयोग से इस प्रक्रिया को जारी रखने की अपील की।



अग्निवीरों को बड़ी राहतः अब 4 नहीं, 6 साल तक कर सकेंगे सैन्य सेवा; स्थायी सैनिक बनने का भी मिलेगा एक और मौका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करने वाले अग्निवीरों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। अब अग्निवीरों को चार साल के बजाय छह साल तक सैन्य सेवा करने का अवसर मिल सकेगा। चार साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद सेवा छोड़ने की तैयारी कर रहे हजारों युवाओं को दो साल का अतिरिक्त समय मिलेगा। इतना ही नहीं, छह साल की सेवा पूरी होने के बाद भी सेना में बने रहने की इच्छा रखने वाले अग्निवीरों को नियमित सैनिक बनने का एक और अवसर दिया जाएगा। इसके लिए उन्हें निर्धारित चयन प्रक्रिया और योग्यता के मानकों पर खरा उतरना होगा। चयन में सफल होने वाले अग्निवीरों को स्थायी सैन्य सेवा में शामिल किया जा सकेगा। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बुधवार को इस नई व्यवस्था की घोषणा की। इससे तीनों सेनाओं में तैनात लगभग 3.18 लाख अग्निवीरों को लाभ मिलने की संभावना है। दो साल के अतिरिक्त सेवा विस्तार के दौरान अग्निवीरों को बढ़ी हुई अवधि के अनुरूप वेतन और भत्ते भी दिए जाएंगे। हालांकि, यह सेवा विस्तार अनिवार्य नहीं होगा। इसके लिए अग्निवीरों की सहमति जरूरी होगी। जून 2022 में शुरू की गई अग्निपथ योजना के तहत युवाओं को चार साल के लिए सेना में भर्ती किया जाता था। इस अवधि के बाद अधिकतम 25 प्रतिशत अग्निवीरों को उनकी योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर नियमित सैनिक के रूप में बनाए रखने का प्रावधान था, जबकि शेष 75 प्रतिशत को सेवा से मुक्त होना पड़ता था। नई व्यवस्था से चार साल बाद सेवा छोड़ने की अनिवार्यता में बदलाव का रास्ता खुला है। आंकड़ों के अनुसार, पहले बैच के लगभग 24,400 अग्निवीरों में से करीब 18,300 का चार साल का कार्यकाल 31 दिसंबर तक पूरा होने वाला है। पहले निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नवंबर के मध्य से इन युवाओं को चरणबद्ध तरीके से सेवा से बाहर किया जाना था। अब नई व्यवस्था के तहत उन्हें दो साल का अतिरिक्त अवसर मिल सकेगा। वायुसेना ने पिछले महीने अपने पहले अग्निवीर बैच के 2,850 प्रशिक्षुओं में से 712 को नियमित सेवा में बनाए रखने का फैसला किया था। नई व्यवस्था के बाद शेष अग्निवीरों के लिए भी सैन्य सेवा में आगे बढ़ने का रास्ता खुल सकता है। छह साल की सेवा पूरी करने के बाद नियमित कैडर में शामिल होने के इच्छुक युवाओं को चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा। इसमें सफलता हासिल करने वालों को स्थायी सैनिक बनने का अवसर मिलेगा। यह बदलाव उन युवाओं के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जो अग्निपथ योजना के तहत सेना में भर्ती तो हुए, लेकिन चार साल बाद सेवा समाप्त होने की चिंता से जूझ रहे थे। हालांकि, नई व्यवस्था के विस्तृत नियम, चयन की शर्तें और अलग-अलग सेनाओं में इसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया स्पष्ट होने के बाद ही इसके वास्तविक दायरे की पूरी जानकारी सामने आएगी।



झारखंड की मातृभाषाओं को सम्मान देकर तैयार होगी नई शिक्षा नीति, विद्यार्थियों को हॉकी और अंग्रेजी संवाद कौशल से जोड़ने पर जोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड की भाषाई, सांस्कृतिक और सामाजिक विविधता को ध्यान में रखते हुए राज्य की शिक्षा नीति तैयार की जाए। नीति में विद्यार्थियों की मातृभाषा को सम्मान देने के साथ उनके ज्ञान, कौशल और अभिव्यक्ति की क्षमता को भी मजबूत बनाया जाए। शिक्षा का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम, आत्मविश्वासी और प्रतिस्पर्धी बनाना भी होना चाहिए। मुख्यमंत्री बुधवार को झारखंड मंत्रालय में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से आयोजित 'झारखंड राज्य भाषा शिक्षा नीति' के प्रारूप प्रस्तुतीकरण से संबंधित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को व्यावहारिक और दूरदर्शी शिक्षा नीति तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में भाषाई, सांस्कृतिक और सामाजिक विविधता व्यापक है। राज्य के बच्चे घर और समुदाय में अपनी मातृभाषा तथा स्थानीय भाषाओं का उपयोग करते हैं, जबकि विद्यालयों में शिक्षण कार्य प्रायः हिंदी या अंग्रेजी माध्यम से होता है। भाषाओं के इस अंतर के कारण प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों की समझ, अभिव्यक्ति, सहभागिता और सीखने की गति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। इसी उद्देश्य से राज्य की अपनी भाषा शिक्षा नीति तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि झारखंड की भाषाई विविधता राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान है। इसे शिक्षा व्यवस्था से जोड़कर ऐसी पद्धति विकसित की जाए, जिससे विद्यार्थी अपनी भाषा में सहजता से सीख सकें और शिक्षा के क्षेत्र में नए प्रयोगों को बढ़ावा मिले। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को कौशल आधारित शिक्षा से जोड़ने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ बच्चों की रुचि, प्रतिभा और व्यावहारिक कौशल का विकास भी जरूरी है। कौशल आधारित शिक्षा के अंतर्गत हॉकी को शामिल करने पर विचार किया जाना चाहिए। झारखंड के बच्चे और बच्चियां हॉकी के क्षेत्र में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में शिक्षा के साथ खेल कौशल को बढ़ावा देने से उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिल सकते हैं।



जयपुर मूल की पिया डांडिया ने अमेरिका में रचा इतिहास, फ्लोरिडा से कांग्रेस का चुनाव जीतकर बनीं सांसद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर से पारिवारिक संबंध रखने वाली पिया डांडिया ने अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में जीत दर्ज कर वहां की राजनीति में अपनी पहचान बनाई है। डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार पिया ने फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा का चुनाव रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी केसी असकर को हराकर जीता। उन्हें 51.89 प्रतिशत वोट मिले, जबकि केसी असकर को 48.11 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। इस जीत के साथ पिया फ्लोरिडा से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में पहुंचने वाली पहली दक्षिण एशियाई मूल की प्रतिनिधि बन गई हैं। उनकी जीत को भारतीय मूल के लोगों के लिए भी महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। पिया डांडिया का परिवार मूल रूप से जयपुर का रहने वाला है। उनके माता-पिता वर्ष 1980 में जयपुर से अमेरिका जाकर बस गए थे। पिया का जन्म अमेरिका में ही हुआ और उनका बचपन वहीं बीता। हालांकि, विदेश में रहने के बावजूद उनका जयपुर से पारिवारिक जुड़ाव बना रहा। उनके परिवार के कई रिश्तेदार आज भी जयपुर में रहते हैं। माता-पिता छुट्टियों के दौरान उन्हें रिश्तेदारों से मिलने जयपुर भेजते थे। कॉलेज के दिनों तक भी उनका जयपुर आना-जाना जारी रहा। इसी वजह से पिया का अपने पारिवारिक शहर से भावनात्मक रिश्ता बना रहा। पिया के पिता डॉ. रोहित डांडिया पेशे से चिकित्सक हैं। उन्होंने जयपुर के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई की थी। अमेरिका में भी उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। वहीं, पिया की मां शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ी रही हैं। उन्होंने अमेरिका के जुपिटर शहर में एक मोंटेसरी विद्यालय की शुरुआत की थी। पिया की शुरुआती पढ़ाई भी अपनी मां के इसी विद्यालय में हुई। बचपन से ही शिक्षा के माहौल में रहने के कारण उनका रुझान भी शिक्षण और विद्यार्थियों के विकास की ओर बढ़ा।



रणजी ट्रॉफी में बल्लेबाजों का धमाका, उर्विल पटेल, सनवीर सिंह और प्रदोष रंजन पॉल के दोहरे शतक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। रणजी ट्रॉफी 2026-27 के दूसरे दिन बल्लेबाजों का जबरदस्त दबदबा देखने को मिला। गुजरात के उर्विल पटेल, पंजाब के सनवीर सिंह और तमिलनाडु के प्रदोष रंजन पॉल ने शानदार दोहरे शतक जड़कर अपनी टीमों को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। पंजाब ने आंध्र प्रदेश के खिलाफ 9 विकेट पर 592 रन बनाकर पारी घोषित की, जबकि गुजरात ने 9 विकेट पर 534 और तमिलनाडु ने 7 विकेट पर 571 रन बनाकर अपनी पारियां समाप्त कीं। दूसरी ओर गेंदबाजी में त्रिपुरा के स्पिनरों परवेज सुल्तान और संदीप सरकार ने सौराष्ट्र की टीम को महज 118 रन पर समेट दिया। गोवा ने भी बिहार को 107 रन पर आउट कर फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर कर दिया। पंजाब और आंध्र प्रदेश के मुकाबले में पंजाब के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम की ओर से तीन बल्लेबाजों ने शतकीय पारियां खेलीं। सनवीर सिंह ने पहले दिन के नाबाद 100 रन को आगे बढ़ाते हुए दोहरा शतक पूरा किया। सलिल अरोड़ा ने 375 गेंदों का सामना करते हुए 205 रन बनाए। उनकी पारी में 22 चौके शामिल रहे। इमनजोत सिंह चहल ने भी 150 गेंदों में 122 रन की पारी खेली, जिसमें सात चौके और नौ छक्के शामिल थे। दसवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे सुखदीप सिंह बाजवा ने 38 रन की नाबाद तेज पारी खेली। इन पारियों की बदौलत पंजाब ने 9 विकेट पर 592 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। गुजरात की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज उर्विल पटेल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 227 गेंदों में नाबाद 210 रन बनाए। केवी अनीश 142 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि अनश्वर गौतम ने 83 और मानवंत कुमार ने नाबाद 53 रन बनाए। इस प्रदर्शन के बाद कर्नाटक ने असम पर 361 रन की बढ़त हासिल कर ली।



पंचायत चुनाव से पहले पुलिस का शक्ति प्रदर्शन, सैंथल क्षेत्र में निकाला फ्लैग मार्च

ग्रामीणों से बिना किसी डर या दबाव के अधिक से अधिक मतदान करने और चुनाव के दौरान शांति बनाए रखने की अपील की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दौसा। राजस्थान में पंचायत राज चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में दौसा जिले के सैंथल उपखंड क्षेत्र में राजस्थान पुलिस की ओर से देर शाम फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान पुलिस जवानों ने ग्रामीणों को निर्भीक होकर मतदान करने और क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया। राजस्थान पुलिस के जयपुर आयुक्तालय से आए राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में सैकड़ों पुलिस जवानों ने विभिन्न गांवों में पैदल मार्च किया। सैंथल पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले गांवों में पहुंचकर जवानों ने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट संदेश दिया कि मतदान के दौरान किसी भी तरह के दबाव, डर या भय में आने की आवश्यकता नहीं है। फ्लैग मार्च के माध्यम से पुलिस ने चुनाव के दौरान शांति भंग करने और मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश करने वालों को भी कानून व्यवस्था के प्रति सख्त संदेश दिया। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा का भरोसा कायम करना और भयमुक्त वातावरण में मतदान सुनिश्चित करना है।



डभोई में वीआईपी संस्कृति के खिलाफ जनाक्रोश, प्रधानमंत्री के दौरे के बाद खुली सफाई व्यवस्था की पोल



महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। गुजरात के ऐतिहासिक नगर डभोई में वीआईपी संस्कृति और प्रशासन की कथित दोहरी नीति के खिलाफ स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश है। प्रधानमंत्री और अन्य उच्च अधिकारियों के दौरे के दौरान नगर में स्वच्छता के नाम पर की गई दिखावटी व्यवस्थाओं की वास्तविकता उनके लौटते ही सामने आ गई। नागरिकों का आरोप है कि प्रशासन ने गंदगी का स्थायी समाधान करने के बजाय उसे छिपाने पर सरकारी धन खर्च किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एकता की प्रतिमा जाने वाले विशिष्ट अतिथियों के आवागमन को ध्यान में रखते हुए डभोई-शिनोर चौराहे से नांदोदी दरवाजे तक मार्ग के दोनों ओर विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। स्वच्छता के बड़े-बड़े नारों के बीच वर्षों से जमा कचरे, गंदगी और दुर्गंध को छिपाने के लिए विशाल पट्टिकाएं, आकर्षक चित्रपट और कपड़ों के पर्दे लगाए गए थे। आरोप है कि वास्तविक सफाई करने के बजाय बाहर से आने वाले अतिथियों की नजरों से नगर की बदहाल स्थिति छिपाने का प्रयास किया गया। प्रधानमंत्री और उच्च अधिकारियों का दौरा समाप्त होते ही लगाए गए पर्दे और पट्टिकाएं हटा लिए गए। इनके हटते ही सड़क किनारे पुराने कचरे के ढेर, प्लास्टिक का कचरा और दुर्गंध फिर दिखाई देने लगी। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि करदाताओं की मेहनत की कमाई को सफाई के स्थायी समाधान के बजाय दिखावे पर खर्च कर दिया गया। नागरिकों का कहना है कि जब भी किसी विशिष्ट अतिथि का दौरा होता है, तब रातोंरात सड़कें सुधारी जाती हैं, रोशनी की व्यवस्था होती है और स्वच्छता का प्रदर्शन किया जाता है। लेकिन नियमित रूप से कर चुकाने वाले स्थानीय लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है। बरसात हो या सामान्य दिन, उफनती नालियां, खराब सड़कें और गंदगी लोगों की परेशानी बढ़ा रही हैं।

अहमदाबाद में मिठाई-नमकीन की दुकानों पर खाद्य जांच किट की पहल तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अहमदाबाद नगर निगम ने मिठाई और नमकीन की दुकानों पर त्वरित खाद्य-जांच किट उपलब्ध कराने की पहल शुरू की है। कई बड़े दुकानदारों और खाद्य प्रतिष्ठानों ने यह सुविधा शुरू कर दी है, जबकि छोटे और मौसमी कारोबारियों के बीच इसे लेकर जानकारी और अमल की स्थिति अलग-अलग है। बताया गया है कि करीब 3,000 रुपये की कीमत वाली इन किटों से मिठाई और नमकीन में संभावित मिलावट की मौके पर शुरुआती जांच की जा सकती है। नगर निगम के अनुसार, पांच लाख रुपये से अधिक वार्षिक कारोबार वाले दुकानदारों के लिए यह सुविधा रखना अनिवार्य है। गुजरात मिठाई और नमकीन संघ के अध्यक्ष कमलेश कंदोई ने कहा कि संघ के कई सदस्यों ने दुकानों में किट उपलब्ध करा दी हैं, लेकिन इनके सही इस्तेमाल के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण देना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि त्योहारों के व्यस्त समय में ग्राहकों की भीड़ के बीच जांच की प्रक्रिया से दुकान के कामकाज पर असर पड़ सकता है। किट के गलत इस्तेमाल या उससे जुड़ी गलतफहमी को लेकर भी कारोबारियों ने चिंता जताई है। इस पहल का उद्देश्य ग्राहकों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के प्रति जागरूक करना और मिलावट की शुरुआती जांच को आसान बनाना है। छोटे और मध्यम दुकानदारों को पर्याप्त जानकारी और प्रशिक्षण देने से व्यवस्था को लागू करने में मदद मिल सकती है। निगम और कारोबारियों के बीच समन्वय से ही यह पहल प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सकेगी।

करमसद-आनंद में सड़क निर्माण पर सवाल, कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। करमसद और आनंद क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्यों को लेकर कथित अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। एक नागरिक द्वारा निर्माण कार्य का वीडियो सामाजिक माध्यमों पर साझा किए जाने के बाद नगर निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जा रहे हैं। नागरिकों ने पूछा है कि वीडियो सामने आने के बाद संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। आरोपों के केंद्र में केके ठेकेदार, उस्मान इंजीनियर और अथर्व इंजीनियरिंग एजेंसी की भूमिका बताई जा रही है। नागरिकों ने निर्माण में इस्तेमाल सामग्री की गुणवत्ता, सड़क की मोटाई और निर्धारित तकनीकी मानकों के पालन की जांच कराने की मांग की है। साथ ही यह भी पूछा है कि क्या स्थल निरीक्षण और गुणवत्ता परीक्षण नियमित रूप से किए गए थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य में खामियां पाई गई हैं, तो जिम्मेदार ठेकेदार और अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने नगर निगम से जांच की स्थिति, परीक्षण रिपोर्ट और कार्रवाई का विवरण सार्वजनिक करने की मांग की है। हालांकि, वीडियो में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित पक्षों का जवाब उपलब्ध नहीं है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि नगर निगम ने मामले में कोई औपचारिक जांच शुरू की है या नहीं। इसलिए आरोपों के आधार पर किसी व्यक्ति या एजेंसी की जिम्मेदारी तय नहीं की जा सकती। नागरिकों ने प्रशासन से पारदर्शी जांच कराकर तथ्य सामने रखने और सार्वजनिक धन से हुए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की मांग की है।

धर्म की पवित्रता पर गंभीर सवाल

सागरचंद्र सागर विवाद और निष्पक्ष जांच की मांग

कथित चैट और ऑडियो की वैज्ञानिक जांच के साथ धार्मिक संस्थाओं के दान व वित्तीय लेन-देन का स्वतंत्र लेखा परीक्षण कराने की उठी आवाज़

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद/मसूर। जैन धर्म अहिंसा, अपरिग्रह, त्याग, तपस्या और ब्रह्मचर्य की नींव पर बना था। भगवान महावीर स्वामी के ये पवित्र सिद्धांत पूरी मानवता को संयम और धर्म का पवित्र मार्ग दिखाते हैं। लेकिन जब धर्म के एक पवित्र साधु की आड़ में अनैतिकता, आस्था का गलत इस्तेमाल और फाइनेंशियल गड़बड़ियों के गंभीर आरोप लगते हैं, तो स्वाभाविक रूप से पूरे जैन समाज में गुस्सा और चिंता होती है। 'सागरचंद्र सागर' के खिलाफ उठा विवाद इस लेवल तक पहुंच गया है, जिससे मैसूर से लेकर पालिताना तक चर्चा और गुस्से का माहौल बन गया है।

सोशल मीडिया पर वायरल कंटेंट और एक साधु के जीवन की सीमाएं

इस विवाद का मुख्य फोकस सोशल मीडिया पर वायरल हुए कथित WhatsApp चैट, कॉल रिकॉर्डिंग और तस्वीरें हैं। इस मटीरियल ने साधु जीवन की गरिमा और सीमाओं पर सवालों की एक लंबी लिस्ट खड़ी कर दी है। आरोपों की गंभीरता इतनी है कि कुछ महिलाओं और साध्वियों के साथ कथित अनैतिक संबंधों की चर्चाएँ ज़ोर पकड़ रही हैं। हालांकि, सिर्फ़ सोशल मीडिया पर चल रही सामग्री के आधार पर किसी अंतिम नतीजे पर नहीं पहुँचा जा सकता। सवाल यह उठता है कि अगर ये आरोप बेबुनियाद हैं, तो संबंधित पक्ष तुरंत और खुलकर सफ़ाई क्यों नहीं दे रहा है? और अगर उनमें सच्चाई है, तो कानूनी जाँच से क्यों भाग रहा है? धर्म के नाम पर कानून और नैतिकता से ऊपर कोई खास छूट नहीं ले सकता।

फ़ोरेंसिक जाँच और सच्चाई सामने लाने की ज़रूरत

किसी भी व्यक्ति की इज़्ज़त और समाज की आस्था के बीच बैलेंस बनाए रखने के लिए न्यायिक और साइंटिफ़िक नज़रिया अपनाना बहुत ज़रूरी है। वायरल चैट और ऑडियो रिकॉर्डिंग असली हैं या नकली? क्या उनमें कोई छेड़छाड़ हुई है? इन सभी मामलों को सुलझाने के लिए गहरी फ़ोरेंसिक जाँच ज़रूरी है। यह मामला सिर्फ़ कुछ तस्वीरों या चैट तक सीमित नहीं है, बल्कि जैन समुदाय की सदियों पुरानी पवित्र परंपरा और लाखों भक्तों की आस्था की पवित्रता से जुड़ा है।

करोड़ों का दान, ट्रस्टियों की भूमिका और ट्रांसपेरेंट ऑडिट का सवाल

जैन तीर्थस्थलों, धार्मिक स्थलों और धार्मिक संस्थाओं को भोले-भाले भक्तों द्वारा दिया जाने वाला दान जीवन, शिक्षा, धार्मिक सेवा और समाज कल्याण के लिए होता है। इस विवाद के साथ ही संस्थाओं के ट्रस्टियों, पदाधिकारियों और मीडिया कोऑर्डिनेटर अभय चोपड़ा जैसे सहयोगियों की भूमिका भी शक के दायरे में आ गई है। इस बात की जांच किसी निष्पक्ष थ्रत्र या स्वतंत्र ऑडिट अथॉरिटी से करवाई जानी चाहिए कि दान की रकम का कोई गलत इस्तेमाल तो नहीं हुआ, फाइनेंशियल लेन-देन में कोई गड़बड़ी तो नहीं हुई और ट्रस्टों के अकाउंट ट्रांसपेरेंट हैं या नहीं।

लेक्चर का बॉयकॉट और जैन समुदाय में गहरा गुस्सा

मध्य प्रदेश के मसूर इलाके में सागर चंद्र सागर के लेक्चर होने की खबरों के बीच जैन भक्तों में तीखी प्रतिक्रियाएं आई हैं। जैन समुदाय के जागरूक तबकों द्वारा ऐसे लेक्चर और प्रोग्राम का बॉयकॉट करने की पुरजोर अपील की जा रही है। लेक्चर में आने वालों की संख्या में भारी गिरावट के दावे भी चर्चा का विषय बन गए हैं। समुदाय का साफ़ कहना है कि जब तक गंभीर आरोपों से पर्दा नहीं उठ जाता और संतोषजनक जवाब नहीं मिल जाता, तब तक धार्मिक प्लेटफॉर्म का गलत इस्तेमाल बंद होना चाहिए।

जैन समुदाय की मुख्य और सख्त मांगें

1. सागर चंद्र सागर के खिलाफ़ गलत काम और गलत काम के सभी आरोपों की समय पर और बिना किसी भेदभाव के न्यायिक जांच होनी चाहिए।



2. वायरल चैट, तस्वीरों और कॉल रिकॉर्डिंग की एक्सपर्ट्स से फोरेंसिक जांच होनी चाहिए और सच्चाई सामने आनी चाहिए।

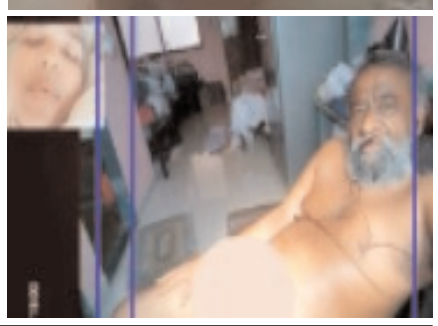
3. इस पूरे मामले में शामिल महिलाओं की इज़्ज़त, सुरक्षा और प्राइवेसी की पूरी तरह से रक्षा होनी चाहिए।

4. धार्मिक संस्थाओं के करोड़ों रुपये के डोनेशन और फाइनेंशियल लेन-देन का एक इंडिपेंडेंट और ट्रांसपेरेंट ऑडिट होना चाहिए।

5. ट्रस्टी, वहीवटदार और अभय चोपड़ा समेत सभी पदाधिकारियों की भूमिका की पूरी जांच होनी चाहिए।

6. अगर जांच में किसी भी तरह का अपराध या गलत काम साबित होता है, तो धार्मिक स्थिति या भेष की परवाह किए बिना, कानून के मुताबिक सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।





एक सीधा सवाल, महानगर मेट्रो की दहाड़

भगवान महावीर के राज में पवित्रता बनाए रखने की मुख्य ज़िम्मेदारी सिर्फ़ साधुओं की नहीं, बल्कि ट्रस्टियों, एडमिनिस्ट्रेटर्स और पूरे जैन समुदाय की है। अगर आरोप झूठे हैं, तो उन्हें इंसानी सबूतों से साबित किया जाना चाहिए, और अगर गलत काम या जुर्म साबित हो जाता है, तो आरोपी को किसी भी धार्मिक आड़ में बचाया नहीं जा सकता। अब सच और इंसाफ़ ही एकमात्र रास्ता है – जैन समुदाय, उससे जुड़े ट्रस्ट और ज़िम्मेदार संस्थाएँ इस विवाद के काले बादलों को हटाने और सच सामने लाने में कब एक्टिव होंगी?

गांधीनगर में आदिवासी न्याय महासम्मेलन की हुंकार, सरकार के खिलाफ शकुंतलाबेन वसावा का तीखा हमला, चैतर के समर्थन में उमड़ा समाज

जल-जंगल-जमीन के अधिकारों को लेकर सरकार के सामने रखी चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में आदिवासी समाज के अधिकारों और न्याय की मांग को लेकर आयोजित विशाल आदिवासी न्याय महासम्मेलन में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी। डेडियापाड़ा के विधायक चैतर वसावा के समर्थन में आयोजित इस सम्मेलन में उनकी पत्नी शकुंतलाबेन वसावा ने राज्य सरकार और प्रशासन पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आदिवासी समाज के अधिकारों की लड़ाई किसी भी दबाव के सामने नहीं रुकेगी। सम्मेलन को संबोधित करते हुए शकुंतलाबेन वसावा ने पुलिस कार्रवाई और सरकार की



नीतियों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के लोगों पर चाहे कितने भी मामले दर्ज किए जाएं या उन्हें जेल में बंद किया जाए, लेकिन जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने चैतर वसावा के खिलाफ हुई कार्रवाई को राजनीतिक द्वेष से प्रेरित बताया और कहा कि सरकार के दबाव से आदिवासी समाज की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। उनके इस संबोधन के दौरान सम्मेलन में उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर समर्थन जताया और आदिवासी एकता के नारे लगाए। गांधीनगर में आयोजित यह महासम्मेलन केवल विरोध प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आदिवासी समाज की एकजुटता और शक्ति प्रदर्शन का बड़ा मंच बन गया। सम्मेलन में राज्य के विभिन्न आदिवासी क्षेत्रों से आए लोगों ने सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दे उठाए। इसके साथ ही आदिवासी समाज को प्राप्त संवैधानिक अधिकारों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की मांग भी की गई। आयोजकों और समर्थकों के अनुसार, प्रशासन की ओर से लगाई गई विभिन्न पाबंदियों और कठिनाइयों के बावजूद बड़ी संख्या में लोग सम्मेलन में पहुंचे। इससे राजधानी में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गईं।

डभोई में आधुनिकता की चमक के बीच मिट्टी के दीपकों का अस्तित्व संकट में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व दीपावली नजदीक आते ही बाजारों में सजावटी वस्तुओं की रौनक बढ़ गई है। लेकिन गुजरात के ऐतिहासिक नगर डभोई में परंपरागत मिट्टी के दीपक बनाने वाले प्रजापति समाज के कुम्हार परिवारों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। चीनी बिजली की लड़ियों, प्लास्टिक के रंगीन दीपकों और चमकदार सिरेमिक वस्तुओं की बढ़ती मांग के कारण मिट्टी के पारंपरिक दीपकों की बिक्री प्रभावित हो रही है। प्रजापति समाज के कारीगर दीपावली से कई महीने पहले ही मिट्टी के दीपक तैयार करने में जुट जाते हैं। मिट्टी लाने, चाक पर दीपक बनाने, उन्हें धूप में सुखाने और भट्ठी में पकाने की कठिन प्रक्रिया के बाद तैयार माल बाजार में पहुंचाया जाता है। लेकिन इस बार मांग में गिरावट के कारण बड़ी मात्रा में दीपक बिक नहीं पा रहे हैं। इससे कारीगरों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। एक समय था जब दीपावली के अवसर पर डभोई के बाजारों में मिट्टी के दीपक खरीदने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती थी। घरों में पारंपरिक मिट्टी के दीपक जलाने की परंपरा प्रमुख थी। लेकिन अब रंग-बिरंगी बिजली की रोशनी और आकर्षक सजावटी वस्तुओं के बढ़ते चलन ने मिट्टी के दीपकों की मांग को प्रभावित किया है। कारीगरों का कहना है कि दिन-रात मेहनत करके हजारों दीपक तैयार करने के बावजूद उन्हें लागत के बराबर भी कीमत नहीं मिल पा रही है। तैयार माल नहीं बिकने से परिवारों की आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है। कई परिवारों के सामने दीपावली के त्योहार पर अपने घरों में दीपक जलाने तक की चिंता खड़ी हो गई है।



अहमदाबाद में 35 से अधिक अपराधों में शामिल शातिर सेंधमार गिरफ्तार

खाड़िया की रायपुर सिद्धि की पोल में बंद मकान को बनाया था निशाना, अपराध शाखा की क्षेत्रीय इकाई-3 ने माणेकचौक से पकड़ा, 2.36 लाख रुपये का माल बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद शहर में बंद मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले एक शातिर अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। खाड़िया क्षेत्र की रायपुर सिद्धि की पोल में हुई सेंधमारी के मामले में अपराध शाखा की क्षेत्रीय इकाई-3 की टीम ने आरोपी को माणेकचौक से पकड़ा। आरोपी की पहचान लालजीभाई उकाभाई सोलंकी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ पहले से ही 35 से अधिक अपराधों के मामले दर्ज हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, खाड़िया की रायपुर सिद्धि की पोल में रहने वाले एक परिवार के बंद मकान को चोर ने निशाना बनाया था। मकान के ताले तोड़कर भीतर घुसे आरोपी ने नकदी और कीमती सामान चोरी कर लिया और मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और अपराध शाखा ने जांच शुरू की। अपराध शाखा की क्षेत्रीय इकाई-3 की टीम ने तकनीकी निगरानी, स्थानीय सूचनाओं और आसपास लगे निगरानी कैमरों के चित्रों की सहायता से आरोपी की पहचान की। इसके बाद पुलिस ने माणेकचौक क्षेत्र में घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी के पुराने अभिलेखों की जांच में पता चला कि उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में 35 से अधिक अपराध दर्ज हैं। वह पहले भी कई बार जेल जा चुका है। जेल से बाहर आने के बाद दोबारा अपराध करने के आरोप भी उसके विरुद्ध सामने आए हैं। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की नकदी और अन्य सामान सहित कुल 2.36 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति बरामद की है। गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी ने पूर्व में किन-किन स्थानों पर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था और क्या इन वारदातों में उसके साथ अन्य लोग भी शामिल थे।



अहमदाबाद के निकोल में भीषण सड़क हादसा, मृतकों की संख्या बढ़ी, पीड़ित परिवारों में शोक और आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद शहर के पूर्वी क्षेत्र निकोल में तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर की टक्कर से हुए भीषण सड़क हादसे में एक और व्यक्ति की मौत हो गई। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इसके साथ ही हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ गई है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, निकोल क्षेत्र में तेज रफ्तार से दौड़ रही फॉर्च्यूनर गाड़ी ने सड़क पर कई लोगों को टक्कर मार दी थी। इस दुर्घटना में राहगीरों और वाहन चालकों सहित कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया था। इनमें से एक व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई थी। चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इस घटना के बाद मृतक के परिवार में शोक छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय नागरिकों में भी इस दुर्घटना को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शहर में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। महंगी और शक्तिशाली गाड़ियों के चालक यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए आम लोगों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई नहीं होने से लापरवाह वाहन चालकों के हौसले बढ़ रहे हैं। दुर्घटना के बाद पुलिस और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों और मृतकों के परिजनों ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।



अहमदाबाद में 120 करोड़ की जमीन के सौदे में 58.9 करोड़ की कथित धोखाधड़ी

बोडकदेव के व्यापारी परिवार की शिकायत पर तीन निर्माण व्यवसायियों के खिलाफ अपराध शाखा में मामला दर्ज, आर्थिक अपराध शाखा ने शुरू की जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में जमीन के बड़े सौदे में कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। बोडकदेव के एक व्यापारी परिवार ने तीन निर्माण व्यवसायियों पर 120 करोड़ रुपये मूल्य की पैतृक जमीन के सौदे में 58.9 करोड़ रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर अहमदाबाद अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, व्यापारी परिवार के पास सरखेज-ओकाफ के फतेहवाड़ी क्षेत्र में लगभग 56 हजार वर्गगज पैतृक जमीन है। इस जमीन का बाजार मूल्य करीब 120 करोड़ रुपये बताया गया है। हालांकि, जमीन के कुछ हिस्सों पर किरायेदारों और अन्य लोगों का कब्जा होने के कारण परिवार को इसका पूर्ण अधिकार प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इसके अतिरिक्त, व्यापारी के चाचा और उनके पुत्रों ने भी संपत्ति पर अपना अधिकार जताया था। इससे जमीन के स्वामित्व और कब्जे को लेकर कानूनी विवाद उत्पन्न हो गए थे। आरोप है कि इसी विवाद को सुलझाने और जमीन का पूरा कब्जा दिलाने का आश्वासन देकर तीनों निर्माण व्यवसायियों ने व्यापारी परिवार से संपर्क किया। परिवार ने उन पर भरोसा करते हुए उन्हें अधिकार पत्र सौंप दिया। इसके बाद वर्ष 2024 से 2025 के बीच जमीन के पंजीकृत विक्रय पत्र भी तैयार किए गए। शिकायत के अनुसार, जमीन खाली कराने और अवैध कब्जे हटाने के खर्च के नाम पर निर्माण व्यवसायियों ने परिवार को लगातार आश्वासन दिए, लेकिन उसके हिस्से की 58.9 करोड़ रुपये की राशि



वापस नहीं की। लंबे समय तक भुगतान नहीं होने और लगातार टालमटोल किए जाने के बाद परिवार को कथित धोखाधड़ी का पता चला। इसके बाद व्यापारी परिवार ने पुलिस से शिकायत की। अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा ने उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों और शिकायत के आधार पर तीनों आरोपियों के विरुद्ध धोखाधड़ी, विश्वासघात और आपराधिक षड्यंत्र से संबंधित मामला दर्ज किया है। पुलिस अब जमीन के सौदे, अधिकार पत्रों, पंजीकृत विक्रय पत्रों और धन के लेनदेन की जांच कर रही है। मामले में अन्य लोगों की भूमिका सामने आने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है।

दिवाली से पहले महंगाई का झटका, घी और सीएनजी के दाम बढ़ने पर कांग्रेस का सरकार पर हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में त्योहारों के मौसम के बीच महंगाई को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति के मीडिया संयोजक और प्रवक्ता डॉ. मनीष दोशी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार आवश्यक वस्तुओं के दाम नियंत्रित करने और आम जनता को राहत देने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि जमाखोरी, कालाबाजारी और मिलावट की शिकायतों के बीच लोगों पर महंगाई का बोझ बढ़ रहा है। दोशी के मुताबिक, दिवाली से पहले अमूल घी और मक्खन के दामों में बढ़ोतरी हुई है। एक किलो घी का डिब्बा 630 रुपये से बढ़कर 680 रुपये और 500 ग्राम घी का पैकेट 325 रुपये से बढ़कर 345 रुपये हो गया है। मक्खन के 100 ग्राम पैकेट पर तीन रुपये और 500 ग्राम पैकेट पर 15 रुपये की वृद्धि बताई गई है। कांग्रेस ने त्योहार के समय शुद्ध घी की उपलब्धता और मिलावट की शिकायतों पर भी सवाल उठाए। कांग्रेस ने ईंधन की बढ़ती कीमतों को भी आम लोगों के लिए चिंता का विषय बताया। उसके अनुसार, अहमदाबाद में सीएनजी का दाम 4.45 रुपये प्रति किलो बढ़कर 98.47 रुपये हो गया है। वडोदरा में सीएनजी के दाम में 1.50 रुपये की वृद्धि के बाद कीमत 90.50 रुपये प्रति किलो बताई गई है। घरेलू पाइप गैस के दाम में भी 50 पैसे की बढ़ोतरी का दावा किया गया है। कांग्रेस ने व्यावसायिक गैस सिलेंडर, पेट्रोल-डीजल और खाद्य वस्तुओं की महंगाई का मुद्दा भी उठाया। दोशी ने कहा कि बढ़ती लागत का असर रिक्शा, टैक्सी और स्कूल वैन चालकों के साथ-साथ छोटे परिवहन कारोबारियों और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार से घी तथा ईंधन के दामों पर नियंत्रण, शुद्ध खाद्य पदार्थों की पर्याप्त आपूर्ति और मिलावटखोरों व कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते राहत के कदम नहीं उठाए गए, तो महंगाई से परेशान लोगों का आक्रोश और बढ़ सकता है।

आनंद नगर निगम के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने नोटिस के जवाब में मांगी माफी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। नगर निगम में कुछ दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को कामकाज में कथित लापरवाही या अनुशासनहीनता के मामले में कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। नोटिस मिलने के बाद कर्मचारियों ने लिखित जवाब देकर अपनी गलती स्वीकार की और माफी मांगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, निगम के सफाई सहित अन्य विभागों में कार्यरत कुछ कर्मचारियों के काम के दौरान नियमों का उल्लंघन या लापरवाही बरतने की बात प्रशासन के संज्ञान में आई थी। इसके बाद संबंधित कर्मचारियों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया। बताया गया है कि कर्मचारियों ने अपने लिखित जवाब में गलती स्वीकार करते हुए भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं करने का भरोसा दिया। उन्होंने अधिकारियों से मानवीय आधार पर माफी देने की अपील भी की। हालांकि, नोटिस में दर्ज आरोपों और कर्मचारियों के जवाब का पूरा विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है। निगम प्रशासन का कहना है कि कामकाज में लापरवाही या अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कर्मचारियों से मिले लिखित जवाब और स्पष्टीकरण के आधार पर वरिष्ठ अधिकारी आगे की कार्रवाई पर निर्णय लेंगे। इस मामले के बाद निगम के अन्य कर्मचारियों को भी कामकाज में नियमों और अनुशासन का पालन करने का संदेश दिया गया है।

सूरत के कब्रिस्तान में सिर कटा शव मिलने से सनसनी

कातारगाम के गोटालावाड़ी स्थित ईसाई कब्रिस्तान में मिला अज्ञात पुरुष का धड़; पहचान और मौत के कारणों की जांच में जुटी पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। कातारगाम क्षेत्र के गोटालावाड़ी स्थित ईसाई कब्रिस्तान से एक अज्ञात पुरुष का सिर कटा शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव नग्न अवस्था में था। सूचना मिलने पर पुलिस, अपराध शाखा, विशेष अभियान समूह और फॉरेंसिक दल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल को घेरकर जांच शुरू की। शुरुआती जानकारी के अनुसार, शव का सिर धड़ से अलग था। मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हत्या कहां की गई और सिर कहां है। फिलहाल हत्या के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच में फॉरेंसिक विशेषज्ञों और खोजी कुत्तों की मदद ली जा रही है। कब्रिस्तान और आसपास के इलाकों में तलाशी के साथ-साथ क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग भी जांची जा रही है। पुलिस गुमशुदगी की शिकायतों के आधार पर मृतक की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि शव को कब्रिस्तान में लाकर छोड़ा गया था या वारदात वहीं हुई। अधिकारियों की ओर से मामले के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। जांच जारी है।

भावनगर में 23 पुलिसकर्मियों के तबादले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। जिले में शराब के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के साथ कथित संपर्क रखने की शिकायतों के बाद 23 पुलिसकर्मियों का तबादला कर दिया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक के आदेश पर की गई इस कार्रवाई से पुलिस विभाग में हलचल है। मिली जानकारी के अनुसार, जिले के विभिन्न थानों में तैनात कुछ कर्मचारियों के खिलाफ शिकायतें मिली थीं कि वे शराब और जुए जैसी अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों को कथित तौर पर संरक्षण दे रहे हैं या उनसे संपर्क बनाए हुए हैं। शिकायतों के बाद मामले की जांच कराई गई। इसके बाद 23 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से अन्य स्थानों पर भेजने के आदेश जारी किए गए। पुलिसकर्मियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों और जांच के निष्कर्षों का विस्तृत विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है। तबादले की कार्रवाई को लेकर विभाग में चर्चा है कि यदि आगे की जांच में किसी कर्मचारी की संलिप्तता सामने आती है, तो उसके खिलाफ विभागीय जांच या निलंबन जैसी कार्रवाई भी हो सकती है।



अहमदाबाद में 17.31 लाख रुपये की शराब और वाहन जब्त

मणिनगर में झगड़िया पुल के पास पुलिस की कार्रवाई, राजस्थान सीमा से शराब पहुंचाने वाले मुख्य आपूर्तिकर्ता सहित पांच आरोपी फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद शहर में शराब की अवैध तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा की क्षेत्रीय इकाई-6 ने मणिनगर क्षेत्र से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से विदेशी शराब, बीयर, एक हुंडई क्रेटा गाड़ी और तीन मोबाइल सहित कुल 17,31,361 रुपये का सामान जब्त किया है। मामले में राजस्थान सीमा से शराब पहुंचाने वाले मुख्य आपूर्तिकर्ता सहित पांच अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की हुंडई क्रेटा गाड़ी में विदेशी शराब की बड़ी खेप भरकर आपूर्ति के लिए ले जाई जा रही है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने मणिनगर के झगड़िया पुल के पास निगरानी शुरू की। संदिग्ध गाड़ी दिखाई देने पर पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसमें विदेशी शराब और बीयर का बड़ा भंडार मिला। पुलिस ने मौके से साहिल उर्फ बॉबी उर्फ भेदरो मनसुखभाई वाघेला और ध्रुव उर्फ धुलियो विनयभाई परमार को गिरफ्तार किया। दोनों की उम्र 22 वर्ष बताई गई है और वे अहमदाबाद के कागड़ापीठ क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, जब्त सामान में शराब और बीयर की कुल 2,183 बोतलें, अद्धे और डिब्बे शामिल हैं। इनकी कीमत 3,74,351 रुपये बताई गई है। इसके अतिरिक्त 12 लाख रुपये मूल्य की हुंडई क्रेटा गाड़ी और 1,57,000 रुपये मूल्य के तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। इस मामले में मणिनगर



पुलिस थाने में निषेध कानून के तहत अपराध दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। पुलिस की पूछताछ में राजस्थान सीमा के शामलाजी क्षेत्र में रहने वाले विवेकसिंह उर्फ बापू का नाम सामने आया है। उसे शराब का मुख्य आपूर्तिकर्ता बताया गया है। इसके अलावा सुजल, राहुल, योगेश राजपूत और पार्थ धनजीभाई वाघेला की भी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी साहिल के विरुद्ध कागड़ापीठ थाने में पहले से भी निषेध कानून के तहत मामला दर्ज है। उस मामले में भी उसकी गिरफ्तारी बाकी है। पुलिस अब शराब की आपूर्ति के पूरे जाल और फरार आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है।

हैदराबाद में 6.78 करोड़ रुपये की नकली मुद्रा बरामद, चार आरोपी गिरफ्तार

रामोजी फिल्म सिटी के निकट पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पांच सौ रुपये के नकली नोटों का भारी भंडार जब्त, अन्य राज्यों तक फैले गिरोह की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में नकली भारतीय मुद्रा के बड़े कारोबार का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने रामोजी फिल्म सिटी के निकट छापा मारकर पांच सौ रुपये के नकली नोटों का भारी भंडार बरामद किया है। जब्त की गई नकली मुद्रा का कुल मूल्य 6.78 करोड़ रुपये बताया गया है। इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हैदराबाद पुलिस के विशेष अभियान दल और स्थानीय पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध लोग बड़ी मात्रा में नकली भारतीय मुद्रा बाजार में चलाने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने रामोजी फिल्म सिटी के आसपास निगरानी शुरू की। इसके बाद की गई कार्रवाई में चार आरोपियों को पकड़ लिया



गया। तलाशी के दौरान उनके पास से पांच सौ रुपये के असली नोटों जैसे दिखाई देने वाले नकली नोटों का बड़ा भंडार मिला। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में नकली नोटों की छपाई और उन्हें असली मुद्रा के साथ बाजार में चलाने का एक बड़ा जाल संचालित होने की आशंका सामने आई है। हालांकि, इस कारोबार के पीछे मुख्य संचालक कौन है और नकली नोट कहां तैयार किए जाते थे, इसकी जांच जारी है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि जब्त की गई नकली मुद्रा किन स्थानों पर पहुंचाई जानी थी। मामले में अन्य राज्यों से जुड़े लोगों की भूमिका होने की आशंका भी जताई जा रही है। जांच अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा नकली नोटों की आपूर्ति के लिए किन रास्तों का उपयोग किया जा रहा था। नकली मुद्रा का इतना बड़ा भंडार मिलने से क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। इस तरह की गतिविधियां देश की आर्थिक व्यवस्था और बाजार में प्रचलित मुद्रा पर लोगों के विश्वास को प्रभावित कर सकती हैं। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में आगे की जांच के दौरान अन्य आरोपियों और नकली मुद्रा के पूरे जाल के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आने की संभावना है।

गुजरात युवा कांग्रेस के 49 पदाधिकारी निलंबित

राहुल गांधी की रैली में अनुपस्थित रहने का मामला; निलंबित पदाधिकारियों में 24 जिला अध्यक्ष और निगम चुनाव के दावेदार भी शामिल बताए गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात युवा कांग्रेस ने राहुल गांधी के गुजरात दौरे और रैली के दौरान अनुपस्थित रहने या सक्रिय भूमिका नहीं निभाने के आरोप में 49 पदाधिकारियों को निलंबित कर दिया है। पार्टी की ओर से की गई इस कार्रवाई में 24 जिला अध्यक्षों सहित स्थानीय और प्रदेश स्तर के पदाधिकारी शामिल बताए गए हैं। आगामी नगर निगम चुनाव में टिकट के दावेदारों पर भी कार्रवाई होने की जानकारी सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार, राहुल गांधी के गुजरात दौरे और रैली की तैयारियों के लिए युवा कांग्रेस के विभिन्न क्षेत्रों और जिलों के पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। आरोप है कि कुछ पदाधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हुए या उन्होंने निर्धारित जिम्मेदारियां नहीं निभाईं। इसके बाद संगठन ने अनुशासनात्मक कार्रवाई की। निलंबन की सूची में 24 जिला अध्यक्षों के अलावा प्रदेश और स्थानीय स्तर के अन्य पदाधिकारी भी शामिल बताए गए हैं। पार्टी की ओर से कार्रवाई का उद्देश्य संगठन में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करना बताया जा रहा है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियां चल रही हैं। हालांकि, निलंबित पदाधिकारियों के नामों और कार्रवाई से जुड़े आधिकारिक आदेश का पूरा विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया है। युवा कांग्रेस की इस कार्रवाई से संगठन में हलचल है। अब यह देखना होगा कि निलंबित पदाधिकारियों के जवाब के बाद पार्टी आगे क्या निर्णय लेती है।

ध्वस्तीकरण के बाद बेघर परिवारों की मुश्किलें बढ़ीं

9 अक्टूबर की कार्रवाई के बाद मलबे के बीच रहने को मजबूर होने का दावा; प्रभावित लोगों ने पुनर्वास और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। यहां के भूधरपुरा इलाके में 9 अक्टूबर को हुए ध्वस्तीकरण के बाद कुछ परिवारों के सामने रहने की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। प्रभावित लोगों का कहना है कि वे मलबे के बीच रहने को मजबूर हैं और वहां पीने के पानी, बिजली तथा सुरक्षित आश्रय की सुविधा नहीं है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल मदद और वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराने की मांग की है। प्रभावित परिवारों के अनुसार, वे अपनी समस्या लेकर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और महापौर हितेश बारोट से मिले थे। उनका दावा है कि उन्हें मदद का आश्वासन दिया गया, लेकिन आगे की कार्रवाई के लिए उप आयुक्त से संपर्क करने को कहा गया। परिवारों का आरोप है कि वहां उनसे अपने दावों के समर्थन



में दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, जबकि ध्वस्तीकरण के दौरान उनके कई कागजात और घरेलू सामान मलबे में दब गए। स्थानीय लोगों का यह भी दावा है कि संबंधित संपत्ति या मकानों के संबंध में अदालत का स्थगन आदेश मौजूद था। हालांकि, आदेश की प्रति और ध्वस्तीकरण से जुड़े प्रशासनिक दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। नगर निगम और संबंधित अधिकारियों का पक्ष भी सामने आना बाकी है। प्रभावित परिवारों ने दिवाली से पहले रहने की व्यवस्था करने, दस्तावेजों के पुनर्निर्माण में मदद देने और ध्वस्तीकरण की वैधता की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित जनप्रतिनिधियों से हस्तक्षेप की अपील की है। मामले में प्रशासन की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया और आगे की कार्रवाई का विवरण सामने आने पर स्थिति अधिक स्पष्ट हो सकेगी।

अहमदाबाद में जातिसूचक अपमान और प्रसारित ध्वनि संदेश का मामला, तेजस पटेल के खिलाफ अपराध दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित एक ध्वनि संदेश को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। निर्माण व्यवसायी तेजस पटेल के विरुद्ध अनुसूचित जाति के लोगों के प्रति कथित जातिसूचक अपमानजनक भाषा के प्रयोग के मामले में रानीप पुलिस थाने में अपराध दर्ज किया गया है। मामले की जांच के दौरान चांदखेड़ा पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर पंचनामा किया और घटना का पुनर्निर्माण भी कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तेजस पटेल की बातचीत से संबंधित एक ध्वनि संदेश सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हुआ था। आरोप है कि इस बातचीत में अनुसूचित जाति के लोगों के लिए अपमानजनक और आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया गया। संदेश सामने आने के बाद विभिन्न सामाजिक संगठनों और समाज के प्रतिनिधियों ने नाराजगी जताई तथा संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए रानीप पुलिस थाने में तेजस पटेल के विरुद्ध शिकायत दर्ज की गई। इसके बाद पुलिस ने जांच की प्रक्रिया तेज कर दी। चांदखेड़ा पुलिस की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक पंचनामा तैयार किया। इसके साथ ही घटना से संबंधित परिस्थितियों को समझने के लिए घटनास्थल पर पुनर्निर्माण की कार्रवाई भी की गई। इस मामले को लेकर स्थानीय नागरिकों और अनुसूचित जाति समाज के प्रतिनिधियों में नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि जाति के आधार पर किसी भी व्यक्ति या समुदाय का अपमान करना सामाजिक सद्भाव के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस की ओर से मामले की जांच जारी है। प्रसारित ध्वनि संदेश की सत्यता, उसमें कही गई बातों और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई पर स्थानीय नागरिकों तथा सामाजिक संगठनों की नजर बनी हुई है।

कणभा में चोरी की कोशिश के आरोप में प्रकाश काबरा गिरफ्तार

पुलिस ने नकली चाबियां, अलग-अलग नंबर प्लेटें और एक टेंपो जब्त किया; अन्य वारदातों में संलिप्तता की जांच जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। कणभा इलाके में चोरी की कोशिश के आरोप में पुलिस ने प्रकाश काबरा नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गश्त के दौरान उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगीं। तलाशी और पूछताछ के बाद उसके पास से चोरी में इस्तेमाल होने वाले सामान और एक टेंपो बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के पास से ताले खोलने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली नकली चाबियों का एक समूह, टेंपो की अलग-अलग नंबर प्लेटें और एक टेंपो जब्त किया गया है। पुलिस का कहना है कि इन सामानों का इस्तेमाल चोरी की वारदात को अंजाम देने और पहचान छिपाने के लिए किए जाने की आशंका है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अब यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वह पहले किसी अन्य चोरी या आपराधिक वारदात में शामिल रहा है या नहीं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस मामले में उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति या गिरोह जुड़ा हुआ था या नहीं। पुलिस के अनुसार, समय रहते कार्रवाई होने से इलाके में संभावित चोरी की वारदात टल गई। मामले की आगे की जांच जारी है।

अहमदाबाद में 109.12 करोड़ रुपये से बने जलशोधन संयंत्र का 9 नवंबर को उद्घाटन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पेयजल आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए जासपुर में तैयार किए गए 200 एमएलडी क्षमता के नए जलशोधन संयंत्र का उद्घाटन 9 नवंबर 2026 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे। अहमदाबाद नगर निगम के अनुसार, संयंत्र के निर्माण पर लगभग 109.12 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उद्घाटन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए महापौर हितेश बारोट ने जासपुर स्थित संयंत्र का निरीक्षण किया। इस



दौरान जलापूर्ति एवं मल-जल समिति के अध्यक्ष धरमशी देसाई भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने परियोजना की प्रगति और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। नगर निगम का कहना है कि नए संयंत्र से पश्चिम और उत्तर-पश्चिम अहमदाबाद सहित आसपास के क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति को मजबूती मिलेगी। परियोजना से लगभग 11 से 12 लाख नागरिकों को लाभ पहुंचने की उम्मीद है। लाभान्वित क्षेत्रों में रानीप, निर्णय नगर, सरदार पटेल रिंग रोड के आसपास विकसित हो रहे इलाके और नगर निगम की सीमा में शामिल बोपल-घुमा क्षेत्र बताए गए हैं। इसके अलावा, अहमदाबाद शहरी विकास प्राधिकरण की सीमा के शेला, मणिपुर और खोदियार गांव जैसे क्षेत्रों को भी इससे लाभ मिलने की बात कही गई है। महापौर हितेश बारोट ने कहा कि नगर निगम नागरिकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर रहा है। उनके अनुसार, जासपुर का नया संयंत्र उत्तर और पश्चिम अहमदाबाद में पानी की आपूर्ति बेहतर करने और भविष्य की जरूरतों के लिए व्यवस्था मजबूत बनाने में मदद करेगा। परियोजना के उद्घाटन के बाद संयंत्र से नियमित जलापूर्ति शुरू होने की प्रक्रिया और उससे मिलने वाले लाभों पर नजर रहेगी।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुरमुंदा में हाथीपांव (फाइलेरिया) से प्रभावित मरीजों को किया गया एमएमडीपी किट का वितरण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। जिले में फाइलेरिया उन्मूलन के लिए विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में डोंगरगढ़ विकासखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुरमुंदा में हाथीपांव (फाइलेरिया) से प्रभावित मरीजों को आवश्यक सामग्री युक्त एमएमडीपी किट का वितरण किया गया। किट में मरीजों की दैनिक देखभाल एवं स्वच्छता के लिए मच्छरदानी, टब, मग, दवाइयां, तौलिया सहित अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने फाइलेरिया पॉजिटिव मरीजों को निर्धारित उपचार पूर्ण रूप से लेने तथा प्रभावित अंग की नियमित साफ-सफाई एवं देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने एमएमडीपी किट में उपलब्ध सामग्री का नियमित रूप से उपयोग करने की अपील की। उन्होंने बताया कि नियमित स्वच्छता, प्रभावित अंग की उचित देखभाल एवं आवश्यक उपचार से फाइलेरिया से होने वाली जटिलताओं को नियंत्रित करने तथा फाइलेरिया की ग्रेडिंग को कम करने में सहायता मिल सकती है।

उन्होंने बताया कि जिले में फाइलेरिया नियंत्रण के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। वर्ष 2023 में डोंगरगांव एवं डोंगरगढ़ विकासखंडों में 58 माइक्रोफाइलेरिया पॉजिटिव केस पाए गए थे। उस समय जिले की माइक्रोफाइलेरिया दर 5 प्रतिशत थी। वर्ष 2024 में एमडीए राउंड आयोजित किया गया, जिसमें 96 प्रतिशत कवरेज प्राप्त हुआ। इसके बाद माइक्रोफाइलेरिया पॉजिटिव मामलों में कमी दर्ज की गई। वर्ष 2025 में पुन: एमडीए राउंड आयोजित किया गया। जिसमें 97 प्रतिशत कवरेज प्राप्त हुआ। इसके बाद माइक्रोफाइलेरिया पॉजिटिव केस घटकर 12 रह गए तथा जिले की एमएफ दर घटकर लगभग 1 प्रतिशत हो गई।

वर्ष 2026 में फाइलेरिया के छिपे हुए संक्रमण की पहचान के लिए नाइट ब्लड सर्वे किया गया। सर्वे के दौरान केवल 7 माइक्रोफाइलेरिया पॉजिटिव केस पाए गए।

जिससे जिले की एमएफ दर घटकर 0.3 प्रतिशत रह गई। वर्ष 2026 के एमडीए राउंड में भी 99 प्रतिशत कवरेज प्राप्त हुआ। जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार ने बताया कि नाइट ब्लड सर्वे में पॉजिटिव पाए गए सभी मरीजों का पूर्ण उपचार सुनिश्चित करने एवं नियमित फॉलोअप किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया नियंत्रण के लिए पॉजिटिव मरीजों की पहचान के बाद उनका पूरा उपचार एवं नियमित निगरानी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाने के लिए फरवरी 2027 में आयोजित होने वाले एमडीए राउंड में सभी पात्र व्यक्तियों को दवा का सेवन करने की अपील की। लिम्फेटिक फाइलेरियासिस एक वेक्टर जनित रोग है, जो संक्रमित मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से स्वस्थ व्यक्ति को रोग संक्रमण होता है।

जिसके कारण शरीर के अंग प्रभावित होता है। हाथ पैर में सूजन, हाइड्रोसील सहित अन्य लक्षण पाए जाते है। इस अवसर पर मलेरिया कंसल्टेंट डॉ. संगीता पांडेय, बीईटीओ श्रीमती ज्योति कड़े, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती मुक्ता कुजूर, मलेरिया सुपरवाइजर श्रीमती स्वाति बोरकर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुरमुंदा के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. लिमेश जोशी उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने 1580 लीटर घी किया सीज:ट्रेवल्स के ऑफिस पर की कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। दीपावली के त्योहार को देखते मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग कार्रवाई कर रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेंद्र सिंह शेखावत के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा कमला नेहरू नगर स्थित एमआर ट्रेवल्स पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान मौके पर घी ब्रांड डेयरी मिल्क पाया गया। टीम द्वारा ट्रेवल्स संचालक से इस घी के संबंध में जानकारी एवं दस्तावेज मांगे गए। संचालक द्वारा प्रस्तुत इनवॉइस के आधार पर घी एमएस रिद्धि-सिद्धि ट्रेडर्स का होना बताया गया। इसके बाद संबंधित फर्म के मालिक को भी मौके पर बुलाया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीनदयाल सैनी के द्वारा घी ब्रांड डेयरी मिल्क का नियमानुसार सैंपल लिया गया। इसके साथ ही घी की गुणवत्ता एवं शुद्धता पर संदेह के आधार पर लगभग 1580 लीटर घी सीज किया गया। घी को को जांच के लिए लैब भेजा जाएगा। लैब से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीनदयाल सैनी, सुरेश माली,योगेश मीणा और अंकित घोसल्या उपस्थित रहे।

जयपुर जेल में बंद पूर्व विधायक बलजीत यादव को हाईकोर्ट से मिली जमानत

विधायक निधि के 3.72 करोड़ रुपये के दुरुपयोग और धनशोधन मामले में 3 फरवरी को हुई थी गिरफ्तारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्व निर्दलीय विधायक बलजीत यादव को जमानत दे दी है। जयपुर केंद्रीय जेल में बंद यादव को न्यायमूर्ति रवि चिरानिया की पीठ ने जमानत पर रिहा करने के निर्देश दिए हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि के 3.72 करोड़ रुपये के कथित दुरुपयोग और धनशोधन के मामले में 3 फरवरी 2026 को उन्हें गिरफ्तार किया था।



आरोप है कि वर्ष 2018 से 2023 के दौरान बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र के 32 सरकारी स्कूलों के लिए बैडमिंटन और क्रिकेट सामग्री निर्धारित कीमत से ढाई से तीन गुना अधिक दाम पर खरीदी गई, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ। मामले में आपूर्ति करने वाली फर्मों पर कूटरचित दस्तावेजों के इस्तेमाल का भी आरोप है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने 12 दिसंबर 2024 को मामला दर्ज किया था। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने जांच शुरू की। इस प्रकरण में कई फर्मों के संचालक और शिक्षा विभाग के कर्मचारी भी आरोपी हैं।

राजस्थान में पटाखे चलाने को लेकर गाइडलाइन जारी:6 जिलों में तीन घंटे ही चला सकेंगे; केवल दो दिन की छूट



महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। दिवाली पर प्रदूषण को रोकने के लिए राजस्थान सरकार ने नई गाइडलाइन जारी की है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) के 6 जिलों में केवल 2 दिन ही पटाखे चलाने की छूट होगी। छूट भी केवल तीन घंटे के लिए ही मिलेगी। इन जिलों में केवल सर्टिफाइड ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति होगी। इनके अलावा दूसरे पटाखों पर पूरी तरह रोक रहेगी। QR कोड देखकर ही खरीद सकेंगे पटाखे ग्रीन पटाखों के हर पैकेट पर क्यूआर कोड होना जरूरी है। इसे स्कैन करने पर पटाखे के निर्माता, सर्टिफिकेशन और लाइसेंस से जुड़ी जानकारी मिलेगी। बिना QR कोड वाले पटाखों की बिक्री नहीं हो सकेगी। पटाखे केवल तय दुकानों से ही बेच सकेंगे। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर पटाखे बेचने पर भी रोक रहेगी।

अवैध पटाखों की बिक्री पर होगी कार्रवाई

जिला कलेक्टर और पुलिस अधिकारियों को अवैध पटाखों की बिक्री, स्टॉक और सप्लाई रोकने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए विशेष टीमें बनाई जाएंगी, जो दुकानों और गोदामों की जांच करेंगी। दिल्ली-एनसीआर में आने वाले वाहनों की भी चेकिंग होगी। नियम तोड़ने पर पटाखे जब्त करने के साथ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।राजस्थान पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और संबंधित जिला कार्यालय दिवाली के दौरान और इसके बाद रोजाना प्रदूषण के स्तर की जांच करेंगे।इसकी रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों, दुकानदारों और पटाखा बनाने वालों के खिलाफ पर्यावरण संरक्षण कानून के तहत कार्रवाई होगी।

बंदर ने ग्रामीणों पर हमला किया:लोगों ने पकड़कर बोरी में बंद किया, पशु अस्पताल गए तो ताला लगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सिरोही। रेवदर उपखंड के भटाना में एक बंदर ने कई ग्रामीणों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने मिलकर बंदर को पकड़ा और बोरी में बंद कर दिया। इस दौरान बंदर भी घायल हो गया। ग्रामीण घायल बंदर को इलाज के लिए स्थानीय पशु अस्पताल ले गए, लेकिन दोनों गेट पर ताला लगा था। उन्होंने पशु डॉक्टर और कंपाउंडर को फोन किया। काफी देर इंतजार के बाद कर्मचारी पहुंचे और बंदर का इलाज किया। ग्रामीण जीवाराम चौधरी ने बताया कि करीब 20 गांवों के लिए यही एकमात्र पशु अस्पताल है। उन्होंने कहा कि अस्पताल बंद रहने से पशुपालकों और ग्रामीणों को परेशानी होती है। ग्रामीणों ने अस्पताल में कर्मचारियों की नियमित मौजूदगी की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो उपखंड कार्यालय और जिला कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेंगे। भटाना के ग्राम विकास अधिकारी राजकुमार नागर ने बताया कि मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भटाना पशु अस्पताल में कर्मचारियों की नियमित मौजूदगी के लिए जरूरी व्यवस्था की जाएगी।

नेशनल हाईवे-27 पर मौत का तांडव: ट्रक की टक्कर से तीन दोस्तों की दर्दनाक मौत, उजड़ गए तीन परिवारों के सपने

आबूरोड के मावल कट के पास रात 10:30 बजे हुआ भीषण हादसा, बाइक के उड़े परखच्चे; तीनों युवक मजदूरी कर चलाते थे परिवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही/आबूरोड। नेशनल हाईवे-27 पर एक बार फिर तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। गुजरात से असम को जोड़ने वाले इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार रात एक भीषण सड़क हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं। आबूरोड थाना क्षेत्र के मावल कट के पास ट्रक ने बाइक सवार तीन युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और उस पर सवार तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया। तीनों मृतक आपस में दोस्त थे और मजदूरी कर अपना जीवनयापन करते थे। एक ही हादसे में तीन युवकों की मौत से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात करीब 10:30 बजे आबूरोड से गुजरात के पालनपुर की ओर जा रहा एक ट्रक मावल कट के पास आगे चल रही बाइक से टकरा गया। बाइक पर तीन युवक सवार थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही आबूरोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों युवकों को एंबुलेंस की सहायता से सरकारी उपजिला अस्पताल आबूरोड पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल पर दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।





तीन दोस्तों की जिंदगी का एक साथ अंत

हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान प्रकाश और शंकर मीणा निवासी देलवाड़ा, माउंट आबू तथा दिनेश उर्फ विनय निवासी चारनिया फली, सातपुर, आबूरोड के रूप में हुई है। प्रकाश और शंकर पड़ोसी थे, जबकि दिनेश भी उनका दोस्त था। तीनों युवक मजदूरी करते थे और अभी अविवाहित थे। परिवारों के लिए यह हादसा ऐसा दुख लेकर आया है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। प्रकाश के भाई प्रवीण ने बताया कि प्रकाश बिना बताए घर से निकला था। परिवार को रात करीब 12 बजे सूचना मिली कि सड़क दुर्घटना में उसकी मौत हो गई है। यह खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। प्रकाश के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका था। परिवार में उसके तीन भाई और चार बहनें हैं, जिनमें सभी विवाहित हैं। वहीं, शंकर मीणा के परिवार की स्थिति भी बेहद कठिन है। उसकी मां का निधन हो चुका था। परिवार में एक भाई और तीन बहनें हैं, जबकि पिता मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। दूसरी ओर दिनेश उर्फ विनय के पिता का भी पहले निधन हो चुका था। परिवार में मां और दो बहनें हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। तीनों युवकों की मौत ने उनके परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है।

शासन-प्रशासन से बड़ा सवाल: आखिर कब सुरक्षित होंगे हाईवे?

इस हादसे ने एक बार फिर राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मावल कट जैसे स्थानों पर वाहनों की आवाजाही और सड़क की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर क्या नियमित समीक्षा की जाती है? क्या दुर्घटना संभावित स्थानों की पहचान कर वहां जरूरी सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं? क्या भारी वाहनों की गति और यातायात नियमों की प्रभावी निगरानी हो रही है? सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर सड़क हादसों में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़ने के बाद ही प्रशासन की नींद क्यों खुलती है? क्या दुर्घटना होने के बाद जांच और कार्रवाई करना ही प्रशासन की जिम्मेदारी रह गई है, या हादसों को रोकने के लिए पहले से ठोस कदम उठाना भी जरूरी है? राष्ट्रीय राजमार्ग पर सफर करने वाले आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। ऐसे में प्रशासन को मावल कट सहित अन्य दुर्घटना संभावित स्थानों का सुरक्षा ऑडिट करवाकर आवश्यक सुधार करने चाहिए। यातायात नियमों की सख्ती से पालना, भारी वाहनों की निगरानी और सड़क सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित करना जरूरी है।

पुलिस कर रही हादसे की जांच, चालक की तलाश जारी

आबूरोड थानाधिकारी लक्ष्मणसिंह ने बताया कि आबूरोड से पालनपुर की ओर जा रहे ट्रक ने आगे चल रही बाइक को टक्कर मारी थी। पुलिस ने तीनों युवकों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के साथ फरार चालक की तलाश में जुटी है। तीन दोस्तों की एक साथ मौत ने तीन परिवारों को गहरे अंधेरे में धकेल दिया है। अब सवाल केवल इस हादसे के जिम्मेदार चालक को पकड़ने का नहीं, बल्कि उन व्यवस्थाओं को जवाबदेह बनाने का भी है, जिनका उद्देश्य ऐसी दुर्घटनाओं को रोकना और आम लोगों की जान की सुरक्षा करना है। आखिर कब तक सड़क हादसों के बाद केवल जांच और कार्रवाई की औपचारिकताएं होती रहेंगी और कब आम नागरिकों को सुरक्षित सफर का भरोसा मिलेगा?

अलवर में आईएएस शिखर अग्रवाल के 40 विला-कॉटेज खरीदने के मामले में एसीबी की जांच शुरू, कंपनी की जमीनों और संपत्तियों का मांगा ब्योरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अलवर। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी शिखर अग्रवाल और उनके परिवार की ओर से एक ही कंपनी से 40 विला-कॉटेज खरीदने का मामला अब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जांच के दायरे में आ गया है। अलवर में इस मामले को लेकर जांच शुरू करते हुए एसीबी ने जिला प्रशासन से गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड की जमीनों और संपत्तियों से जुड़ी विस्तृत जानकारी मांगी है। ब्यूरो ने प्रशासन को पत्र भेजकर कंपनी की ओर से जिले में कराए गए सभी भूमि रूपांतरणों का पूरा ब्योरा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही यह भी जानकारी मांगी गई है कि जिले में कंपनी के नाम पर कहां-कहां जमीन और अन्य संपत्तियां मौजूद हैं। एसीबी के पत्र के बाद जिला प्रशासन भी सक्रिय हो गया है और जिले के सभी पंजीयन कार्यालयों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। माना जा रहा है कि अगले दो दिनों में संबंधित जानकारी एकत्रित कर जांच एजेंसी को सौंप दी जाएगी। दरअसल, आईएएस शिखर अग्रवाल, उनकी पत्नी भारतीय पुलिस सेवा की अधिकारी प्रशाखा माथुर, उनके दो बेटों और सास-ससुर ने गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड से अलवर जिले के अजबगढ़ में 20 विला और उदयपुर के बुझड़ा में 20 कॉटेज खरीदे थे। इन सभी संपत्तियों की खरीद पर कुल 6 करोड़ 16 लाख 50 हजार रुपये खर्च किए गए। इस खरीदारी के बाद सभी विला और कॉटेज उसी कंपनी को किराये पर दे दिए गए, जिससे इन्हें खरीदा गया था। अजबगढ़ के 20 विला पांच लाख रुपये प्रति विला वार्षिक किराये पर कंपनी को दिए गए, जबकि बुझड़ा के 20 कॉटेज का सालाना किराया चार लाख रुपये प्रति कॉटेज तय किया गया। इस तरह इन संपत्तियों से हर साल कुल 1 करोड़ 80 लाख रुपये किराये के रूप में मिलने का प्रावधान है। शिखर अग्रवाल और उनकी पत्नी प्रशाखा माथुर के नाम पर अजबगढ़ स्थित अनंता स्पा एंड रिसॉर्ट में कुल 16 विला दर्ज हैं। इनमें चार विला शिखर अग्रवाल और 12 विला प्रशाखा माथुर के नाम पर खरीदे गए हैं। अधिकांश विला करीब 89 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के हैं। इनमें एक कमरा, शौचालय, भोजन कक्ष और बालकनी जैसी सुविधाएं शामिल हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, शिखर अग्रवाल ने यहां वर्ष 2024 में पहला विला खरीदा था। इसके बाद लगातार अन्य संपत्तियों की खरीदारी की गई। कंपनी ने रिसॉर्ट में एक कमरे वाले छोटे विला के साथ चार कमरों वाले संयुक्त विला भी बनाए हैं। जानकारी के अनुसार, गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड ने अजबगढ़ में वर्ष 2020-21 के दौरान विला निर्माण का काम शुरू किया था। शुरुआती दौर में इन संपत्तियों के पंजीकरण थानागाजी तहसील में हुए थे। बाद में प्रतापगढ़ तहसील बनने के बाद पंजीकरण की प्रक्रिया वहां शुरू हो गई। रिसॉर्ट में एक दिन ठहरने का न्यूनतम किराया करीब आठ हजार रुपये बताया गया है। बताया जा रहा है कि अधिकांश खरीदारों ने अपने विला व्यावसायिक उपयोग और किराये से आय प्राप्त करने के लिए कंपनी को ही सौंप रखे हैं। इस पूरे मामले में अब एसीबी की जांच का दायरा बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। जांच एजेंसी को आशंका है कि गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड में शिखर अग्रवाल के अलावा अन्य अधिकारियों और प्रभावशाली लोगों का भी निवेश हो सकता है। हालांकि, इस संबंध में अभी किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका प्रमाणित नहीं हुई है। एसीबी की ओर से मांगी गई भूमि रूपांतरण रिपोर्ट, संपत्तियों के पंजीकरण दस्तावेजों और अन्य अभिलेखों की जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल जिला प्रशासन से मांगी गई जानकारी के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।



16 नवंबर से कक्षाएं लगेंगी, अर्धवार्षिक परीक्षाएं 25 नवंबर से 5 दिसंबर तक



महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान के सभी राजकीय विद्यालयों में दीपोत्सव के अवसर पर मध्यावधि अवकाश घोषित किया गया है। शिविरा पंचांग के अनुसार प्रदेश के सरकारी स्कूलों में 4 नवंबर से 15 नवंबर तक अवकाश रहेगा। इस दौरान विद्यार्थियों को कुल 12 दिन की छुट्टियां मिलेंगी। अवकाश समाप्त होने के बाद 16 नवंबर से सभी विद्यालय नियमित रूप से फिर से खुलेंगे और शिक्षण कार्य शुरू होगा। छुट्टियों को लेकर विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल है। वहीं, विद्यालयों में अवकाश से पहले विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं की तैयारी और गृहकार्य से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। स्कूल के मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि शिविरा पंचांग के अनुसार मध्यावधि अवकाश की अवधि निर्धारित की गई है। विद्यार्थियों को छुट्टियों पर जाने से पहले विषयवार गृहकार्य और समय विभाग चक्र नोट करवाया गया है, ताकि वे अवकाश के दौरान अपनी पढ़ाई को नियमित रख सकें और आगामी परीक्षाओं की तैयारी भी कर सकें। इस बार विषय शिक्षकों ने विद्यार्थियों को अधिक लिखने के बजाय पाठ्यक्रम को अच्छी तरह याद करने और विषयों को समझने पर विशेष जोर दिया है। शिक्षकों का प्रयास है कि विद्यार्थी छुट्टियों का उपयोग पढ़ाई के लिए भी करें, जिससे परीक्षा के समय उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हो।

उदयपुर-नीमच के बीच रोडवेज बस चलाने की मांग:जैन मित्र मंडल ने मुख्य प्रबंधक को सौंपा ज्ञापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उदयपुर। बड़ीसादड़ी जैन मित्र मंडल, उदयपुर ने उदयपुर आगार के मुख्य प्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर उदयपुर से नीमच के बीच रोडवेज बस सेवा शुरू करने की मांग की है। मंडल का कहना है कि बस सेवा शुरू होने से बड़ीसादड़ी, छोटीसादड़ी सहित आसपास के गांवों के यात्रियों को आवागमन की सुविधा मिलेगी। ज्ञापन में उदयपुर डिपो की बस के संचालन के लिए समय-सारणी भी प्रस्तावित की गई है। इसके अनुसार बस सुबह 5:30 बजे उदयपुर से रवाना होकर 8:15 बजे बड़ीसादड़ी पहुंचेगी। यहां से 8:30 बजे छोटीसादड़ी के लिए रवाना होकर सुबह 9:30 बजे नीमच पहुंचेगी।

सुबह और शाम दोनों समय बस चलाने का प्रस्ताव

वापसी में बस शाम 7 बजे नीमच से रवाना होकर 7:40 बजे छोटीसादड़ी पहुंचेगी। यहां से 7:50 बजे बड़ीसादड़ी के लिए रवाना होकर रात 8:30 बजे पहुंचेगी। मंडल ने सुबह एक अतिरिक्त बस चलाने का प्रस्ताव भी दिया है। इसके तहत बस सुबह 6:30 बजे बड़ीसादड़ी से रवाना होकर 7:15 बजे छोटीसादड़ी पहुंचेगी। यहां से 7:30 बजे नीमच के लिए रवाना होकर सुबह 8:15 बजे पहुंचेगी।



कई कस्बों को जोड़ने की मांग

जैन मित्र मंडल ने नीमच से छोटीसादड़ी, बड़ीसादड़ी, बोहेड़ा, बांसी, कानोड़, भीण्डर और खेरोदा तक नियमित रोडवेज बसें संचालित करने की मांग भी की है। मंडल के अनुसार, इन मार्गों पर बस सेवा शुरू होने से विद्यार्थियों, मरीजों, व्यापारियों और आम यात्रियों को शिक्षा, इलाज व अन्य जरूरी कार्यों के लिए आवागमन में सुविधा मिलेगी। मंडल ने कहा कि रोडवेज सेवा शुरू होने से वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और बच्चों को भी सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन का विकल्प मिलेगा। अब क्षेत्रवासियों को रोडवेज विभाग के निर्णय और बस सेवा शुरू होने का इंतजार है।

माउंट आबू में होटल के पास दिखाई दिया 14 फीट लंबा विशालकाय अजगर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। राजस्थान की प्रसिद्ध पर्यटन नगरी माउंट आबू में एक होटल के पास उस समय लोगों का ध्यान एक विशालकाय अजगर ने अपनी ओर खींच लिया, जब करीब 14 फीट लंबा अजगर होटल के नजदीक घूमता हुआ दिखाई दिया। होटल के आसपास इतने बड़े अजगर की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद वन विभाग को इसकी जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही विभाग की टीम सक्रिय हुई और मौके पर पहुंचकर अजगर को सुरक्षित पकड़ने की कार्रवाई शुरू की। काफी मशक्कत के बाद टीम ने अजगर का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया और उसे आबादी क्षेत्र से दूर जंगल में छोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, माउंट आबू स्थित स्टर्लिंग होटल के पास अजगर दिखाई देने की सूचना वन विभाग को मिली थी। सूचना मिलते ही पशुधन सहायक रेहाना हब्सी, कमलेश राणा और रवि कुमार मौके पर पहुंचे। टीम ने सबसे पहले अजगर की स्थिति का जायजा लिया और इसके बाद सावधानीपूर्वक उसे पकड़ने की प्रक्रिया शुरू की। अजगर का आकार काफी बड़ा होने के कारण उसे काबू में करना आसान नहीं था। करीब 14 फीट लंबाई और 19 किलो से अधिक वजन वाले इस अजगर को पकड़ने में कर्मचारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि, टीम ने सतर्कता और सूझबूझ के साथ उसे सुरक्षित पकड़ लिया। रेस्क्यू के बाद अजगर को एक बक्से में रखा गया, ताकि उसे सुरक्षित तरीके से दूसरी जगह पहुंचाया।



रेलवे लाइन पर देर रात जोरदार धमाका, पटरी के नीचे लगे सीमेंट के दो ब्लॉक टूटे; 8 ट्रेनें रद्द

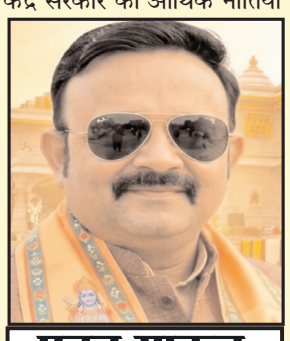
महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में मंगलवार रात रेलवे सुरक्षा को लेकर गंभीर मामला सामने आया। अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलमार्ग पर रात करीब 9:45 बजे अचानक जोरदार धमाका हुआ। विस्फोट की आवाज करीब 200 मीटर दूर तक सुनाई दी। धमाके से रेलवे पटरी के नीचे लगे सीमेंट के दो ब्लॉक पूरी तरह टूट गए और पटरियों के बीच करीब दो फीट गहरा हो गया। घटना के बाद रेलवे और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। खास बात यह रही कि धमाके से करीब 45 मिनट पहले रात 9 बजे इसी मार्ग से एक यात्री ट्रेन गुजर चुकी थी। गनीमत रही कि घटना के समय वहां से कोई ट्रेन नहीं गुजर रही थी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और रेलवे अधिकारियों के साथ खुफिया ब्यूरो, अपराध जांच विभाग और आतंकवाद निरोधक दस्ते की टीमें भी मौके पर पहुंचीं। रात करीब 2 बजे खुफिया ब्यूरो और अपराध जांच विभाग के अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, जबकि रात सवा 2 बजे आतंकवाद निरोधक दस्ते के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र कुमार भी मौके पर पहुंचे। सुरक्षा एजेंसियां विस्फोट के कारणों और इसके पीछे जिम्मेदार लोगों का पता लगाने में जुटी हैं। धमाके के कारण रेलवे ट्रैक को हुए नुकसान के चलते इस मार्ग पर रेल यातायात प्रभावित हुआ और कुल 8 ट्रेनें रद्द करनी पड़ीं।



पब्लिक सेक्टर एसेट्स का प्राइवेटाइजेशन और देश के हित का एक ज्वलंत सवाल

पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स और बैंकों के प्राइवेटाइजेशन का मुद्दा देश के आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में मौजूदा विवाद के केंद्र में है। कांग्रेस के सीनियर लीडर राहुल गांधी ने 'नेशनल मोनेटाइजेशन पाइपलाइन' और केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के खिलाफ जो गंभीर सवाल उठाए हैं, उन्होंने न सिर्फ राजनीति में बल्कि देश के इकोनॉमिस्ट और आम नागरिकों के बीच भी एक नई बहस छेड़ दी है। सरकार की पॉलिसी पर हमला करते हुए राहुल गांधी ने साफ कहा है - 'बैंक कांग्रेस के समय में बने थे, मोदी के समय में बैंक बिक रहे हैं!' - उन्होंने आज के आर्थिक विकास के मॉडल के लिए एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

आजादी के बाद नेशनलाइजेशन और जनहित संस्थाएं

अगर हम अपने देश के आर्थिक इतिहास को देखें, तो आजादी के बाद के दशकों में देश के बुनियादी विकास और गरीबों को बैंकिंग सर्विस देने के लिए बैंकों का नेशनलाइजेशन किया गया था। उस समय की राजनीतिक और सामाजिक ज़रूरत यह थी कि नेशनलाइज़्ड बैंक आम किसान, मज़दूर और छोटे व्यापारी को साहूकारों या प्राइवेट साहूकारों के चंगुल से आज़ाद कराकर उन्हें फ़ाइनेंशियल मदद दें। IDBI जैसे बैंकों और अलग-अलग PSUs ने देश के इंडस्ट्रियलाइज़ेशन और इंफ़्रास्ट्रक्चरल डेवलपमेंट में अहम भूमिका निभाई है। ये संस्थाएँ सिर्फ़ मुनाफ़ा कमाने के मकसद से ही नहीं, बल्कि समाज की भलाई और संतुलित विकास के मकसद से भी बनाई गई थीं।

प्राइवेटाइज़ेशन और मोनेटाइज़ेशन की पॉलिसी के पीछे का लॉजिक और रिस्क

दूसरी ओर, मौजूदा केंद्र सरकार की पॉलिसी यह रही है कि जो सरकारी यूनिट्स बेकार और अकुशल साबित हुई हैं, उन्हें चलाने का बोझ सरकार अपने ऊपर लेने के बजाय, उन्हें मोनेटाइज़ या प्राइवेटाइज़ कर दे। सरकार का लॉजिक यह है कि इससे सरकारी खजाने पर बोझ कम होगा, प्राइवेट सेक्टर की एक्सपर्टीज़ का फ़ायदा होगा और उस पैसे का इस्तेमाल नई सड़कें, रेलवे, अस्पताल और मॉडर्न इंफ़्रास्ट्रक्चर बनाने में किया जाएगा।

लेकिन, इस सिक्के का दूसरा पहलू भी उतना ही चिंताजनक है। विपक्ष और अर्थशास्त्रियों का मानना ??है कि अगर देश के मजबूत और मुनाफे वाले सरकारी एसेट्स या बैंक कुछ चुने हुए बड़े उद्योगपतियों को बेच दिए गए, तो देश के आर्थिक संसाधनों पर मोनोपॉली बन जाएगी। इसके नतीजे में:

1. सोशल सिक्योरिटी और रिजर्वेशन को खतराः सरकारी सेक्टर में नौकरियों को संवैधानिक रिजर्वेशन और सिक्योरिटी मिलती है, जो प्राइवेटाइजेशन से खत्म हो जाएगी और युवाओं के लिए रोजगार के मौके कम हो जाएंगे।

2. आम आदमी के लिए सर्विसेज महंगी होती जाएंगीः बैंकिंग और दूसरी फाइनेंशियल सर्विसेज के प्राइवेटाइजेशन से गरीब और मिडिल क्लास नागरिकों के लिए हालात मुश्किल हो सकते हैं।

नतीजाः बैलेंस कहां बनाएं?

आज के मॉडर्न दौर में देश का विकास होना ज़रूरी है, लेकिन वह विकास देश के पिछड़े और गरीब वर्ग की कीमत पर नहीं होना चाहिए। यह ज़रूरी है कि आर्थिक सुधारों के नाम पर सरकार जो भी फैसले ले, उनमें ट्रांसपेरेंसी और जनता का हित सबसे ऊपर हो। सिर्फ शॉर्ट-टर्म फिस्कल डेफिसिट को पूरा करने के लिए देश के कीमती सरकारी एसेट्स को बेचना सही नहीं है। सिस्टम और शासकों को यह पक्का करना होगा कि प्राइवेट इन्वेस्टमेंट और देश के हित के बीच सही बैलेंस बना रहे, ताकि 'सौनो साथ, सौनो विकास' सिर्फ़ एक नारा न रहे बल्कि हकीकत बन जाए।

अहमदाबाद में हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त, तीन लोगों के नाम आए सामने, 2.19 लाख रुपये का माल बरामद

अहमदाबाद। शहर में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कृष्णानगर पुलिस ने हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया है। पुलिस ने कुल 54.180 ग्राम गांजा, तीन मोबाइल फोन और वजन मापने का एक यंत्र बरामद किया है। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत 2 लाख 19 हजार 830 रुपये आंकी गई है। इस मामले में तीन लोगों के नाम सामने आए हैं, जिनकी भूमिका को लेकर पुलिस जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई कृष्णानगर क्षेत्र में प्रबुद्ध आश्रम नहर चार रास्ता और कृष्णा एलिगेंस के बी-101 मकान से जुड़े ठिकानों पर की गई। मामले में संदीप कुमार वर्मा, प्रदीप आनंद सिंह राजपूत और बंटी रमेशचंद्र मीरचंदानी के नाम सामने आए हैं। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 1 लाख 89 हजार 630 रुपये कीमत का 54.180 ग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा, 30 हजार रुपये कीमत के तीन मोबाइल फोन और 200 रुपये का एक छोटा वजन मापने वाला यंत्र जब्त किया। हाइड्रोपोनिक तकनीक में मिट्टी के बजाय पानी और पोषक तत्वों के माध्यम से पौधे उगाए जाते हैं। इस तकनीक से तैयार गांजे की बरामदगी ने शहर में मादक पदार्थों की आपूर्ति को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आज का राशिफल

(गुरुवार) 05 नवम्बर 2026

मेष
आज का दिन आपके लिए आर्थिक लाभ के नए अवसर लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में टीमवर्क का पूरा फायदा मिलेगा और साझेदारी के कामों में साझेदारों से सहयोग प्राप्त होगा।

वृषभ
परिजनों की सलाह आपके काम आएगी। भवन और वाहन से जुड़े मामलों में सकारात्मक प्रगति के संकेत हैं।

मिथुन
आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा। प्रबंधन और कारोबारी गतिविधियों में सहयोगियों का भरपूर साथ मिलेगा।

कर्क
ऑफिस में आपके काम को देखकर उच्च अधिकारी तारीफ करेंगे। व्यापार और नौकरी में सफलता के योग हैं।

सिंह
चंद्रमा का गोचर आपकी ही राशि में होने से आपका आत्मविश्वास बहुत ऊंचा रहेगा। बड़े समझौते (कॉन्ट्रैक्ट्स) मिल सकते हैं।

कन्या
रचनात्मक क्षमता और वाणी कुशलता का आपको पूरा लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में टीमवर्क और अप्रत्याशित लाभ के योग हैं।

तुला
आर्थिक और व्यावसायिक मामलों में दिन बेहद शानदार रहेगा। सूर्य और बुध की युति से बुधादित्य योग का लाभ मिलेगा।

वृश्चिक
भाग्य भाव में चंद्रमा की स्थिति से करियर में लाभ के योग हैं, लेकिन सफलता के लिए थोड़ी मेहनत अधिक करनी होगी।

धनु
धैर्य और अनुशासन के साथ काम करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे। कारोबार और प्रबंधन में अपेक्षित गति बनी रहेगी।

मकर
कार्यक्षेत्र में आपके काम को पहचान मिलेगी। व्यापार में लाभ के अच्छे संयोग हैं। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा और आजीविका से जुड़ी चिंताएं कम होंगी।

कुंभ
कार्यक्षेत्र में अधिक सक्रिय और सजग रहने की आवश्यकता है। विरोधी सक्रिय हो सकते हैं, अतः तकनीकी मामलों में जोखिम न लें।

मीन
व्यापार के सिलसिले में किसी लाभदायक यात्रा के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का अच्छा फल मिलेगा और अधिकारियों से सराहना मिलेगी।

कभी-कभी हारना भी जीवन की सबसे बड़ी जीत होती है!

जीवन केवल जीतने की होड़ का नाम नहीं है, बल्कि कभी-कभी हार के भीतर छिपे जीवन के अनमोल सबक को समझने की कला भी है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफल होना चाहता है। हर किसी को अपनी मेहनत का उचित परिणाम मिलने की अपेक्षा होती है। हर प्रतियोगिता में आगे रहने, हर रिश्ते में अपना स्थान बनाए रखने और हर परिस्थिति में जीत हासिल करने की इच्छा मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति है।

लेकिन जीवन की वास्तविकता यह है कि हर लड़ाई जीतने के लिए नहीं होती और हर हार असफलता का प्रतीक भी नहीं होती।

अक्सर मनुष्य किसी को समझाने के लिए लगातार तर्क-वितर्क करता रहता है, रिश्तों को बचाने के लिए अपनी बात दबा देता है और अपना अस्तित्व साबित करने के लिए निरंतर संघर्ष करता रहता है। लेकिन एक समय ऐसा आता है, जब उसे एहसास होता है कि हर जगह स्वयं को सही साबित करना आवश्यक नहीं है। कभी मौन रह जाना, किसी की गलती को माफ कर देना या किसी विवाद से शांति के साथ बाहर निकल जाना भी समझदारी की सबसे बड़ी निशानी है। हम अक्सर हार को कमजोरी से जोड़कर देखते हैं।

परीक्षा में कम अंक आना, व्यवसाय में नुकसान होना, किसी प्रतियोगिता में पराजय मिलना या जीवन में मनचाहा परिणाम न मिलना–इन परिस्थितियों में मनुष्य स्वयं को असफल मानने लगता है। लेकिन वास्तव में हार अंतिम मंजिल नहीं होती, बल्कि यह एक नई शुरुआत का अनुभव होती है। जो व्यक्ति अपनी गलतियों से सीखने की तैयारी रखता है, वही आने वाले समय में अधिक मजबूत बनकर खड़ा हो सकता है। रिश्तों की दुनिया में भी कभी-कभी हारना जरूरी हो जाता है। हर बार बहस करके जीतने वाला व्यक्ति भले ही चर्चा में विजेता बन जाए, लेकिन रिश्तों में हार सकता है। सामने वाले व्यक्ति की भावनाओं को समझे बिना केवल अपनी बात मनवाने का आग्रह किया जाए, तो रिश्तों में दूरियां बढ़ती जाती हैं। कभी अपने अहंकार को किनारे रखकर किसी को खुशी दे देना हार नहीं, बल्कि इंसानियत की जीत है।

माता-पिता अपने बच्चों की खुशियों के लिए अपनी अनेक इच्छाओं का त्याग करते हैं। शिक्षक अपने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपना समय और मेहनत समर्पित करता है।

सैनिक देश की सुरक्षा के लिए अपने व्यक्तिगत सुखों का त्याग करता है। इन सभी उदाहरणों में एक बात समान है कि जहां स्वार्थ से बड़ा समर्पण होता है, वहां व्यक्तिगत हार भी एक बड़ी मानवीय जीत में बदल जाती है। आज के दौर में सफलता का मापदंड पैसा, पद, प्रतिष्ठा और सामाजिक पहचान बन गया है।

मनुष्य दूसरों की सफलता से अपनी तुलना करते हुए लगातार दौड़ता रहता है। इस दौड़ में वह कभी-कभी अपना मानसिक सुकून, परिवार के साथ बिताने वाला समय और जीवन की छोटी-छोटी खुशियां भी खो बैठता है। लेकिन जीवन के अंतिम पड़ाव पर मनुष्य को केवल यह याद नहीं रहता कि उसने कितनी प्रतियोगिताएं जीती थीं; उसे यह भी याद आता है कि उसने कितने रिश्ते बचाए, कितने दिल जीते और कितने लोगों के जीवन में खुशी का कारण बना। हार हमें धैर्य सिखाती है, संघर्ष हमें मजबूत बनाता है और असफलता हमें अपनी क्षमताओं को पहचानने का अवसर देती है।

सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए कभी-कभी असफलता की सीढ़ियां चढ़नी ही पड़ती हैं। इसलिए जीवन में कोई पराजय मिलने पर निराश होने के बजाय उससे एक नया रास्ता खोजने का साहस रखना चाहिए।

अंततः यही कहा जा सकता है कि जीवन में हर बार जीतना ही सफलता नहीं है। कभी अहंकार के सामने झुक जाना, रिश्तों के लिए समझौता करना, दूसरों की खुशी के लिए अपनी जिद छोड़ देना और असफलता के बाद फिर से खड़े हो जाना ही वास्तविक जीत है। क्योंकि जो व्यक्ति परिस्थितियों से नहीं, बल्कि अपनी कमजोरियों से जीतना सीख जाता है, उसे जीवन की कोई हार कभी पराजित नहीं कर सकती। सच्ची जीत दूसरों को हराने में नहीं, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, क्रोध और निराशा को हराने में है!



लेखक : रूपेश सोलंकी, भचाऊ, कच्छ

इंसानी रिश्तों का अंदरूनी आईनाः गले लगने और इमोशनल टच का असर

आज के मॉडर्न, तेज़-तर्रार और मशीन से चलने वाले ज़माने में, हम टेक्नोलॉजी के ज़रिए भले ही सेकंडों में पूरी दुनिया से जुड़ जाते हैं, लेकिन इंसानों के बीच दूरियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। आज के एडिटोरियल में, हम एक ऐसे एहसास पर बात करेंगे जो डिजिटल स्क्रीन पर नहीं दिखता, बल्कि सीधे दिल की भाषा से जुड़ा है।

रिश्तों की गलत समझ और फिजिकल अट्रैक्शन की लिमिट

आमतौर पर हमारे समाज में, जब दो लोगों के बीच नज़दीकियों की बात आती है, तो इसे तुरंत रोमांस या फिजिकल अट्रैक्शन के नज़रिए से देखा जाता है। यह हमारी छोटी सोच को दिखाता है। सच तो यह है कि इंसानी ज़िंदगी में कई ऐसे रिश्ते और पल होते हैं जहाँ किसी का हाथ पकड़ना, किसी को गले लगाना या किसी के करीब महसूस करना सिर्फ़ मन की शांति और सुकून के लिए होता है। हर टच के पीछे कोई मतलब या रोमांटिक फीलिंग नहीं होती, बल्कि अक्सर यह बस एक रूह का दूसरे रूह से एक साइलेंट डायलॉग होता है। जहाँ शब्द बेमतलब हो जाते हैं, वहाँ 'स्पर्श' काम आता है।

ज़िंदगी में कुछ पल ऐसे आते हैं जहाँ दुनिया भर के बड़े-बड़े शब्द और सोच भी सुकून नहीं दे पाते। जब कोई इंसान दिमागी तौर पर टूट जाता है, तो उसे लंबी-चौड़ी बातों की नहीं, बल्कि एक प्यार भरे गले लगने की ज़रूरत होती है।

जब मुश्किल समय में कोई आपको गले लगाता है, तो मन में एक अनदेखी आवाज़ गूंजती है कि - 'चिंता मत करो, मैं तुम्हारे साथ हूँ।'

इस स्पर्श में कोई दिखावा या मतलब नहीं होता, बस एक मासूम सुरक्षा और भरोसा होता है।

आज की अकेली लाइफस्टाइल में लोग भले ही महंगी कारों और बंगलों में रहते हों, लेकिन उनके मन में एक खालीपन और असहनीय अकेलापन महसूस होता है। ऐसे समय में, किसी अपने का सच्चा और प्यार भरा स्पर्श इंसान को फिर से ज़िंदा कर देता है। यह कोई रोमांस नहीं, बल्कि इंसानियत और सच्ची भावनाओं की सबसे बड़ी मिसाल है। आखिरी बातः किस्मत वालों को ही वो मिलते हैं जो मन की थकान दूर कर देते हैं

दुनिया में हमें ऐसे लोग आसानी से मिल जाते हैं जो हमें अट्रैक्टिव दिखाते हैं और हमें रोमांस या ग्लैमर देते हैं, लेकिन ज़िंदगी में ऐसा इंसान मिलना बहुत मुश्किल है जो रोज़ की भागदौड़ और ज़िंदगी की मुश्किलों से थके हुए मन को सिर्फ़ अपनी मौजूदगी से ही बहुत शांति दे सके। अगर आपकी ज़िंदगी में कोई ऐसा इंसान है, जिसके साथ बैठकर कुछ बातें करने या बस उसके साथ रहने से आपका दिल हल्का हो जाता है, तो उस रिश्ते को कभी मत खोना। क्योंकि ऐसा इमोशनल टच और शांति पाने का सौभाग्य सिर्फ़ किस्मत वालों को ही मिलता है।

गाजर घासः खेतों की उपज निगलने वाली विदेशी खरपतवार

किसानों की जमीन और पर्यावरण के लिए बनती जा रही बड़ा खतरा

उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका से भारत पहुंची गाजर घास आज देश के खेतों, चारागाहों, सड़कों के किनारे और खाली पड़ी जमीनों पर तेजी से फैल रही है। देखने में सामान्य घास जैसी दिखाई देने वाली यह वनस्पति खेती-किसानी के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। यह खेतों में खड़ी फसलों की बढ़वार रोकने के साथ मिट्टी की गुणवत्ता, प्राकृतिक वनस्पतियों, पशुओं और मनुष्यों के स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचाती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि एक बार किसी खेत या जमीन पर इसका फैलाव शुरू हो जाए तो इसे पूरी तरह नियंत्रित करना किसानों के लिए कठिन हो जाता है।

अमेरिका से भारत कैसे पहुंची गाजर घास?

गाजर घास का मूल निवास उष्णकटिबंधीय अमेरिका माना जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस है। इसे कांग्रेस घास, सफेद टोपी और चटक चांदनी के नाम से भी जाना जाता है। भारत में इसके प्रवेश का संबंध 1950 के दशक में विदेशों से आयात किए गए खाद्यान्न, विशेषकर गेहूं के साथ आए बीजों से जोड़ा जाता है। वर्ष 1956 में पुणे के आसपास इसके फैलाव की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद यह धीरे-धीरे देश के विभिन्न राज्यों में



फैलती चली गई।

इस खरपतवार के तेजी से फैलने का सबसे बड़ा कारण इसकी प्रजनन क्षमता है। इसका एक पौधा हजारों बीज पैदा कर सकता है। ये बीज हवा, पानी, मिट्टी, कृषि उपकरणों, वाहनों और पशुओं के माध्यम से दूर-दूर तक पहुंच जाते हैं। इसके बीज मिट्टी में लंबे समय तक जीवित रह सकते हैं और अनुकूल मौसम मिलते ही अंकुरित होकर नए पौधे तैयार कर देते हैं।

फसलों की पैदावार घटाकर बढ़ाती है किसानों की परेशानी

गाजर घास खेतों में उगने वाली फसलों के साथ पानी, पोषक तत्वों, धूप और जमीन के लिए प्रतिस्पर्धा करती है। इसके कारण गेहूं, चना, सरसों, मक्का और सब्जियों सहित कई फसलों की बढ़वार प्रभावित होती है। इसकी जड़ें और पत्तियां कुछ ऐसे रासायनिक पदार्थ छोड़ती हैं, जो आसपास उगने वाले दूसरे पौधों के बीजों के अंकुरण और विकास को बाधित कर सकते हैं।

इसका अधिक फैलाव होने पर खेतों में उपयोगी फसलों की जगह खरपतवार का कब्जा बढ़ने लगता है। इससे किसानों को निराई-गुड़ाई पर अतिरिक्त मेहनत और पैसा खर्च करना पड़ता है। कई क्षेत्रों में इसके प्रकोप से फसल उत्पादन में भारी कमी देखी गई है। यह समस्या केवल खेतों तक सीमित नहीं है, बल्कि पशुओं के लिए उपयोगी चारे की उपलब्धता भी घटाती है।

मिट्टी और प्राकृतिक वनस्पतियों के लिए खतरा

गाजर घास को भारत की सबसे खतरनाक विदेशी खरपतवारों में गिना जाता है। यह तेजी से फैलकर स्थानीय घास और दूसरी उपयोगी वनस्पतियों को पनपने का अवसर नहीं देती। इसके कारण चारागाहों में उपयोगी चारे की मात्रा घटने लगती है। प्राकृतिक वनस्पतियों के कमजोर होने से जैव विविधता और पर्यावरण का संतुलन भी प्रभावित होता है।

इसका लगातार फैलाव खेतों की मेड़ों, खाली जमीनों, नहरों के किनारों और सार्वजनिक स्थानों को भी अपनी चपेट में ले रहा है। इससे भूमि का उपयोगी स्वरूप प्रभावित होता है और किसानों के सामने नई चुनौती खड़ी होती है।

इंसानों और पशुओं के स्वास्थ्य पर भी असर

गाजर घास केवल फसलों और जमीन के लिए ही नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक है। इसके पौधे के संपर्क में आने से त्वचा पर खुजली, लालिमा, जलन और एलर्जी हो सकती है। इसके फूलों से निकलने वाले परागकण हवा में फैलकर सांस संबंधी परेशानी, छींक, नाक बहने और दमा जैसी समस्याओं को बढ़ा सकते हैं। खेतों में काम करने वाले किसान और कृषि मजदूर इसके सीधे संपर्क में आने के कारण अधिक प्रभावित हो सकते हैं। पशु भी सामान्यतः इसे पसंद नहीं करते। यदि पशु इसे खा लें तो उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा चारागाहों में उपयोगी घास की जगह इसका फैलाव बढ़ने से पशुपालकों को चारे की कमी का सामना करना पड़ता है।

समय रहते नियंत्रण नहीं किया तो बढ़ेगी मुसीबत

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार गाजर घास को नियंत्रित करने का सबसे अच्छा तरीका है कि इसे फूल आने और बीज बनने से पहले ही जड़ सहित उखाड़ दिया जाए। इसे हटाते समय हाथों में दस्ताने, शरीर पर पूरे कपड़े और चेहरे पर सुरक्षा आवरण रखना जरूरी है। बड़े खेतों में कृषि विभाग की सलाह से उपयुक्त खरपतवारनाशी का उपयोग किया जा सकता है। इसके जैविक नियंत्रण के लिए जाइगोग्रामा नामक पत्ती खाने वाले कीट का भी उपयोग किया जाता है। किसानों को खेतों की मेड़ों, नालियों, खाली जमीनों और रास्तों के आसपास नियमित निगरानी करनी चाहिए। ग्राम पंचायतों और कृषि विभाग को भी सामूहिक अभियान चलाकर इस खरपतवार को फूलने और बीज बनने से पहले नष्ट करना चाहिए।

गाजर घास को मामूली खरपतवार समझकर नजरअंदाज करना भविष्य में बड़ी भूल साबित हो सकता है। यह खेती की लागत बढ़ाने, फसल उत्पादन घटाने, पशुओं के चारे की उपलब्धता कम करने और पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ने वाली समस्या बन चुकी है। देश की कृषि भूमि और किसानों की आजीविका बचाने के लिए इसके फैलाव पर समय रहते रोक लगाना बेहद जरूरी है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से यशवंत नेताम के घर में आई खुशहाली

राजनांदगांव। कभी हर महीने बिजली का बिल आने पर घर के बजट की चिंता सताने लगती थी, लेकिन अब उसी घर की छत पर लगे सोलर पैनल परिवार के लिए खुशहाली और आर्थिक बचत का माध्यम बन गए हैं।

यह कहानी है राजनांदगांव जिले के छुरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम मांगीखुटा निवासी श्री यशवंत नेताम की, जिनके जीवन में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने सकारात्मक बदलाव लाया है। पहले उन्हें हर महीने 1500 से 2000 रूपए तक बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था, लेकिन अब उनके घर का बिजली बिल शून्य हो गया है।

इससे परिवार को बड़ी आर्थिक राहत मिली है। श्री यशवंत नेताम ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कराया है। इसके लिए उन्हें केन्द्र एवं राज्य शासन की ओर से कुल 1 लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई है।

शासन की इस महत्वपूर्ण सहायता से उनके लिए सौर ऊर्जा अपनाना आसान हुआ।

अब उनके घर में सूर्य की रोशनी से बिजली का उत्पादन हो रहा है और बिजली बिल पर खर्च होने वाली राशि की बचत हो रही है। श्री नेताम ने बताया कि यह योजना केवल बिजली बिल में बचत का माध्यम नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक चिंताओं को कम करने वाली एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई है।

पहले बिजली बिल के भुगतान में खर्च होने वाली राशि अब परिवार की अन्य आवश्यकताओं के लिए उपयोगी हो सकती है। हर महीने होने वाली इस बचत ने उनके जीवन में नई उम्मीद और सुकून का संचार किया है। श्री यशवंत नेताम ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी है।

इस योजना से बिजली बिल के खर्च से राहत मिलने के साथ ही स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को भी बढ़ावा मिल रहा है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से किसान लीलाधर साहू को मिल रहा आर्थिक संबल

राजनांदगांव। किसानों की मेहनत और उनके सपनों को संबल देने के लिए संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अन्नदाताओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा और आत्मविश्वास का नया उजाला लेकर आ रही है। खेती-किसानी में छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए मिलने वाली आर्थिक सहायता किसानों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। इसी योजना से लाभान्वित राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम मोखला निवासी किसान लीलाधर साहू के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आ रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 24वीं किस्त के हस्तांतरण से उन्हें खेती-किसानी के कार्यों के लिए आर्थिक संबल मिला है।



किसान लीलाधर साहू ने बताया कि खेती ही उनकी आजीविका का प्रमुख आधार है। खेतों में मेहनत कर फसल उगाना और परिवार की जरूरतों को पूरा करना उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। खेती-किसानी के दौरान बीज, खाद एवं अन्य कृषि संबंधी आवश्यकताओं के लिए समय-समय पर राशि की जरूरत पड़ती है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मिलने वाली राशि उनके लिए मददगार साबित होती है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत प्राप्त राशि का उपयोग वे खेती-किसानी के कार्यों में करते हैं। इससे कृषि संबंधी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में सहूलियत मिलती है। लीलाधर साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष तीन किस्तों में 2-2 हजार रूपए की राशि प्रदान की जाती है। इस प्रकार सालभर में कुल 6 हजार रूपए की आर्थिक सहायता सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित की जाती है। यह राशि किसानों को खेती की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि शासन की इस योजना से किसानों को आर्थिक सहायता मिलने के साथ ही खेती के प्रति उनका उत्साह और आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है। शासन द्वारा किसानों की जरूरतों का ध्यान रखते हुए दी जा रही सम्मान निधि उनके लिए महत्वपूर्ण सहारा है। उन्होंने किसानों के हित में संचालित इस जनकल्याणकारी योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

महिला ने एक साथ चार बच्चों को दिया जन्म, तीन नवजात सुरक्षित,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में एक महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया। इस असामान्य प्रसव के मामले में तीन नवजातों के जीवित जन्म से परिवार में खुशी का माहौल है, जबकि एक बच्चे की गर्भ में ही मौत होने से परिजनों को गहरा दुख पहुंचा है। चिकित्सकों के अनुसार महिला की हालत फिलहाल ठीक है और तीनों जीवित नवजातों को बेहतर उपचार एवं निगरानी में रखा गया है। जानकारी के अनुसार मूसाझाग थाना क्षेत्र के करौलिया गांव निवासी एकता मंगलवार शाम बदायूं के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र स्थित सुधीर नर्सिंग होम में अल्ट्रासाउंड कराने पहुंची थीं। यहां महिला की स्थिति देखने के बाद चिकित्सक ने तत्काल अस्पताल में भर्ती करने और प्रसव कराने की सलाह दी। इसके बाद परिजनों ने बिना देरी किए महिला को नर्सिंग होम में भर्ती करा दिया। नर्सिंग होम की चिकित्सक डॉ. लतिका ने ऑपरेशन से पहले ही परिजनों को जानकारी दे दी थी कि महिला के गर्भ में चार बच्चे पल रहे हैं, जिनमें से एक की मौत हो चुकी है। इसके बाद चिकित्सकों की देखरेख में महिला का ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के दौरान महिला ने चार बच्चों को जन्म दिया। इनमें एक मृत बेटा, एक जीवित बेटा और दो जीवित बेटियां शामिल हैं। प्रसव के बाद तीनों जीवित नवजातों को बेहतर उपचार और विशेष निगरानी के लिए डॉ. आनंद हरि नर्सिंग होम की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया है। वहीं, महिला की हालत ठीक बताई जा रही है। चिकित्सकों की टीम मां और तीनों नवजातों की सेहत पर लगातार नजर बनाए हुए है। एक साथ चार बच्चों के जन्म की खबर सामने आने के बाद यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। परिवार के लिए तीन बच्चों का सुरक्षित जन्म बड़ी खुशी लेकर आया है, लेकिन एक नवजात की मौत ने इस खुशी को गम में भी बदल दिया। फिलहाल परिजन मां और तीनों बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य की कामना कर रहे हैं।



महिलाओं के लिए खास पैकेज लाएगी सरकार, सीएम योगी ने किया बड़ा ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में योगी सरकार जल्द ही एक विशेष पैकेज लाने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक कार्यक्रम के दौरान इसका ऐलान करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वाभिमान के साथ-साथ उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश की प्रत्येक महिला आत्मनिर्भर बने और अपने पैरों पर खड़ी होकर परिवार की आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण योगदान दे सके। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सभी माताओं और बहनों को भरोसा दिलाया कि डबल इंजन की सरकार महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा और सम्मान की रक्षा के लिए लगातार प्रयास कर रही है। सरकार का मानना है कि महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाना भी बेहद जरूरी है। इसी सोच के तहत महिलाओं के लिए विशेष आर्थिक पैकेज लाने की तैयारी की जा रही है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने इस पैकेज की राशि, योजनाओं और इसके लागू होने की समयसीमा को लेकर विस्तृत जानकारी नहीं दी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार चाहती है कि प्रदेश की हर महिला आत्मनिर्भर बने, अपने पैरों पर खड़ी हो और परिवार के लिए मजबूत सहारा बने। जब महिलाएं आर्थिक रूप से सक्षम होंगी तो वे परिवार की जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा कर सकेंगी। इसके साथ ही बच्चों की शिक्षा और उनके बेहतर भविष्य के निर्माण में भी उनकी भूमिका और मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को केवल सुरक्षा देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के अवसर भी उपलब्ध कराने होंगे। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ने से परिवार, समाज और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। सरकार इसी उद्देश्य के साथ महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की आधी आबादी जब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होगी, तभी प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य पूरा हो सकेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश के प्रत्येक नागरिक का आत्मनिर्भर होना आवश्यक है।



घर में आने वाले थे 42 लाख रुपये, हिस्सा न देना पड़े, इसलिए भाई-भाभी ने कर दी बहन की हत्या!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां करीब 42 लाख रुपये के मुआवजे के लालच में एक भाई और भाभी पर अपनी ही बहन की हत्या कराने का आरोप लगा है। मृतका मन्नू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता थी। पुलिस के मुताबिक, महादेवा कॉरिडोर परियोजना के तहत मकान जाने के बदले भाई संदीप को करीब 42 लाख रुपये मिलने वाले थे। आरोप है कि इस रकम में बहन को हिस्सा न देना पड़े, इसलिए संदीप और उसकी पत्नी शीतल ने मिलकर हत्या की साजिश रची। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। मामला बाराबंकी के रामनगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, संदीप का मकान महादेवा कॉरिडोर परियोजना की जद में आया था। इसके बदले उसे करीब 42 लाख रुपये का मुआवजा मिलने वाला था। इसी रकम को लेकर परिवार में विवाद की स्थिति पैदा हुई। पुलिस का दावा है कि संदीप और उसकी पत्नी शीतल नहीं चाहते थे कि मुआवजे की रकम में मन्नू को कोई हिस्सा मिले। इसी लालच में दोनों ने उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई। 30 अक्टूबर को मन्नू की हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, हमलावरों ने उसके सिर और चेहरे पर ईंट से कई वार किए थे, जिससे उसकी मौत हो गई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की हत्या की खबर सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मामले में मृतका के भाई संदीप और भाभी शीतल के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसके बाद पुलिस ने घटना की जांच शुरू की। मंगलवार को अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) विवेक तिवारी ने बताया कि स्वाट, सर्विलांस और रामनगर पुलिस की संयुक्त टीम ने मामले की जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर संदीप और उसकी पत्नी शीतल को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ और जांच में हत्या के पीछे महादेवा कॉरिडोर परियोजना के मुआवजे की रकम का लालच सामने आया है। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। फिलहाल पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। करीब 42 लाख रुपये के मुआवजे को लेकर शुरू हुआ विवाद अब एक महिला की हत्या के गंभीर मामले में बदल गया है।



जिस आशिक से पति को मरवाया, उसे भी छोड़ा... फिर तीसरे को बनाया हमसफर, बागपत की साईन बेगम अरेस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में पति की हत्या के मामले में करीब 11 महीने से फरार चल रही आरोपी पत्नी साईन उर्फ साइना को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, महिला ने अपने प्रेमी सारिम उर्फ कटा के साथ मिलकर पति रियासत की हत्या की साजिश रची थी। आरोप है कि वारदात के दौरान साईन ने अपने पति के पैर पकड़ लिए थे, ताकि वह बचकर भाग नहीं सके, जबकि उसके प्रेमी ने चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी। हत्या के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए थे। हालांकि, कुछ समय बाद साईन ने अपने प्रेमी सारिम से भी दूरी बना ली और मुजफ्फरनगर जिले के बुढ़ाना क्षेत्र के एक युवक से दूसरा निकाह कर लिया। पुलिस ने अब उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। महिला



पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। मामला बागपत कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला केतीपरा की नई बस्ती का है। हापुड़ जिले के भटियाना गांव का रहने वाला रियासत अपने परिवार के साथ यहां रहता था। पुलिस के मुताबिक, इसी दौरान उसकी पत्नी साईन उर्फ साइना की नजदीकियां पड़ोस में रहने वाले सारिम उर्फ कटा से बढ़ गईं। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। कुछ समय बाद रियासत को पत्नी और सारिम के संबंधों की जानकारी हो गई। उसने इसका विरोध किया, जिसके बाद घर में विवाद की स्थिति बनने लगी। पुलिस का आरोप है कि इसी विवाद के चलते साईन और सारिम ने रियासत को रास्ते से हटाने की योजना बना ली। पुलिस के मुताबिक, 25 नवंबर 2025 की शाम रियासत ने सारिम को अपने घर में देख लिया। इस बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर सारिम ने रियासत पर चाकू से हमला कर दिया। आरोप है कि इस दौरान साईन ने अपने पति के पैर पकड़ लिए, जिससे वह खुद को बचाने के लिए भाग नहीं सका। इसी बीच सारिम ने रियासत के सीने पर चाकू से कई वार किए। गंभीर चोटों के कारण रियासत की मौत हो गई। इस घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और इलाके में सनसनी फैल गई। रियासत की हत्या के बाद उसके भाई इसरार ने बागपत कोतवाली में अपनी भाभी साईन और सारिम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए दोनों आरोपियों की तलाश में दबिश देना शुरू किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपियों पर इनाम भी घोषित किया था। हत्या के बाद साईन और सारिम दोनों फरार हो गए थे। पुलिस लगातार उनकी गतिविधियों पर नजर रख रही थी। बाद में सारिम ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया, जिसके बाद वह कानूनी कार्रवाई का सामना करने लगा। दूसरी ओर साईन लगातार पुलिस की गिरफ्त से बाहर रही। इस मामले में सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब सामने आया, जब पुलिस की जांच में पता चला कि पति की हत्या के बाद साईन ने अपने प्रेमी सारिम से भी दूरी बना ली थी। पुलिस के अनुसार, फरारी के दौरान उसने मुजफ्फरनगर जिले के बुढ़ाना थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले युवक से दूसरा निकाह कर लिया। इसके बाद वह नए पति के साथ रहने लगी।

1 लाख के इनामी मास्टरमाइंड मोनू यादव का एनकाउंटर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालौन। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में कालपी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता गयादीन अहिरवार हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। लंबे समय से फरार चल रहे हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता और एक लाख रुपये के इनामी पवन यादव उर्फ मोनू यादव को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मदारीपुर रोड पर पुलिस की नाकाबंदी के दौरान आरोपी ने कथित तौर पर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके दोनों पैरों में गोली लगी, जिससे वह घायल होकर मौके पर गिर पड़ा। पुलिस ने तत्काल उसे हिरासत में लेकर उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के साथ ही इस चर्चित हत्याकांड में शामिल सभी पांच आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ गए हैं। जानकारी के अनुसार, 31 अक्टूबर 2026 को कालपी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गयादीन अहिरवार का अपहरण कर उनकी हत्या कर दी गई थी। अधिवक्ता की इस तरह हत्या किए जाने की खबर से पूरे जालौन जिले में हड़कंप मच गया था। घटना के बाद अधिवक्ता समुदाय में भी भारी नाराजगी फैल गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए



पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की और आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग पुलिस टीमों को लगाया गया था। पुलिस के मुताबिक, इस हत्याकांड में पवन यादव उर्फ मोनू यादव मुख्य साजिशकर्ता था। वारदात के बाद से ही वह फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। आरोपी की तलाश तेज करने के साथ ही उस पर एक लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस पहले ही मामले में तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी। इस दौरान हुई पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश घायल हुए थे, जबकि मुख्य आरोपी लगातार पुलिस की पकड़ से बाहर था। बुधवार को पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि मोनू यादव मदारीपुर रोड के रास्ते पड़ोसी जिले की ओर भागने की कोशिश कर रहा है। सूचना मिलते ही कालपी थाना पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम सक्रिय हो गई। पुलिस ने मदारीपुर रोड पर नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की जांच शुरू कर दी। इसी दौरान पुलिस टीम को आरोपी के बारे में जानकारी मिली और उसे रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस का दावा है कि घिरता देख आरोपी ने पुलिस टीम पर दो राउंड फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें मोनू यादव के दोनों पैरों में गोली लग गई। घायल होने के बाद आरोपी मौके पर गिर पड़ा और पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार कराया जा रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक जालौन ईशान सोनी ने बताया कि एक लाख रुपये के इनामी पवन यादव उर्फ मोनू यादव को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। सघन जांच के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग की थी। पुलिस की आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में वह घायल हुआ। उन्होंने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मुख्य साजिशकर्ता की गिरफ्तारी को पुलिस इस हत्याकांड की जांच में बड़ी सफलता मान रही है। अब तक इस मामले में कुल पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

बहस के दौरान मासूम बच्ची को स्कूल के प्रिंसिपल ने उठाकर फेंका, शिक्षा विभाग ने दिए जांच के निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

विदिशा। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले से स्कूल परिसर में एक मासूम बच्ची के साथ कथित अभद्र व्यवहार का मामला सामने आया है। यहां एक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के संकुल प्राचार्य पर विवाद के दौरान स्कूल परिसर में खेल रही छोटी बच्ची को उठाकर फेंकने का गंभीर आरोप लगा है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पूरे इलाके में मामला चर्चा का विषय बन गया है। आरोप है कि बच्ची के साथ इस तरह का व्यवहार करने के बाद प्राचार्य ने धमकी भरे अंदाज में भी बात की। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने हस्तक्षेप कर बच्ची को बचाया। मामला जिला शिक्षा अधिकारी तक पहुंचने के बाद शिक्षा विभाग ने जांच के निर्देश जारी कर दिए हैं। पूरा मामला विदिशा जिले के हैदरगढ़ क्षेत्र के धामनोद गांव स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का बताया जा रहा है। यहां संकुल प्राचार्य के पद पर कमल सिंह मीणा पदस्थ हैं। जानकारी के अनुसार, गांव के युवक खुमान सिंह के पास प्राचार्य से जुड़ा एक वीडियो था। आरोप है कि प्राचार्य उस वीडियो को हटवाने के लिए युवक पर लगातार दबाव



बना रहे थे। युवक ने वीडियो हटाने से इनकार कर दिया, जिसके बाद दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान स्कूल परिसर में खेल रही एक मासूम बच्ची को प्राचार्य ने कथित तौर पर उठाकर फेंक दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें प्राचार्य बच्ची को लेकर धमकी भरे अंदाज में बात करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में उनके द्वारा यह कहते हुए भी सुना जा रहा है कि 'मैं बहुत बेकार इंसान हूं।' घटना के दौरान वहां मौजूद ग्रामीणों ने बीच-बचाव किया और बच्ची को बचाया। वीडियो सामने आने के बाद स्कूल परिसर में बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। इस पूरे विवाद के पीछे रिश्वत मांगने का आरोप भी सामने आया है। ग्रामीण युवक खुमान सिंह का दावा है कि विद्यालय की 12वीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा को शासन की योजना के तहत स्कूटी और लैपटॉप मिलना था। आरोप है कि इस योजना का लाभ जल्द दिलाने के नाम पर प्राचार्य द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही थी। युवक ने कथित तौर पर रिश्वत मांगने से जुड़ा वीडियो बना लिया था। इसी वीडियो को हटाने के लिए प्राचार्य उस पर दबाव बना रहे थे। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में भी हलचल तेज हो गई है। जिला शिक्षा अधिकारी एनके अहिरवार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच टीम गठित कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। विभाग की ओर से संबंधित प्राचार्य के दिव्यांगता प्रमाण पत्र की भी जांच कराने की बात कही गई है। अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान यदि प्रमाण पत्र या अन्य मामलों में किसी तरह की अनियमितता सामने आती है तो नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है। एक ओर बच्ची के साथ कथित दुर्व्यवहार का वीडियो सामने आया है, वहीं दूसरी ओर रिश्वत मांगने और वीडियो हटाने के लिए दबाव बनाने के आरोपों ने मामले को और गंभीर बना दिया है।

विधायक निर्मला सप्रे मामले में सुप्रीम कोर्ट का कड़ा निर्देश, मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष दो महीने के भीतर लें फैसला

दल-बदल कानून के उल्लंघन को लेकर कांग्रेस ने उठाया था सदस्यता समाप्त करने का मुद्दा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की बीना विधानसभा सीट से विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता को लेकर चल रहे विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। शीर्ष अदालत ने मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को मामले में दो महीने के भीतर नियमानुसार उचित फैसला लेने को कहा है। यह निर्देश नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता उमंग सिंघार की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद निर्मला सप्रे की विधानसभा सदस्यता को लेकर चल रही कानूनी और राजनीतिक चर्चा एक बार फिर तेज हो गई है। दरअसल, निर्मला सप्रे ने वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर सागर जिले की बीना विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी। हालांकि, चुनाव जीतने के कुछ समय बाद ही उनके भारतीय जनता पार्टी के साथ जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। कांग्रेस ने उनके इस कदम को संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत बनाए गए दल-बदल विरोधी कानून का उल्लंघन बताया था। पार्टी की ओर से उनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त करने की मांग करते हुए विधानसभा



अध्यक्ष के समक्ष याचिका दायर की गई थी। कांग्रेस का आरोप है कि निर्मला सप्रे ने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतने के बाद भाजपा का साथ देकर दल-बदल विरोधी प्रावधानों का उल्लंघन किया है। इसी आधार पर उनकी सदस्यता समाप्त करने की मांग की जा रही है। दूसरी ओर, इस मामले में लंबे समय से फैसला नहीं होने के कारण कांग्रेस की ओर से न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की गई। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मामले के जल्द निराकरण की मांग उठाई थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने याचिकाकर्ता की ओर से पक्ष रखा। अदालत ने दल-बदल विरोधी कानून से जुड़े मामलों के समयबद्ध निस्तारण की आवश्यकता पर जोर दिया। शीर्ष अदालत का निर्देश है कि विधानसभा अध्यक्ष इस मामले में दो महीने के भीतर नियमानुसार निर्णय लें। अदालत के इस आदेश को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि जनप्रतिनिधियों की सदस्यता से जुड़े मामलों का लंबे समय तक लंबित रहना लोकतांत्रिक व्यवस्था और विधायी प्रक्रिया से जुड़े सवाल खड़े करता है। जानकारी के अनुसार, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के समक्ष इस मामले की सुनवाई की प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है। दोनों पक्षों की ओर से अपने-अपने जवाब और दस्तावेज भी प्रस्तुत किए जा चुके हैं। अब सुप्रीम कोर्ट की ओर से निर्धारित समयसीमा के भीतर विधानसभा अध्यक्ष को इस विवाद पर फैसला लेना होगा। इस निर्णय से यह स्पष्ट हो सकेगा कि निर्मला सप्रे की विधानसभा सदस्यता को लेकर उठाई गई दल-बदल की शिकायत पर क्या निष्कर्ष निकलता है। भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची में दल-बदल विरोधी कानून का प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य निर्वाचित जनप्रतिनिधियों द्वारा राजनीतिक दल बदलने की प्रवृत्ति पर रोक लगाना और राजनीतिक स्थिरता बनाए रखना है। इस कानून के तहत निर्धारित परिस्थितियों में किसी विधायक या सांसद को अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

SP के पद से हटाए गए IPS अनुराग ने छोड़ी नौकरी, ट्रांसफर के 4 दिन बाद ही दिया इस्तीफा

महानगर मेट्रो ब्यूर

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस महकमे से एक बड़ी खबर सामने आई है। सागर के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक रहे आईपीएस अधिकारी अनुराग सुजानिया ने अपने पद से इस्तीफा देकर पुलिस विभाग में हलचल मचा दी है। उन्होंने 2 नवंबर को मध्य प्रदेश सरकार को अपना त्यागपत्र सौंपा। सबसे ज्यादा चर्चा उनके इस्तीफे के समय को लेकर हो रही है, क्योंकि सागर एसपी पद से हटाकर भोपाल पुलिस मुख्यालय में सहायक पुलिस महानिरीक्षक (एआईजी) के पद पर भेजे जाने के महज 4 दिन बाद ही उन्होंने नौकरी छोड़ने का फैसला कर लिया। अधिकारी ने अपने इस्तीफे के पीछे व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया है। जानकारी के अनुसार, अनुराग सुजानिया हाल ही में सागर जिले के पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात थे। इसके बाद उनका तबादला करते हुए उन्हें भोपाल स्थित पुलिस मुख्यालय में एआईजी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। नई तैनाती के आदेश के बाद उनसे पुलिस मुख्यालय में नई जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद थी, लेकिन इसी बीच उन्होंने पुलिस सेवा से अलग होने का निर्णय लेते हुए सरकार को अपना त्यागपत्र भेज दिया। उनके इस फैसले की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। अनुराग सुजानिया का नाम सागर जिले के बांदा में हुए जहरीली शराब कांड के बाद चर्चा में आया था। इस घटना में जहरीली शराब पीने से आधिकारिक तौर पर कम से कम 16 लोगों की मौत की पुष्टि हुई थी। एक साथ इतनी मौतों की घटना ने पूरे प्रदेश में हड़कंप मचा दिया था। हादसे के बाद अवैध शराब के कारोबार और उसकी रोकथाम के लिए पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठने लगे थे। मामले को लेकर प्रशासनिक स्तर पर जवाबदेही तय करने का दबाव भी बढ़ गया था। इसी घटनाक्रम के बाद अनुराग सुजानिया को सागर पुलिस अधीक्षक के पद से हटाकर भोपाल पुलिस मुख्यालय में एआईजी के पद पर स्थानांतरित किया गया था। हालांकि, उनका तबादला एक प्रशासनिक निर्णय था, लेकिन इसके महज चार दिन बाद इस्तीफा सौंपने की खबर ने पूरे मामले को नया मोड़ दे दिया है। आमतौर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के तबादले के बाद उन्हें नई जगह पर जिम्मेदारी संभालनी होती है, लेकिन अनुराग सुजानिया ने नई तैनाती पर कार्यभार संभालने के बजाय सेवा से अलग होने का रास्ता चुना। इसी वजह से उनके फैसले को लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं।



राहुल गांधी की 'वोट चोरी' रैली से गायब रहे 60 नेता, मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस ने किया सस्पेंड

महानगर मेट्रो ब्यूर

भोपाल। कांग्रेस की ओर से दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित 'वोट चोरी' रैली में शामिल नहीं होना मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस के 60 पदाधिकारियों को भारी पड़ गया। संगठन ने रैली से अनुपस्थित रहने वाले नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबित किए गए पदाधिकारियों में 9 जिला अध्यक्ष, 5 उपाध्यक्ष, 14 महासचिव और 32 सचिव शामिल हैं। युवा कांग्रेस ने 3 नवंबर 2026 को इस संबंध में आदेश जारी किया। आदेश में संबंधित पदाधिकारियों पर संगठनात्मक अनुशासनहीनता का आरोप लगाया गया है। जानकारी के अनुसार, 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस की ओर से 'वोट चोरी' के मुद्दे पर रैली आयोजित की गई थी। इस रैली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी इस रैली का प्रमुख चेहरा रहे। रैली के जरिए पार्टी ने मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए अपनी बात रखी। इस आयोजन में मध्य प्रदेश से युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों की भागीदारी को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा था। संगठन की ओर से प्रदेश के पदाधिकारियों को रैली में शामिल होने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन 60 पदाधिकारी कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। रैली के बाद पदाधिकारियों की अनुपस्थिति को लेकर संगठन ने जानकारी जुटाई और इसके बाद कार्रवाई का निर्णय लिया गया। मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित 'वोट चोरी' रैली में अनुपस्थित रहना संगठन ने गंभीरता से लिया है। इसी आधार पर संबंधित पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक निलंबित किया जाता है। आदेश में यह भी कहा गया है कि यह कार्रवाई भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशों के अनुपालन में की गई है। इस कार्रवाई में संगठन के अलग-अलग स्तरों पर जिम्मेदारी निभा रहे नेताओं को शामिल किया गया है। 9 जिला अध्यक्षों पर कार्रवाई होने से जिला स्तर पर युवा कांग्रेस के संगठनात्मक कामकाज को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। इसके अलावा 5 उपाध्यक्ष, 14 महासचिव और 32 सचिवों को भी निलंबित किया गया है। इस तरह एक साथ 60 पदाधिकारियों पर कार्रवाई कर प्रदेश संगठन ने अनुशासन के मामले में सख्त रुख दिखाया है। युवा कांग्रेस की ओर से सोशल मीडिया पर भी निलंबन संबंधी आदेश जारी किया गया है। हालांकि, आदेश में सभी निलंबित पदाधिकारियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। साथ ही यह जानकारी भी सामने नहीं आई है कि संबंधित नेताओं ने रैली में शामिल नहीं होने के पीछे क्या कारण बताए थे या इस संबंध में संगठन को कोई स्पष्टीकरण दिया गया था या नहीं।



'क्लासरूम में गिरी, फिर उठी ही नहीं... दिल्ली में 9 साल की बच्ची की स्कूल में मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। के मयूर विहार फेज-2 स्थित एक निजी विद्यालय में 9 साल की छात्रा की अचानक मौत से हड़कंप मच गया। तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली बच्ची की विद्यालय की कक्षा में अचानक तबीयत बिगड़ गई। शिक्षकों ने बिना देर किए उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इतनी कम उम्र में बच्ची की अचानक मौत से परिवार में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं विद्यालय में भी शोक का माहौल है। यह घटना पांडव नगर थाना क्षेत्र स्थित लवली हेरिटेज स्कूल की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, बच्ची रोजाना की तरह विद्यालय पहुंची थी और अपनी कक्षा में मौजूद थी। इसी दौरान अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। कक्षा में बच्ची की हालत खराब होते ही शिक्षकों ने उसे संभालने का प्रयास किया और आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे। हालांकि, चिकित्सकों की तमाम कोशिशों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका। प्रारंभिक जानकारी में बच्ची की मौत के पीछे हृदय संबंधी परेशानी या किसी अन्य चिकित्सकीय कारण की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, अभी तक मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। चिकित्सकीय जांच और शव परीक्षण की रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी। विद्यालय की कक्षा में हुई यह घटना वहाँ लगे निगरानी कैमरे में भी दर्ज होने की बात सामने आई है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने बच्ची के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुरुआती जांच में फिलहाल किसी तरह की गड़बड़ी या बाहरी हस्तक्षेप की बात सामने नहीं आई है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की पड़ताल कर रही है। विद्यालय में लगे निगरानी कैमरों के दृश्य और घटना से जुड़ी अन्य जानकारियों की भी जांच की जा रही है। महज 9 साल की उम्र में बच्ची की अचानक हुई मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। परिवार के लिए यह घटना गहरे सदमे जैसी है। फिलहाल पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। रिपोर्ट आने के बाद ही बच्ची की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।



दिल्ली में आयात शुल्क में कटौती के बाद स्कॉच व्हिस्की की कीमतों में बदलाव की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

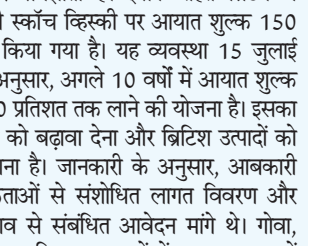
नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते के बाद दिल्ली में आयातित स्कॉच व्हिस्की की कीमतों में संशोधन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आबकारी विभाग इस संबंध में प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार, आयात शुल्क में कटौती का असर कीमतों पर पड़ सकता है। अनुमान है कि कुछ उत्पादों की कीमतों में लगभग 7 प्रतिशत तक बदलाव हो सकता है। हालांकि, प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी मिलने और नई दरें लागू होने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, नई दरों के आधार पर आपूर्ति की शुरुआत होटल, क्लब और रेस्तरां क्षेत्र से हो सकती है। इसके बाद खुदरा दुकानों तक संशोधित कीमतों वाला माल पहुंचने की संभावना है। खुदरा बाजार में बदलाव लागू होने में कुछ समय लग सकता है, क्योंकि आपूर्ति श्रृंखला में पहले से मौजूद माल पुरानी दरों पर खरीदा गया है। इस बदलाव की मुख्य वजह भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता है। इसके तहत ब्रिटेन में बोतलबंद होकर भारत आने वाली स्कॉच व्हिस्की पर आयात शुल्क 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत किया गया है। यह व्यवस्था 15 जुलाई 2026 से लागू हुई। समझौते के अनुसार, अगले 10 वर्षों में आयात शुल्क को चरणबद्ध तरीके से घटाकर 40 प्रतिशत तक लाने की योजना है। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देना और ब्रिटिश उत्पादों को भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाना है। जानकारी के अनुसार, आबकारी विभाग ने सितंबर में थोक विक्रेताओं से संशोधित लागत विवरण और अधिकतम खुदरा मूल्य में बदलाव से संबंधित आवेदन मांगे थे। गोवा, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सहित कुछ राज्यों में आयात शुल्क में कटौती के बाद कीमतों में संशोधन किया जा चुका है। हालांकि, अलग-अलग राज्यों में स्थानीय कर और अन्य शुल्कों के कारण कीमतों में बदलाव एक जैसा नहीं है। उद्योग से जुड़े जानकारों का कहना है कि आयातित बोतलबंद उत्पादों की नई कीमतें मौजूदा भंडार समाप्त होने के बाद ही प्रभावी हो सकती हैं। थोक और खुदरा विक्रेताओं के पास सामान्यतः 2 से 3 सप्ताह का माल उपलब्ध रहता है। ऐसे में पुरानी दरों पर खरीदा गया माल पहले बेचा जाएगा और उसके बाद संशोधित दरों वाला नया भंडार बाजार में पहुंच सकता है। उद्योग जगत को उम्मीद है कि नवंबर के दूसरे हिस्से में नई दरों का असर दिखाई देने लगेगा। हालांकि, अंतिम कीमतें आबकारी विभाग की मंजूरी, संशोधित लागत और स्थानीय कर व्यवस्था पर निर्भर करेंगी।



दिवाली से पहले मिलावटखोरों पर बड़ा एक्शन, मोरी गेट मंडी में 7000 किलो खराब खोया नष्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। त्योहारों के दौरान मिठाइयों के जरिए लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों के खिलाफ दिल्ली सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मोरी गेट स्थित खोया मंडी में छापा मारकर 6,700 किलो से अधिक अस्वच्छ और दुर्गंधयुक्त खोया जब्त किया और उसे मौके पर ही नष्ट करा दिया। इस कार्रवाई का निरीक्षण करने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता स्वयं मंडी पहुंचीं। उन्होंने अधिकारियों से अभियान की जानकारी ली और स्पष्ट किया कि त्योहारों की खुशियों में मिलावट का जहर घोलने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से त्योहारों को देखते हुए मिलावटखोरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत मोरी गेट खोया मंडी में जांच और छापेमारी की गई। अधिकारियों के मुताबिक, मंडी से अब तक 44 खोये के नमूने लिए गए हैं। इनकी प्रारंभिक जांच मोबाइल जांच वाहन 'फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स' के माध्यम से की गई। जांच में 44 में से 35 नमूने निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। वहीं, दो अन्य नमूने लेकर विस्तृत जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। इनकी अंतिम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रारंभिक जांच में संदिग्ध खोये में दूध पाउडर, वनस्पति और उसे बांधने के लिए इस्तेमाल होने वाले अन्य पदार्थों की मिलावट के संकेत मिले हैं। अधिकारियों का कहना है कि प्रयोगशाला की अंतिम रिपोर्ट के आधार पर संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जांच में खराब और अस्वच्छ पाए गए खोये को बाजार में पहुंचने से रोकने के लिए नष्ट कराया गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई के दौरान अब तक बड़ी मात्रा में खोया नष्ट किया जा चुका है। विभाग के अनुसार, 4 सितंबर को 2,830 किलो, 8 सितंबर को 610 किलो और 23 अक्टूबर को 520 किलो खोया नष्ट कराया गया था। इसके बाद 3 नवंबर को 6,700 किलो से अधिक खोये पर कार्रवाई की गई। इस तरह अभियान के तहत अब तक कुल 10,660 किलो खोया नष्ट कराया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि यह खोया पड़ोसी राज्यों से दिल्ली लाया गया था और इसे यहां की मंडी में बेचने की तैयारी थी।



सुनेत्रा पवार चीफ, पर फैसले ले रहे पार्थ, मुंबई की बैठक में भी रहे मौजूद, NCP के सीनियर नेताओं ने उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में अंदरूनी खींचतान लगातार बढ़ती नजर आ रही है। पार्टी की अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के नेतृत्व को लेकर भले ही सार्वजनिक रूप से एकजुटता दिखाई जा रही हो, लेकिन संगठन के भीतर राज्यसभा सदस्य पार्थ पवार की बढ़ती भूमिका को लेकर वरिष्ठ नेताओं में असंतोष सामने आने लगा है। पार्टी के कई नेताओं का आरोप है कि पार्थ पवार वरिष्ठ पदाधिकारियों को विश्वास में लिए बिना संगठन से जुड़े महत्वपूर्ण फैसलों को प्रभावित कर रहे हैं। इसी मुद्दे पर मंगलवार को दक्षिण मुंबई स्थित सुनेत्रा पवार के सरकारी आवास 'देवगिरि' में हुई बैठक में भी चर्चा हुई। बैठक रात करीब 10:30 बजे तक चली और इसमें पार्थ पवार भी मौजूद रहे यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है, जब इससे एक दिन पहले एनसीपी के वरिष्ठ नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस बैठक में सुनेत्रा पवार और



पार्थ पवार शामिल नहीं थे। प्रतिनिधिमंडल में राज्यसभा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे, मंत्री छगन भुजबल और हसन मुश्रीफ, पूर्व मंत्री दिलीप वलसे पाटिल और धनंजय मुंडे तथा पूर्व विधायक समीर भुजबल शामिल थे। इस मुलाकात के बाद पार्टी के भीतर चल रही नाराजगी को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। पार्टी के एक वरिष्ठ विधायक के अनुसार, अजित पवार के निधन के बाद पार्टी ने सर्वसम्मति से सुनेत्रा पवार को अपना नया प्रमुख चुना था। नेताओं को उम्मीद थी कि उनके नेतृत्व में संगठन के सभी वरिष्ठ सदस्यों को साथ लेकर फैसले किए जाएंगे। हालांकि, आरोप है कि धीरे-धीरे पार्थ पवार का पार्टी के कामकाज में हस्तक्षेप बढ़ता गया। कई वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि संगठन में नियुक्तियों और अन्य महत्वपूर्ण निर्णयों से पहले उनसे सलाह नहीं ली जा रही है। इससे पुराने नेताओं में नाराजगी बढ़ रही है। बैठक में हाल ही में की गई संगठनात्मक नियुक्तियों को लेकर भी सवाल उठाए गए। इनमें जीशान सिद्दीकी को मुंबई एनसीपी का अध्यक्ष बनाए जाने और उमेश पाटिल को बृजेश श्रीवास्तव की जगह पार्टी का मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किए जाने का मामला प्रमुख रहा। पार्टी के कुछ नेताओं का आरोप है कि ये नियुक्तियां वरिष्ठ पदाधिकारियों से चर्चा किए बिना की गईं। मंत्री छगन भुजबल ने भी सार्वजनिक रूप से कहा था कि उन्हें इन नियुक्तियों की जानकारी नहीं थी और इसके बारे में उन्हें समाचार माध्यमों से पता चला। इस बयान के बाद पार्टी के भीतर असहमति खुलकर सामने आ गई। एनसीपी के कुछ वरिष्ठ पदाधिकारियों का दावा है कि पार्थ पवार पार्टी में पुराने नेताओं को किनारे कर नए चेहरों को आगे लाना चाहते हैं। चर्चा यह भी है कि राज्य मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल के दौरान कुछ पुराने सदस्यों की जगह नए लोगों को अवसर देने की कोशिश हो सकती है। हालांकि, इस संबंध में पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि संगठन में बड़े फैसले सामूहिक सहमति से होने चाहिए, ताकि पार्टी की एकजुटता बनी रहे। मंगलवार को हुई बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने संगठन में एकजुटता की बात कही। उन्होंने कहा कि पार्टी सुनेत्रा पवार के नेतृत्व में मिलकर काम कर रही है। हालांकि, बैठक के दौरान विधायकों ने कुछ सरकारी विभागों से पर्याप्त धनराशि नहीं मिलने की शिकायत भी उठाई। इसके साथ ही यह सवाल भी किया गया कि क्या वित्त विभाग का प्रभार दोबारा एनसीपी को मिलेगा। तटकरे ने सूखे की स्थिति और दिवाली के बाद मंत्रियों की ओर से उठाए जाने वाले कदमों पर भी ध्यान केंद्रित किया। दिल्ली में अमित शाह के साथ हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की जानकारी भी सामने आई है।

'ओपन चैलेंज, संसद में आइए, बहस करते हैं', सीएम रेखा गुप्ता ने राहुल गांधी को दी चुनौती, कहा- भागना मत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की खुली बहस की चुनौती के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। अब दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राहुल गांधी को ही संसद में आमने-सामने बहस करने की चुनौती दे दी है। उन्होंने सामाजिक माध्यम पर संदेश जारी करते हुए कहा कि राहुल गांधी संसद में आएं और खुलकर बहस करें। मुख्यमंत्री ने चुनौती देते हुए लिखा कि भागना मत, बहस की जगह भारत की संसद, नई दिल्ली रहेगी और इसके लिए किसी वीजा की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने संदेश में कांग्रेस के इतिहास से जुड़े कई मुद्दे उठाए। उन्होंने वर्ष 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान विपक्षी नेताओं को जेल में डाला गया और समाचार माध्यमों पर प्रतिबंध लगाए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाया गया। इसके साथ ही उन्होंने वर्ष 1984 में दिल्ली में हुए सिख विरोधी दंगों का मुद्दा उठाया। रेखा गुप्ता ने कहा कि



उस समय राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री थे और दिल्ली में हजारों निर्दोष सिखों की हत्या हुई थी। उनके अनुसार, कांग्रेस आज भी उस विरासत से पीछा नहीं छुड़ा पाई है। रेखा गुप्ता ने अपने संदेश में वर्ष 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों का भी उल्लेख किया। उन्होंने लगातार तीन चुनावों में कांग्रेस की हार का जिक्र करते हुए राहुल गांधी पर राजनीतिक निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने लिखा कि चौथा कार्यकाल कांग्रेस के लिए सबसे बड़ा बुरा सपना साबित होगा। उन्होंने राहुल गांधी को संसद में बहस के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि वे अपनी बात संसद में आकर रखें। दरअसल, यह पूरा विवाद राहुल गांधी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी गई बहस की चुनौती के बाद शुरू हुआ। राहुल गांधी ने सामाजिक माध्यम पर संदेश जारी कर कहा था कि प्रधानमंत्री उन पर और विपक्ष पर देशविरोधी होने के आरोप लगाते हैं, इसलिए उन्हें किसी भी मंच पर आमने-सामने बैठकर बहस करनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि बहस के लिए स्थान प्रधानमंत्री अपनी पसंद से चुन सकते हैं। राहुल गांधी ने विदेशी ताकतों से कथित संबंधों, वित्तीय व्यवस्था और भारत-अमेरिका समझौते सहित कई मुद्दों पर चर्चा करने की बात कही थी। राहुल गांधी ने अपने संदेश में यह भी कहा था कि बहस के दौरान मीडिया और देश के युवा मौजूद रहें। उन्होंने सुझाव दिया था कि जरूरत पड़ने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत को भी निर्णायक के रूप में बैठाया जा सकता है। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री से जल्द जवाब देने की मांग करते हुए कहा था कि बहस से सभी आरोपों की सच्चाई सामने आ जाएगी। राहुल गांधी की इसी चुनौती को आगे बढ़ाते हुए रेखा गुप्ता ने उनके सामने संसद में बहस का प्रस्ताव रख दिया। दोनों नेताओं के बयानों के बाद राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। अब देखना होगा कि राहुल गांधी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की इस चुनौती पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

राहुल गांधी जिन्ना की तरह फैला रहे अराजकता, विदेशी ताकतें कर रहीं मदद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उनकी तुलना मोहम्मद अली जिन्ना से की है। चुनाव आयोग के खिलाफ राहुल गांधी के विरोध प्रदर्शन की आलोचना करते हुए लोढ़ा ने आरोप लगाया कि वह देश में अराजकता फैलाने और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ विदेशी ताकतें भी राहुल गांधी की मदद कर रही हैं। लोढ़ा ने देशवासियों से ऐसी कथित गतिविधियों को समय रहते समझने और सतर्क रहने की अपील की। मंगल प्रभात लोढ़ा ने जवाहरलाल नेहरू के प्रधानमंत्री कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि राहुल गांधी वही रास्ता अपनाते दिखाई दे रहे हैं, जिस तरह 1945 से 1947 के बीच जिन्ना ने देश में राजनीतिक अस्थिरता का माहौल बनाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर करने, कानून-व्यवस्था बिगाड़ने और देश में अराजकता का वातावरण तैयार करने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, विदेशी ताकतों की ओर से मदद मिलने के अपने आरोपों के समर्थन में उन्होंने कोई विस्तृत प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया। लोढ़ा ने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर भाजपा के रुख का बचाव किया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार एक संवैधानिक पद पर नियुक्त हैं और ऐसे पदों तथा संस्थाओं की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। उनके अनुसार, किसी भी संवैधानिक संस्था को राजनीतिक विरोध के नाम पर कमजोर करने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संवैधानिक व्यवस्था बनाए रखना लोकतंत्र के लिए जरूरी है और अराजकता फैलाने वाली गतिविधियों से संस्थाओं की रक्षा की जानी चाहिए। मंत्री ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं का उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। लोढ़ा ने दावा किया कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण देश में गरीबी कम हुई है और करीब 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं। उन्होंने आयात में कमी, निर्यात में बढ़ोतरी, आत्मनिर्भरता और विदेश नीति को लेकर भी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उनका कहना था कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है और भारतीय पासपोर्ट को दुनिया में पहले से अधिक सम्मान मिल रहा है। दीया मिर्जा से जुड़े विवाद और बंबई उच्च न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए लोढ़ा ने कहा कि वह अदालत के निर्णय का सम्मान करते हैं। हालांकि, उन्होंने धार्मिक परंपराओं और लोगों की भावनाओं को भी महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना था कि सरकार हो या कोई अन्य संस्था, सभी को हजारों वर्षों से चली आ रही परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं का ध्यान रखना चाहिए।



अनिल अंबानी समूह पर ईडी का बड़ा शिकंजा, 2 विमान समेत 510 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त बैंक धोखाधड़ी के 2 मामलों में कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। उद्योगपति अनिल अंबानी के समूह की मुश्किलें लगातार बढ़ती नजर आ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बैंक धोखाधड़ी से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए समूह की करीब 510 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की हैं। इस कार्रवाई में दो निजी विमान, जमीन के कई टुकड़े, महाराष्ट्र स्थित कार्यालय परिसर, बैंक खातों में जमा रकम, सावधि जमा और विभिन्न निवेश शामिल हैं। जांच एजेंसी की इस कार्रवाई के बाद अनिल अंबानी समूह के खिलाफ अब तक जब्त की गई संपत्तियों का कुल मूल्य करीब 23,100 करोड़ रुपये पहुंच गया है। ईडी की ओर से समूह की विभिन्न कंपनियों से जुड़े वित्तीय लेनदेन और कथित अनियमितताओं की जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार, ताजा कार्रवाई बैंक धोखाधड़ी के दो मामलों में की गई है। इनमें पहला मामला रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड से जुड़ा है, जिसकी राशि 263.05 करोड़ रुपये बताई गई है। दूसरा मामला रिलायंस कम्युनिकेशंस से संबंधित है,



जिसमें 247.12 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच की जा रही है। इन दोनों मामलों में कुल मिलाकर 510 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों को जब्ती की कार्रवाई के दायरे में लिया गया है। रिलायंस कम्युनिकेशंस से जुड़े मामले में ईडी ने दो निजी विमान जब्त किए हैं। इसके साथ ही जमीन के 6 टुकड़े और महाराष्ट्र में स्थित एक कार्यालय परिसर को भी कार्रवाई में शामिल किया गया है। एजेंसी इन संपत्तियों को कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मामले की जांच के दौरान जब्त की गई संपत्तियों का हिस्सा मान रही है। वहीं, रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस के मामले में तमिलनाडु स्थित 2 पवन ऊर्जा संयंत्रों के साथ बैंक खातों में जमा धनराशि, सावधि जमा और विभिन्न निवेशों को जब्त किया गया है। ईडी की जांच केवल इन दो कंपनियों तक सीमित नहीं है। एजेंसी के दायरे में रिलायंस कम्युनिकेशंस, रिलायंस होम फाइनेंस, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, रिलायंस पावर और रिलायंस कैपिटल सहित अनिल अंबानी समूह की कई कंपनियां शामिल हैं। जांच की शुरुआत केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, दिल्ली और दिल्ली तथा मुंबई की आर्थिक अपराध शाखाओं में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर की गई थी। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन निवारण कानून और विदेशी मुद्रा प्रबंधन कानून के तहत जांच आगे बढ़ाई। जांच एजेंसी का आरोप है कि समूह की कंपनियों को बैंकों और वित्तीय संस्थानों से मिले धन का कथित तौर पर निर्धारित उद्देश्यों के बजाय अन्य कामों में इस्तेमाल किया गया। ईडी इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि कंपनियों की संपत्तियों को कथित रूप से निजी इस्तेमाल के लिए सुरक्षित रखने और भारत से धन विदेश भेजने की प्रक्रिया में क्या अनियमितताएं हुईं।

गुस्साए कॉन्स्टेबल ने शराब पीकर पुणे पुलिस कमिश्नर के घर के दरवाजा पर चढ़ा दी कार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में पुलिस विभाग से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पुलिस कांस्टेबल ने कथित तौर पर शराब के नशे में अपनी कार से पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार के सरकारी आवास के मुख्य द्वार को टक्कर मार दी। मंगलवार शाम छावनी क्षेत्र में हुई इस घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कांस्टेबल को हिरासत में ले लिया। गनीमत रही कि इस दौरान किसी को चोट नहीं आई और न ही कोई जनहानि हुई। अधिकारियों के अनुसार, जब कांस्टेबल ने कार से बंगले के गेट को टक्कर मारी, उस समय वह वाहन में अकेला था। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि कांस्टेबल उस समय शराब के नशे में था। उसने अपनी कार से सरकारी आवास के मुख्य द्वार को टक्कर मारी। पुलिस आयुक्त के आवास पर हुई इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था और पुलिसकर्मियों के अनुशासन को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के तुरंत बाद संबंधित पुलिसकर्मी को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस आयुक्त के मुताबिक, आरोपी कांस्टेबल का अनुशासनात्मक मामलों में पहले से रिकॉर्ड रहा है। उसके खिलाफ पूर्व में भी कई मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2025 में उसे निलंबित किया गया था। इसके बाद वर्ष 2026 में उसे दोबारा सेवा में बहाल कर दिया गया। हालांकि, बहाली के बाद भी उसके व्यवहार और विभागीय गतिविधियों को लेकर सवाल बने हुए थे। पुलिस अधिकारियों ने यह भी बताया कि कांस्टेबल मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहा है। फिलहाल इन परिस्थितियों और घटना के बीच किसी सीधे संबंध की पुष्टि नहीं की गई है। इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा चर्चा कांस्टेबल की कथित नाराजगी को लेकर हो रही है। पुलिस विभाग के गलियारों में चर्चा है कि वह अपनी पसंदीदा जगह पर तैनाती नहीं मिलने से परेशान था। बताया जा रहा है कि मनचाही पोस्टिंग नहीं मिलने के कारण उसके भीतर नाराजगी थी और इसी वजह से उसने यह कदम उठाया। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इस बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है कि पोस्टिंग को लेकर विवाद ही घटना की मुख्य वजह था। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कांस्टेबल किस परिस्थिति में पुलिस आयुक्त के आवास तक पहुंचा और उसने सरकारी बंगले के गेट को टक्कर क्यों मारी। पुलिस आयुक्त के सरकारी आवास जैसे संवेदनशील स्थान पर विभाग के ही एक कर्मचारी द्वारा इस तरह की हरकत किए जाने से पुलिस महकमे में मामला चर्चा का विषय बन गया है।



वह रोज रात सपने में आकर डराता है, मुझे गिरफ्तार कर लीजिए, दोस्त की हत्या के 20 दिन बाद शख्स पहुंचा थाने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के डोंबिवली पश्चिम में हत्या का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने अपने करीबी दोस्त की कथित तौर पर हत्या कर दी और करीब 20 दिनों तक घटना को छिपाए रखा। इस दौरान किसी को वारदात की जानकारी नहीं हुई, लेकिन बाद में आरोपी खुद पुलिस के पास पहुंच गया। उसने पुलिस के सामने अपना अपराध स्वीकार करते हुए कहा कि उसका दोस्त लगातार उसके सपनों में आ रहा है और वह डर के कारण रातभर सो नहीं पा रहा है। आरोपी ने पुलिस से उसे गिरफ्तार करने की बात कही। इसके बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर मृतक का शव बरामद कर लिया। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान 42 वर्षीय विशाल कदम के रूप में हुई है, जबकि हत्या के आरोप में 24 वर्षीय प्रभु करकाडे को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना डोंबिवली पश्चिम के मोथागांव इलाके में एक मकान के अंदर हुई थी। बताया जा रहा है कि घटना के समय विशाल कदम और प्रभु करकाडे अपने परिचित संदेश म्हात्रे के घर पर बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो



गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों के बीच मारपीट होने लगी। आरोप है कि प्रभु करकाडे ने विशाल कदम के साथ बुरी तरह मारपीट की, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ने कथित तौर पर अपने मकान मालिक संदेश म्हात्रे से संपर्क किया और शव को ठिकाने लगाने में मदद मांगी। पुलिस को संदेह है कि दोनों ने मिलकर विशाल के शव को एक बोरे में भरा और उसे कोपर रोड पर मोथागांव खाड़ी के पास सुनसान स्थान पर फेंक दिया। इसके बाद दोनों ने घटना को छिपाने की कोशिश की। करीब 20 दिनों तक मामले की जानकारी पुलिस तक नहीं पहुंची और मृतक का शव भी बरामद नहीं हो सका। मामले में नया मोड़ सोमवार सुबह आया, जब प्रभु करकाडे खुद ठाणे अपराध शाखा के कार्यालय पहुंच गया। वहां उसने पुलिस के सामने हत्या की बात स्वीकार की। आरोपी ने बताया कि घटना के बाद से वह मानसिक रूप से परेशान था और रात में ठीक से सो नहीं पा रहा था। उसका कहना था कि मृतक विशाल कदम बार-बार उसके सपनों में आता है, जिससे वह डर गया है। इसी वजह से उसने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने का फैसला किया। आरोपी के कबूलनामे के बाद अपराध शाखा ने विष्णु नगर पुलिस थाने को सूचना दी। इसके बाद पुलिस की टीम आरोपी को साथ लेकर उस स्थान पर पहुंची, जहां उसने शव फेंकने की जानकारी दी थी। पुलिस ने मोथागांव खाड़ी के पास से विशाल कदम का शव बरामद कर लिया। इसके बाद मामले में कथित तौर पर मदद करने वाले मकान मालिक संदेश म्हात्रे को भी डोंबिवली पश्चिम स्थित उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। सहायक पुलिस आयुक्त विजय मराठे ने बताया कि हत्या के बाद आरोपी सो नहीं पा रहा था। उसने पुलिस को बताया कि मृतक बार-बार उसके सपनों में आ रहा था और इसी डर के कारण उसने आत्मसमर्पण किया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर शव बरामद किया और उस मकान मालिक को भी गिरफ्तार किया, जिसने कथित तौर पर शव को ठिकाने लगाने में मदद की थी। फिलहाल पुलिस इस बात की जांच कर रही है।

अनिश्चितता के दौर में लार्जकैप पर बढ़ा भरोसा

विशेषज्ञ बोले, अगले 6-18 महीने बेहतर रिटर्न की उम्मीद

नई दिल्ली ।

साल 2026 में शेयर बाजार का रुख बदल गया है। अब तक बाजार की तेजी में आगे रहे मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों की रफ्तार धीमी पड़ गई है, जबकि अनिश्चितता के बीच निवेशक सुरक्षित ठिकाने के रूप में लार्जकैप शेयरों की ओर रुख कर रहे हैं। 11 सितंबर के बाद यह रुझान स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। आंकड़ों के अनुसार, 11 सितंबर से 2 नवंबर के बीच निफ्टी 50 में जहां 0.5 फीसदी की मामूली गिरावट आई, वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 7 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 6.6 फीसदी लुढ़क गया। यह बदलाव दर्शाता है कि निवेशक अब मजबूत कारोबार, आसान तरलता और स्थिर कमाई वाली बड़ी कंपनियों को प्राथमिकता दे रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगले 6 से 18 महीनों में लार्जकैप शेयर जोखिम के मुकाबले बेहतर रिटर्न दे सकते हैं। अमेरिका चुनाव, कंपनियों की कमाई और वैश्विक तनाव जैसी कई अनिश्चितताएं बाजार के सामने हैं। ऐसे माहौल में लार्जकैप शेयर निवेशकों को अधिक स्थिरता दे रहे हैं। मजबूत कारोबार, बैलेंस शीट और स्थिर कमाई वाली बड़ी कंपनियां आकर्षक बनी हुई हैं। एफआईआई की लगातार बिकवाली चुनौती रही है, पर वैश्विक भरोसा बढ़ने पर निफ्टी 50 कंपनियां, प्राइवेट बैंक और वित्तीय सेवा प्रदाता सबसे पहले लाभ उठा सकते हैं। निवेशक अब कम समय में ऊंचे रिटर्न से ज्यादा, बाजार के उतार-चढ़ाव का सामना करने की लार्जकैप की क्षमता को अहमियत दे रहे हैं।

यूपी सरकार दिवाली पर उज्ज्वला लाभार्थियों को बांटेगी निःशुल्क गैस सिलेंडर

मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ, लाभार्थियों के खातों में पहुंची सब्सिडी

लखनऊ ।

दीपावली के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को एक बड़ी सौगात दी है। राज्य में निःशुल्क गैस सिलेंडर वितरण प्रक्रिया का शुभारंभ हो गया है, जिससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों को स्वच्छ ईंधन का सीधा लाभ मिलेगा। यह पहल लाखों परिवारों के लिए त्योहार को और भी रोशन करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में लखनऊ के लोकभवन से इस योजना का शुभारंभ किया। इसके तहत, उज्ज्वला योजना के प्रत्येक लाभार्थी के खाते में कुल 971 रुपये (राज्य सरकार से 653 रुपये और केंद्र सरकार से 318 रुपये) की सब्सिडी सीधे हस्तांतरित की जा रही है। यह सुविधा लाभार्थियों को साल में दो बार प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें ईंधन के खर्च से राहत मिलेगी और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। इस योजना के तहत, जनपद एटा में भी जिलाधिकारी एम अरुन्मोली की अध्यक्षता में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने लाभार्थी महिलाओं को प्रतीकात्मक चेक वितरित करते हुए केंद्र व राज्य सरकार की इस पहल की सराहना की, जो स्वच्छ ईंधन सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर है। जिला पूर्ति अधिकारी कमलेश गुप्ता के अनुसार, एटा में 1,74,934 उज्ज्वला लाभार्थियों को इस दीपावली पर लाभ मिल रहा है। सरकार की यह पहल स्वच्छ ईंधन उपलब्धता और नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

घर बैठे मनाएं, जेप्टो और ब्लिंकिट पर मिलेगा सारा सामान

नई दिल्ली ।

आस्था और लोकपर्व छठ पूजा की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, जो 15 नवंबर को मनाई जाएगी।

इस दौरान बाजारों में लगने वाली भारी भीड़ और खरीदारी की जद्दोजहद से बचने के लिए, जेप्टो और ब्लिंकिट जैसे ऑनलाइन क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी राहत लेकर आए हैं।

अब आप घर बैठे ही छठ पूजा से जुड़ा लगभग सभी आवश्यक सामान आसानी से मंगवा सकते हैं।

इन प्लेटफॉर्म्स पर कपूर, देसी घी के दीये, रुई की बाती, अगरबत्ती, धूप, रोली, मौली और चावल जैसी पारंपरिक पूजा सामग्री आसानी से मिल रही है। इसके साथ ही, पूजा की थाली, लाल-पीले वस्त्र और ठेकुआ बनाने के लिए आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध है। व्रतियों के लिए विभिन्न प्रकार के ताजे फल जैसे केला, सेब, अमरूद और अनार भी घर बैठे मंगाए जा सकते हैं। इन क्विक कॉमर्स सेवाओं का सबसे बड़ा लाभ यह है कि आपका सामान अक्सर मिनटों के भीतर ही घर तक पहुंच जाता है, जिससे समय की बचत होती है और बाजार जाने की परेशानी खत्म हो जाती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 383, निफ्टी 149 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी के साथ बंद हुए। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान बीईएल, टाइटन, इंडिगो, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, अडाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व के शेयरों में तेजी रही। वहीं दूसरी ओर, टीसीएस, एचसीएल टेक, इन्फोसिस के शेयर गिरे। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 383.55 अंकों की बढ़त के साथ ही 77,301.40 अंकों पर बंद हुआ। जबकि 50 शेयरो वाला , एनएसई निफ्टी 149.75 अंकों से उछलकर 23,960.60 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से 19 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आये जबकि शेष 9 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से 36 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए और बाकी की 14 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ नीचे आये। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल सरकारी डिफेंस कंपनी बीईएल के शेयर आज सबसे ज्यादा बढ़त के साथ बंद हुए। जबकिटीसीएस के शेयर आज सबसे ज्यादा टूटे।



सेंसेक्स के अन्य शेयरों में आज टाइटन, इंडिगो 2, बजाज फाइनेंस, आईटीसी , अडाणी पोर्ट्स तेजी के साथ बंद हुए जबकि आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल के शेयरों में बदलाव नहीं आया। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की धीमी शुरुआत हुई। सेंसेक्स 65 अंक टूटकर 76,853.11 के स्तर पर लगभग सपाट स्तर पर खुला। वहीं निफ्टी 50 भी 0.28 फीसदी की गिरावट के साथ 23742.25 के स्तर पर शुरु हुआ।

पीएनबी और केनरा बैंक ने बदली एफडी ब्याज दरें

- वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा विशेष लाभ

नई दिल्ली ।

यदि आप सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो आपके लिए अच्छी खबर है।

देश के प्रमुख सरकारी बैंकों, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और केनरा बैंक ने हाल ही में अपनी एफडी ब्याज दरों में बदलाव की घोषणा की है, जिससे ग्राहकों को आकर्षक रिटर्न मिलने की उम्मीद है। केनरा बैंक ने 2 नवंबर से अपनी एफडी दरों में 15 बेसिस पॉइंट तक की बढ़ोतरी की है। बैंक की 555 दिन की स्पेशल एफडी पर आम ग्राहकों को अब 6.75 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 7.25 फीसदी ब्याज मिलेगा। वहीं, 444 दिन की एफडी पर आम ग्राहकों को 6.65 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 7.15 फीसदी ब्याज दिया जा रहा है। तुलनात्मक रूप से, केनरा बैंक की दरें अधिक लुभावनी हैं। दूसरी ओर, पीएनबी ने 1 नवंबर से नई दरें लागू की हैं। बैंक की 444 दिन की स्पेशल एफडी पर आम ग्राहकों को अधिकतम 6.60 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 7.10 फीसदी ब्याज मिलेगा। 666 दिन की एफडी पर आम ग्राहकों के लिए 6.50 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 7.00 फीसदी की दर निर्धारित की गई है। ये दरें 3 करोड़ रुपए से कम की घरेलू टर्म डिपॉजिट पर लागू हैं। स्पष्ट है कि वरिष्ठ नागरिकों को दोनों बैंकों में एफडी पर अतिरिक्त लाभ मिलेगा, जिससे उनके लिए यह निवेश और भी आकर्षक हो जाता है।

सेवा क्षेत्र में जोरदार बढ़ोतरी, 4 माह का उच्चतम स्तर

अक्टूबर में एचएसबीसी पीएमआई 55.2 से बढ़कर 55.8 पर पहुंचा

नई दिल्ली ।

भारत के सेवा क्षेत्र ने अक्टूबर में चार महीने की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की, जिससे आर्थिक गतिविधियों को बल मिला है। एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई सूचकांक सितंबर के 55.2 से बढ़कर 55.8 पर पहुंच गया, जो मांग में मजबूती और नए ऑर्डर की बंपर आवक को दर्शाता है। अच्छी खबर यह भी है कि लागत का दबाव कम हुआ है, जिससे कंपनियों और उपभोक्ताओं को राहत मिली है। सर्वेक्षण के अनुसार, 50 से ऊपर का अंक विस्तार का सूचक होता है। कंपनियों ने नए ग्राहकों, अनुकूल मांग परिस्थितियों और सफल विज्ञापन अभियानों के दम पर नए ऑर्डर में जोरदार वृद्धि दर्ज की। एचएसबीसी की एक अर्थशास्त्री ने पुष्टि की कि कुल मांग काफी मजबूत बनी रही, जिससे कारोबारी स्थितियों में सतर्कता के साथ सुधार हुआ। हालांकि, कुछ मोर्चों पर सतर्कता भी दिखी। कंपनियों ने भविष्य की संभावनाओं को लेकर आशावादी रहने के बावजूद चार महीने में सबसे कम कर्मचारियों की भर्ती की, जो रोजगार वृद्धि की धीमी रफ्तार को दर्शाता है। नए निर्यात ऑर्डर की वृद्धि लगभग चार साल में सबसे कमजोर रही। अच्छी बात यह है कि कच्चे माल और तैयार उत्पादों की कीमतों में वृद्धि की रफ्तार धीमी हुई, जिससे महंगाई के दबाव में कुछ राहत मिली।

भारत में 2027 से विमान ईंधन में एसएएफ का उपयोग अनिवार्य होगा

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जारी की ड्राफ्ट एसएएफ पॉलिसी, 2026

नई दिल्ली ।

भारत सरकार हवाई यात्रा को पर्यावरणीय रूप से अधिक टिकाऊ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रही है। केंद्र सरकार ने ड्राफ्ट एसएएफ पॉलिसी, 2026 के तहत विमानों के ईंधन एटीएफ(एविएशन टर्बाइन फ्यूल) में एसएएफ (सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल) का मिश्रण अनिवार्य करने का प्रस्ताव रखा है। इस नई नीति के लागू होने पर, जनवरी 2027 से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कम से कम एक फीसदी का उपयोग करना होगा, जिसका मुख्य उद्देश्य हवाई यात्रा से होने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित यह नीति अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए जनवरी 2027 से एक फीसदी एसएएफ के उपयोग को अनिवार्य करेगी और 2040 तक इस लक्ष्य को 20 फीसदी तक बढ़ाने का स्पष्ट रोडमैप प्रदान करती है। एसएएफ पारंपरिक विमान ईंधन का एक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प है, जिसे फसल, जैविक कचरे और अन्य टिकाऊ स्रोतों से तैयार किया जाता है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य हवाई यात्रा के कार्बन पदचिह्न को कम करना है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि एसएएफ गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों पर खरा उतरे। ड्राफ्ट नीति में केवल एसएएफ मिश्रण के लक्ष्य ही नहीं, बल्कि इनके सख्त अनुपालन पर भी जोर दिया गया है। निर्धारित ब्लेंडिंग जरूरत को पूरा न करने वाली एयरलाइंस और तेल मार्केटिंग कंपनियों पर जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, नीति में यह भी प्रस्तावित है कि घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय एयरलाइंस अपनी वार्षिक एटीएफ जरूरतों का कम से कम 90 फीसदी भारत के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों से पूरा करेंगी, जिसका लक्ष्य इकोनॉमिक टैंकरिंग को रोकना है। हवाई अड्डों को एसएएफ के भंडारण, रखरखाव और वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी दी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि एसएएफ के उपयोग से एयरलाइंस की ईंधन लागत पर असर पड़ सकता है, खासकर यदि एसएएफ पारंपरिक एटीएफ से महंगा होता है, तो हवाई टिकटों की कीमतों में वृद्धि संभव है। हालांकि, फिलहाल हवाई टिकटों के महंगा होने की कोई तत्काल संभावना नहीं जताई गई है। यह कदम भारत को वैश्विक स्तर पर पर्यावरण अनुकूल हवाई यात्रा को बढ़ावा देने वाले देशों की श्रेणी में खड़ा करेगा।



एस्सार पावर आंध्र में 4500 करोड़ से लगाएगा हाइब्रिड ऊर्जा प्लांट

निवेश, सौर, पवन और बैटरी स्टोरेज से मिलेगी विश्वसनीय ऊर्जा

नई दिल्ली ।

एस्सार पावर आंध्र प्रदेश में एक महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना में 4,500 करोड़ रुपये का भारी-भरकम निवेश करने जा रही है। कंपनी ने अपनी नवीकरणीय इकाई, एस्सार रिन्यूएबल्स लिमिटेड (ईआरएल) के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र की एनएचपीसी लिमिटेड के साथ 300 मेगावाट की बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके बाद यह परियोजना धरातल पर उतरेगी। यह निवेश एस्सार पावर के भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह अत्याधुनिक परियोजना सौर और पवन ऊर्जा उत्पादन के साथ बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) का उपयोग करेगी। इसका मुख्य उद्देश्य विश्वसनीय और मांग के अनुरूप उपलब्ध कराई जा सकने वाली नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

यह समझौता नवीकरणीय, तापीय और गैस आधारित बिजली उत्पादन के क्षेत्रों में करीब पांच गीगावाट का विविध ऊर्जा कारोबार तैयार करने की एस्सार पावर की व्यापक रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

एस्सार पावर के एक व रिठ अ धिकारी ने कहा कि यह समझौता सौर, पवन और बैटरी भंडारण के क्षेत्रों में कंपनी के नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार को मजबूत करेगा। उन्होंने इसे भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते अवसरों का लाभ उठाने और बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार खड़ा करने की महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाने वाला कदम बताया।

यह परियोजना कंपनी के पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण वृद्धि है, जो भविष्य की ऊर्जा जरूरतों के लिए तैयार एक टिकाऊ ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में सहायक होगी।

एमके सन्स फाइन ज्वेल्स का शेयर छह प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

एमके सन्स फाइन ज्वेल्स लिमिटेड के शेयरों ने बुधवार को शेयर बाजार में शानदार शुरुआत की।

कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 162 रुपये से करीब छह प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ, जिससे निवेशकों को लिस्टिंग पर ही फायदा हुआ। बीएसई पर शेयर 5.92 प्रतिशत की बढ़त के साथ 171.60 रुपये पर कारोबार की शुरुआत की, जबकि एनएसई में यह 5.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 171 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ।

लिस्टिंग के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण 924.86 करोड़ रुपये रहा। पिछले सप्ताह, कंपनी के 275 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन तक 5.09 गुना अभिदान मिला था। कंपनी इस आईपीओ से जुटाई गई राशि का उपयोग महाराष्ट्र में एक नया शोरूम खोलने, गुजरात में मौजूदा शोरूम के विस्तार, कुछ कर्जों का भुगतान करने और सामान्य कारोबारी उद्देश्यों के लिए करेगी। वर्ष 2012 में स्थापित एमके सन्स फाइन ज्वेल्स लिमिटेड आभूषणों के डिजाइन, विनिर्माण और खुदरा बिक्री के कारोबार में एक जानी-मानी कंपनी है।

दिवाली पर महंगाई की मार,अमूल घी-बटर महंगा

1 किलो घी 50 और 500 ग्राम बटर 15 रुपए महंगा

नई दिल्ली ।

दिवाली नजदीक आते ही उपभोक्ताओं को महंगाई का झटका लगा है। अमूल ने अपने घी और बटर की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी कर दी है, जिससे त्योहारों पर पकवान बनाने का बजट प्रभावित होगा। अमूल के नए दामों के अनुसार 1 किलो घी कार्टून अब 630 की जगह 680 रुपये में, यानी 50 रुपये महंगा मिलेगा। 500 ग्राम बटर पैक 310 से बढ़कर 325 रुपये का हो गया है। 500 ग्राम प्योर घी पाउच 345 रुपये में, जबकि 100 ग्राम बटर पैक 63 से 66 रुपये में मिलेगा। कंपनी के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर गाय का घी 740 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है। कीमतों में इस वृद्धि की मुख्य वजह घी की बढ़ती मांग और आपूर्ति में कमी है। त्योहारों पर सालभर की कुल घी खपत का करीब 45 प्रतिशत इस्तेमाल होता है। मिलावटी घी पर सख्ती के बाद ग्राहकों का रुझान ब्रांडेड घी की ओर बढ़ा, जिससे मांग और बढ़ी। गुजरात के अहमदाबाद व वडोदरा में अमूल घी, खासकर गाय के घी की उपलब्धता में भी कमी देखी जा रही है। सितंबर 2025 में जीएसटी दरों में कमी के बाद मिली राहत अब इस नई बढ़ोतरी से खत्म हो गई है। ऐसे में दिवाली के लिए मिठाइयां और पकवान बनाने वालों की जेब पर यह बढ़ोतरी सीधा असर डालेगी।



आरबीआई ने सेवा निर्यात-आयात के नियमों में ढील दी, फ्रीलांसरों को राहत

छोटे ट्रांजेक्शन और डिजिटल सेवाओं के लिए ईडीएफ की बाध्यता खत्म

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सर्विस एक्सपोर्ट और इंपोर्ट से जुड़े विदेशी मुद्रा नियमों में महत्वपूर्ण ढील दी है, जिससे विदेशी क्लाइंट्स से कमाई करने वाले फ्रीलांसरों, कंपनियों और आयातकों को बड़ी राहत मिली है। इन बदलावों का उद्देश्य छोटे ट्रांजेक्शन और सेवा भुगतानों की प्रक्रिया को सरल बनाना है, जिससे कागजी कार्रवाई और लगने वाले समय में कमी आएगी। नए नियमों के तहत भारत में रहने वाले किसी व्यक्ति को अब विदेश में सेवा देने के बदले भुगतान मिलने पर अलग से एक्सपोर्ट डिक्लेरेशन फार्म (ईडीएफ) जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें केवल अपने बैंक को भुगतान खाते में जमा करने के लिए आवश्यक जानकारी देनी होगी। यह कदम विशेष रूप से डिजिटल सेवाओं और फ्रीलांसिंग के बढ़ते क्षेत्र को बढ़ावा देगा, जहां अक्सर छोटे भुगतान विदेशी मुद्रा में प्राप्त होते हैं। जो निर्यातक भारत में रहने वाले व्यक्ति नहीं हैं, उन्हें भी इस सुविधा का लाभ मिलेगा। ऐसे निर्यातकों के लिए विदेश से आने वाली सर्विस पेमेंट 10 लाख रुपये तक होने पर सिर्फ बैंक को जरूरी जानकारी देनी होगी; इससे अधिक राशि पर पहले के डिक्लेरेशन की शर्तें ही लागू होंगी। आरबीआई ने सर्विस इंपोर्ट के मामले में भी रिपोर्टिंग के नियमों में बदलाव किया है। अब बैंकों को इम्पोर्ट डाटा प्रोसेसिंग एंड मानिटरिंग सिस्टम (आईडीपीएमएस) में सर्विस इंपोर्ट की जानकारी तभी दर्ज करनी होगी, जब सेवा खरीदने वाला भारत का निवासी न हो और इनवॉयस 10 लाख रुपये से अधिक हो। इन बदलावों से विदेशी व्यापार से जुड़े लेन-देन की प्रक्रिया में लगने वाले समय और कागजी कार्रवाई में कमी आएगी, जिससे भारत में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा।

म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर की भूमिका और उसकी सीमाएं

सीमित सलाह दे सकते हैं डिस्ट्रीब्यूटर, पूरी वित्तीय योजना के लिए पंजीकृत सलाहकार चुनें

नई दिल्ली ।



म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर और पूर्ण वित्तीय सलाहकार की भूमिकाओं को लेकर निवेशकों में अक्सर भ्रम रहता है। इसे दूर करने के लिए एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) ने हाल ही में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसका मकसद निवेशकों को सही जानकारी देना और उन्हें अपनी वित्तीय योजनाओं के लिए सही व्यक्ति चुनने में मदद करना है, खासकर सोशल मीडिया पर सलाह की बढ़ती भरमार के बीच। एक म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर का प्राथमिक काम निवेशकों को उनकी जरूरतों, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुसार उपयुक्त म्यूचुअल फंड स्कीम चुनने में मदद करना है। वह केवाईसी अपडेट करने और बैंक खाते बदलने जैसे प्रशासनिक कार्यों में भी सहायता कर सकता है। हालांकि,एएमएफआई ने स्पष्ट किया है कि डिस्ट्रीब्यूटर की सलाह केवल म्यूचुअल फंड तक सीमित है, यह किसी निवेशक की पूरी वित्तीय योजना का हिस्सा नहीं है। व्यापक वित्तीय योजना (जिसमें घर खर्च, बच्चों की शिक्षा, बीमा और रिटायरमेंट जैसे कई पहलू शामिल हैं) के लिए आपको सेबी-पंजीकृत निवेश सलाहकार से संपर्क करना जरूरी है। एएमएफआई ने सोशल मीडिया पर म्यूचुअल फंड से जुड़ी जानकारी देने वाले डिस्ट्रीब्यूटरों के लिए भी सख्त नियम बनाए हैं। वे बिना निवेशक की व्यक्तिगत जरूरत और जोखिम को समझे किसी खास स्कीम की सीधी सिफारिश नहीं कर सकते और न ही भविष्य के रिटर्न का अनुमान लगाकर दावा कर सकते हैं। साथ ही, उन्हें अपनी पहचान और एएमएफआई पंजीकरण नंबर (एआरएन) स्पष्ट रूप से बताना अनिवार्य है।

एससी ने राज्यों के अतिरिक्त बिक्री कर लगाने के अधिकार को बरकरार रखा

सात-न्यायाधीशों की पीठ ने 1974 के संविधान पीठ के फैसले को प्रभावी बताया

नई दिल्ली ।

उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि राज्यों के पास बिक्री कर के प्रतिशत के आधार पर अतिरिक्त बिक्री कर या अधिभार लगाने का अधिकार अब भी वैध है। न्यायालय ने 1974 के संविधान पीठ के फैसले को प्रभावी बताया और कहा कि जीएसटी लागू होने से करीब 27 साल पहले भेजे गए कानूनी सवाल पर अब निर्णय देना अनावश्यक है, क्योंकि यह अकादमिक हो चुका है। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली सात-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से कहा कि करीब 27 साल पुराने कानूनी सवाल पर अब निर्णय की आवश्यकता नहीं है। पीठ ने इसका कारण बताते हुए कहा कि चुनौतीग्रस्त वैधानिक प्रावधानों में बदलाव और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के चलते यह सवाल अब अकादमिक हो चुका है व इसका कोई व्यावहारिक महत्व नहीं रहा। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि एस. कोदार बनाम केरल राज्य (1974) मामले में पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ का फैसला अब भी प्रभावी है। उस फैसले में अधिभार को बिक्री कर की दर में वृद्धि माना गया था, जो संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची-2 की प्रविष्टि 54 (वस्तुओं की बिक्री या खरीद पर कर) के तहत आता है, न कि आय पर कर (सूची-1 की प्रविष्टि 82) के तहत। यह संदर्भ ओडिशा बिक्री कर अधिनियम, 1947 की धारा 5ए को चुनौती दिए जाने से उठा था।

रोज की भागदौड़ छोड़िए और जाइए घूमने

अगर आप लंबे समय से घूमने का प्लान बना रहे हैं, लेकिन काम की वजह से समय नहीं मिल पा रहा है। तो आप इस वीकेंड घूमने का प्लान बना सकते हैं। ऐसे में आप वीकेंड पर न सिर्फ रिलैक्स कर सकते हैं, बल्कि आप अपने परिवार के साथ नई जगहों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको वीकेंड ट्रिप पर घूमने के लिए यहां कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपनी फैमिली, दोस्तों और पार्टनर के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं।

मथुरा-वृंदावन

आप इस वीकेंड कान्हा की नगरी मथुरा-वृंदावन जा सकते हैं। आप मथुरा में कृष्ण कारागार और फिर अगले दिन वृंदावन और बरसाना घूम सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर प्रेम मंदिर, निधिवन, बांके बिहारी मंदिर और राधा रमण मंदिर घूमने जा सकते हैं।

अमृतसर

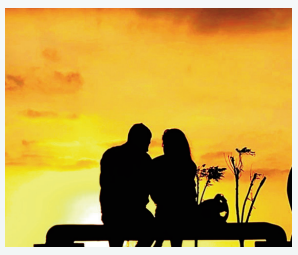
आप वीकेंड पर फैमिली के साथ जलियांवाला बाग घूमने जा सकते हैं। यहां पर पहुंचने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा 12 किमी दूर अमृतसर एयरपोर्ट है। वहीं अमृतसर जंक्शन रेलवे स्टेशन से करीब 2 किमी दूर जलियांवाला बाग है। जहां पर आप रिक्शा, ऑटो या फिर पैदल भी जा सकते हैं। जलियांवाला बाग से स्वर्ण मंदिर की दूरी 500 किमी है।

ऋषिकेश

उत्तराखंड का ऋषिकेश वीकेंड ट्रिप के लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है। यहां पर आपको आध्यात्मिक और एडवेंचर अनुभव का मेल मिलेगा। आप गंगा किनारे शांत माहौल में सुकून के पल बिता सकते हैं। इसके अलावा ऋषिकेश में रिवर राफ्टिंग और कैंपिंग का लुत्फ भी उठा सकते हैं।

उदयपुर

बता दें कि राजस्थान का उदयपुर खूबसूरत झीलों का शहर है। यह रोमांटिक और फैमिली ट्रिप के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है। वैसे तो उदयपुर में कई घूमने वाली जगहे हैं, जैसे आप पिछोला झील, सिटी पैलेस, बागोर की हवेली और जगदीश मंदिर आदि एक्सप्लोर कर सकते हैं। साथ ही राजस्थान में यहां के लजीज व्यंजनों का स्वाद चख सकते हैं।





घुमक्कड़ लोग घूमने के इतने शौकीन होते हैं कि कई बार वे अकेले ही निकल जाते हैं। ऐसे में सोलो ट्रिप की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। अकेले यात्रा करना खुद के साथ समय बिताने, नए लोगों से मिलने और अनोखे अनुभवों का आनंद लेने का एक शानदार तरीका है। जब बाता आती है महिलाओं के लिए, अब भारत भर में कई ऐसे स्थान हैं जो सुंदर और सुरक्षित दोनों हैं। इन स्थानों पर महिलाएं जरुर जाएं।

भारत में सोलो ट्रिप के लिए बेहद शानदार जगहें

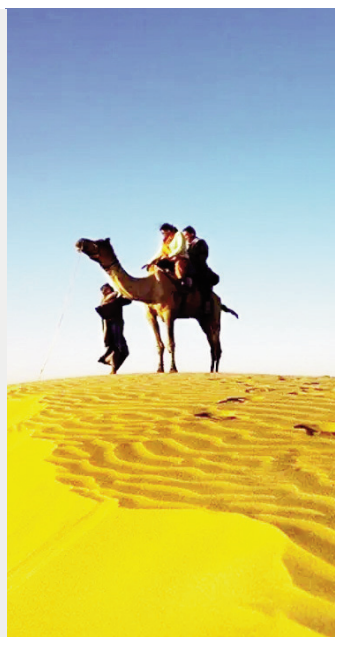
ऋषिकेश, उत्तराखंड



सोलो ट्रिप के लिए महिलाओं के लिए ऋषिकेश सबसे बेस्ट जगह है। अपनी आध्यात्मिकता, योग केंद्रों और गंगा आरती के लिए प्रसिद्ध है ऋषिकेश। यहां पर आपको शांत वातावरण के साथ-साथ रिवर राफ्टिंग, बंजी जंपिंग और ट्रैकिंग जैसी रोमांचक एडवेंचर एक्टिवी का आनंद भी ले सकते हैं। यहां रहने की व्यवस्था बजट-अनुकूल हॉस्टल से लेकर होटल तक उपलब्ध है। महिलाएं सुरक्षित रूप से गंगा के तटों की सैर कर सकती हैं और ध्यान व योग का आनंद ले सकती हैं।

जैसलमेर, राजस्थान

सोलो ट्रिप को खास बनाने के लिए आप राजस्थान के जैसलमेर में जरुर जाएं। गोल्डन सिटी जैसलमेर में रेगिस्तान देखना एक जादुई जगह जैसा लगता है। यहां पर आपको ऐतिहासिक किला, हवेलियां और थार रेगिस्तान में ऊंट सफ़ारी वाकई एक अनोखा अनुभव प्रदान करती हैं। स्थानीय संस्कृति, टेस्टी राजस्थानी व्यंजन और गर्मजोशी भरा आतिथ्य हर यात्री को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहां पर कड़ी सुरक्षा देखने को मिलती है ऐसे में महिलाएं यहां पर आराम से अकेले भी घूम सकती हैं।



अलेप्पी, केरल

अगर आपको पानी के किनारे समय बिताना पसंद है, तो केरल का अलेप्पी आपके लिए एकदम सही जगह है। शांत बैकवाटर्स के किनारे हाउसबोट की सवारी और हरे-भरे नारियल के बागों के बीच एक सुकून भरा माहौल है। अकेले घूमने वाले लोग इस शांत वातावरण में सुकून के पल बिता सकते हैं और केरल के असली व्यंजनों का स्वाद ले सकते हैं। यहां का स्थानीय पर्यटन उद्योग महिलाओं की सुरक्षा पर बहुत जोर देता है।

धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश

धर्मशाला और पास का मैक्लोडगंज माउंटेन लवर के लिए एकदम सही जगह है। यहां पर आपको तिब्बती संस्कृति, खूबसूरत मठ और आरामदायक कैफे यादगार सोलो ट्रिप का अनुभव प्रदान करेंगे। यहां पर आ ट्रेकिंग और प्रकृति की सैर कर सकते हैं। धर्मशाला के स्थानीय लोग मिलनसार और सुरक्षित वातावरण के कारण महिलाएं अंधेरे के बाद भी आजादी से घूम सकती हैं।

पुडुचेरी

अपनी फ्रांसीसी औपनिवेशिक वास्तुकला, समुद्र तटों और कलरफुल गलियों के लिए प्रसिद्ध है पुडुचेरी। सोलो ट्रिप करने वाली महिलाओं के लिए यह एक बेहतरीन जगह है। यहां के कैफ़े, ऑरोविले आश्रम और योग केंद्र एक ताजा और आरामदायक अनुभव प्रदान करेगा। शांत और सुरक्षित वातावरण में, महिलाएं पूरी तरह से निश्चिंत होकर अपनी यात्रा का आनंद ले सकती हैं।





मनाली के पास 100 किमी में छुपे ये 3 हिल स्टेशन, जहां मिलेगा अद्भुत सुकून और शांति

जब भी लोग पहाड़ी जगहों पर घूमने जाने का प्लान करते हैं, तो वह आसपास की सभी जगहों को एक्सप्लोर करने का प्लान करते हैं। कई बार लोग ऐसी लोकेशन के बारे में सर्च करते हैं, जो आपकी लोकेशन के पास भी हो और साथ ही खूबसूरत भी हो। वहीं अपने शहर से दूर घूमने गए लोग हमेशा पूरी प्लानिंग करने के बाद जाते हैं। क्योंकि लंबे ट्रिप पर निकले लोग आसपास की जगहों को भी एक्सप्लोर करते हैं। ऐसे में अगर आप भी मनाली के आसपास 100 किमी के अंदर अच्छी जगहें ढूंढ रहे हैं, जहां पर जाने में अधिक समय नहीं लगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मनाली से 100 किमी की दूरी पर स्थित कुछ हिल स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं।

मणिकर्ण

बता दें कि मनाली से मणिकर्ण की दूरी करीब 100 किमी के अंदर है। आप यहां पर 2ः30 से 03ः00 घंटे में पहुंच जाएंगे। मनाली घूमने गए लोगों को आसपास की जगहों को कवर करना चाहिए। इससे न तो ज्यादा खर्च आएगा और न ही आपको लोकेशन तक पहुंचने पर अधिक समय लगेगा। मनाली से मणिकर्ण की दूरी करीब 79 किमी दूर है। आप मणिकर्ण पहुंचकर कसोल भी जा सकते हैं। कसोल और मणिकर्ण की बीच की दूरी करीब 20 मिनट की है।

कसोल

मनाली घूमने वाले लोगों को कसोल भी आना चाहिए। क्योंकि यह जगह मनाली से 100 किमी से भी कम दूरी पर स्थित है। अगर आपको ट्रैफिक नहीं मिलेगा, तो आपको यहां पहुंचने में करीब 2 घंटे का समय लगेगा। मनाली से कसोल की दूरी करीब 75 किमी है। बता दें कि कसोल और कसोली 2 अलग-अलग जगहें हैं। जिसमें कसोल ऊंचाई पर स्थित है और यह एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह जगह अपनी सुकून और शांति के लिए जाना जाता है।

रोहतांग पास

मनाली के पास सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली जगह रोहतांग पास है। मनाली घूमने जाने वाले लोग रोहतांग पास घूमने जरूर जाते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि मनाली से अधिक दूर नहीं है। इसलिए लोगों को यहां पर पहुंचने में ज्यादा परेशानी नहीं होती है। मनाली से रोहतांग पास की दूरी करीब 50 किमी है। आप यहां पर 2 घंटे में आसानी से पहुंच जाते हैं और यहां पहुंचने में अधिक खर्च नहीं आने वाला है। ऐसे में अगर आप भी मनाली घूमने जा रहे हैं, तो यहां आसपास मौजूद इन हिल स्टेशन को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

आ रही हैं सर्दियां... टॉप 5 डेस्टिनेशन पर जा सकते हैं घूमने, ठंड के मौसम में चमक उठती हैं ये जगहें

अगर आपने अपने परिवार के साथ लंबे समय से कोई ट्रिप प्लान नहीं किया है, तो आप भारत की उन जगहों पर जा सकते हैं, जहां ठंड के मौसम में मजा दो गुना हो जाता है। यही नहीं ये जगह ज्यादा महंगी भी नहीं है।



फेस्टिव सीजन और ठंड दोनों ही आ रहे हैं, ऐसे में कई बच्चों को विंटर वेकेशन भी मिलेगी, तो घूमने का प्लान बनाया जा सकता है। आपको बता दें, भारत में कई ऐसी जगहें हैं, जहां ठंड में घूमने का मजा कुछ और ही होता है। अगर आप भी लंबे समय से कहीं नहीं घूमें हैं, तो आज हम आपको कुछ जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां आप अपने परिवार के साथ एक प्यारा से ट्रिप कर सकते हैं। बजट के मामले में ये जगहें ज्यादा महंगी नहीं है। आइए जानते हैं, इन डेस्टिनेशन के बारे में।

शिमला, हिमाचल प्रदेश

शिमला एक फेमस हिल स्टेशन है जहां अक्टूबर महीने से ही सर्दी का अनुभव होना शुरू हो जाता है। इस समय के दौरान, टूरिस्ट शिमला के मॉल रोड पर इत्मीनान से सैर करने का आनंद ले सकते हैं, यही नहीं यहां के फेमस क्राइस्ट चर्च ; द स्केंडल पॉइंट घूम सकते हैं। सर्दियों के मौसम में शिमला आपको सफेद चादर से ढका हुआ मिलेगा। शिमला में घूमने की काफी जगहें हैं। कुफरी जाकर आप अपने परिवार से साथ कई विंटर एक्टिविटी में हिस्सा ले सकते हैं।

मनाली, हिमाचल प्रदेश

दिल्ली, चंडीगढ़, को लोग सर्दी हो या गर्मी मनाली को हमेशा टॉप डेस्टिनेशन की लिस्ट में रखते हैं। सर्दियों में मनाली देखने लायक है। यहां की कड़कड़ाती ठंड और मॉल रोड की गर्मागर्म चाय के सामने हर सुकून फेल है।यहां आप हिडिम्बा मंदिर, वशिष्ठ कुण्ड,मणिकरण, रोहतांग पास, ओल्ड मनाली समेत कई टूरिस्ट पॉइंट देख सकते हैं। शॉपिंग के लिए भी ये जगह बेस्ट है। यहां ऊनी कपड़े, हस्तशिल्प, बर्तन, घर की सजावट की वस्तुएं खरीद सकते हैं। इसी के साथ यहां आप दोनों पैराग्लाइडिंग भी कर सकते हैं।

दार्जिलिंग, वेस्ट बंगाल

दार्जिलिंग एक ऐसा ट्रैवल डेस्टिनेशन है, जहां आपको किसी भी मौसम में जाओ ये जगह आपको कभी निराश नहीं करेगी, अगर आप सर्दियों के मौसम में जा रहे हैं, तो खिलती हुई धूप जब हरे-भरे चाय बागानों पर पड़ती है, तो नजारा देखने लायक होता है। यही नहीं, यहां पर आकर आप टॉय ट्रेन, टाइगर हिल्स, तासिया लूप, जापानी मंदिर और रॉक गार्डन जैसे प्लेस देख सकेंगे।इसी के साथ आप यहां सबसे बेस्ट सनराइज का मजा ले सकते हैं। बता दें, अगर आप बच्चों के साथ यहां ट्रैवल कर रहे हैं, तो जलपाईगुड़ी से दार्जिलिंग तक टॉय ट्रेन का सफर करवाना न भूलें। देशभर से टूरिस्ट टॉय ट्रेन का सफर का मजा लेने आते हैं।



औली, उत्तराखंड

उत्तराखंड में कई हिल स्टेशन है, वहीं टूरिस्ट औली हिल स्टेशन आना काफी पसंद करते हैं। बता दें, अक्टूबर- नवंबर में यहां बर्फबारी शुरू हो जाती है। स्नोफॉल एंजॉय करने के लिए ये जगह बेस्ट है। स्कीइंग और बर्फ से संबंधित एक्टिविटी के लिए औली जाना बेस्ट ऑप्शन रहेगा।

काजा

स्पीति घाटी में स्थित काजा एक ऐसा टूरिस्ट प्लेस है, जहां ज्यादातर टूरिस्ट सर्दियों में आना पसंद करते हैं। जैसे- जैसे यहां तापमान गिरता जाता है, पूरा काजा शहर बर्फ की खूबसूरत चादर से ढक जाता है। इसी के साथ यहां आकर आप मोनेस्ट्री और किब्बर जैसे प्राचीन मठों पर घूम सकते हैं।

आईसीसी रैंकिंगः टेस्ट में स्टार्क फिर बने नंबर-1, टी20 में अय्यर 7वें पायदान पर पहुंचे

दुबई, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद, ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने आईसीसी टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में फिर से टॉप स्थान हासिल कर लिया है। बुधवार को जारी ताजा टी20 रैंकिंग में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर दो स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। केप टाउन में तीन मुकाबलों की सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट में नौ विकेट लेने के बाद, स्टार्क एक स्थान ऊपर चढ़कर साउथ अफ्रीका के मार्को जानसेन से आगे निकल गए। ऑस्ट्रेलिया के इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 881 की अपनी करियर-सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की और नंबर 1 की पोजीशन वापस पा ली। इससे पहले अगस्त में, भारत के जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़कर स्टार्क पहली बार रैंकिंग में टॉप पर पहुंचे थे। हालांकि, गेबेरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट में छह विकेट लेने के बाद जानसेन टॉप पर आ गए थे। केप टाउन टेस्ट में साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी केवल तीन विकेट ही ले सके, जिसका फायदा उठाते हुए स्टार्क फिर से टॉप पर पहुंच गए।

साउथ अफ्रीका के साइमन हार्मर को भी इस ताजा रैंकिंग अपडेट से काफी फायदा हुआ। न्यूलैंड्स में उन्होंने मैच जिताऊ प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में छह विकेट चटकाए, जिससे उनकी टीम को जीत और सीरीज अपने नाम करने में मदद मिली। इस प्रदर्शन के दम पर यह ऑफ-स्पिनर नौ स्थान की छलांग लगाकर सातवें नंबर पर पहुंच गया है। अब वह अपने साथी खिलाड़ी कगिसो रबाडा से एक स्थान आगे हैं।



टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में टॉप स्थान गंवाने के बावजूद, जानसेन ने टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। तीसरे टेस्ट में अर्धशतक लगाने के बाद उन्होंने अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की। ??इस सूची में वियान मुल्डर एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं, जबकि हार्मर तीन स्थान की छलांग लगाकर पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में एडेन मार्करम एक स्थान ऊपर चढ़कर 11वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि मुल्डर सात स्थान की बढ़त के साथ 17वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों में रयान रिकेल्टन ने सबसे बड़ी छलांग लगाई है; वह 25 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं और उन्होंने अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग भी हासिल की है।

ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन और एलेक्स कैरी ने भी अपनी स्थिति में सुधार किया है। वे क्रमशः तीन और दो स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर आ गए हैं। मीरपुर में खेले गए पहले टेस्ट मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अपनी टीम की आठ विकेट से जीत के बाद, वेस्टइंडीज के बल्लेबाज जस्टिन ग्रीव्स 12 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 38वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों जोमेल वारिकन और रोस्टन चेस ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। वारिकन टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में 30वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि रोस्टन चेस ऑलराउंडरों की सूची में संयुक्त रूप से 23वें स्थान पर आ गए हैं। इस बीच, पाकिस्तान में खेली गई ट्राई-सीरीज के समापन के बाद, पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी और हारिस रऊफ ने वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में अच्छी प्रगति की है। अफरीदी एक स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि रऊफ पांच स्थान की बढ़त के साथ 24वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

पाकिस्तानी ओपनर फखर जमां वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में नौ स्थान ऊपर चढ़कर 37वें नंबर पर आ गए हैं। इंग्लैंड के बेन डकेट एक स्थान के सुधार के साथ छठे नंबर पर पहुंचे, जबकि श्रीलंका के पवन रत्नायके ने 20 स्थानों की शानदार छलांग लगाई है और वे 16वें नंबर पर आ गए हैं। टी20 रैंकिंग में, न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की सीरीज जीत के बाद श्रेयस अय्यर बल्लेबाजी सूची में सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स भी 13 स्थान ऊपर चढ़कर टी20 बल्लेबाजों की सूची में 24वें नंबर पर आ गए हैं। टी20 गेंदबाजों में, न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर दो स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि उनके साथी खिलाड़ी जैकब डफी ने 23 स्थानों की बड़ी छलांग लगाई है और वे 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तानी ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने भी अपनी स्थिति बेहतर की है। यूएई में जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल ही में हुई सीरीज में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का प्रदर्शन करने के बाद, वे टी20 ऑलराउंडरों की रैंकिंग में तीन स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं।

किंग कोहली की ऐतिहासिक उपलब्धि

वनडे में एक और बड़े रिकॉर्ड पर किया कब्जा

ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच में खेली जा रही 5 मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली अपने बल्ले के दम पर एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम करने में कामयाब रहे हैं। ऑकलैंड के ईडन पार्क के भारत और न्यूजीलैंड की टीम के बीच में पहला मुकाबला खेला जा रहा है, जिसमें कीवी टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 185 रनों का स्कोर बनाकर सिमट गई जिसके बाद टारगेट का पीछा करते हुए टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले ही ओवर में एक के स्कोर पर रोहित शर्मा आउट हो गए, जिसके बाद नंबर-3 की पोजीशन पर बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरे विराट कोहली ने अपनी पारी का 12वां रन पूरा करने के साथ नंबर-3 की पोजीशन पर 13000 रनों का आंकड़ा पूरा करने वाले वनडे में पहले बल्लेबाज बन गए हैं।



कोहली ने फील्डिंग में भी दिखाया था कमाल

न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड वनडे मैच में विराट कोहली का फील्डिंग में शानदार अंदाज देखने को मिला जब उन्होंने नेथन स्मिथ का अंशुल कंबोज की गेंद पर दूसरी स्लिप पर शानदार कैच पकड़ा था। इस कैच को पकड़ने के बाद जहां कोहली भी काफी जोश में नजर आए तो टीम इंडिया के बाकी खिलाड़ियों के चेहरे पर भी खुशी देखने को मिली थी।

वनडे में नंबर-3 की पोजीशन पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

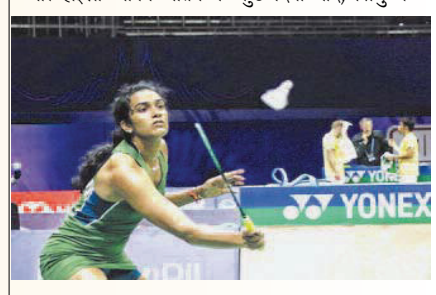
विराट कोहली (भारत) - 13005 रन*
रिकी पोंटिंग (ऑस्ट्रेलिया) - 12662 रन
कुमार संगकारा (श्रीलंका) - 9747 रन
जैक कैलिस (साउथ अफ्रीका) - 7774 रन
केन विलियमसन (न्यूजीलैंड) - 6504 रन.

कोहली ने सचिन के बाद ऐसा करने वाले बने पहले खिलाड़ी

विराट कोहली वनडे क्रिकेट इतिहास में किसी एक बैटिंग पोजीशन पर बल्लेबाजी करते हुए सचिन तेंदुलकर के बाद पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जो 13000 या उससे अधिक रन बनाने में कामयाब हो सके। कोहली ने वनडे फॉर्मेट में नंबर-3 की पोजीशन पर अब तक 254 मैचों की 251 पारियों में बल्लेबाजी की है जिसमें वह 61 के औसत से 13000 से अधिक रन बनाने में कामयाब हो सके। वहीं वनडे में कोहली के अलावा रिकी पोंटिंग सिर्फ दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जो नंबर-3 की पोजीशन पर 10000 या उससे अधिक रन बनाने में कामयाब हो सके हैं। विराट कोहली के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में अभी कई और कीर्तिमान अपने नाम करने का शानदार मौका रहने वाला है।

'मैं अब युवा नहीं रही, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिया ब्रेक': पीवी सिंधु

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। सिंधु इस टूर्नामेंट के लिए ही ब्रेक लिया था। जापान ओपन सुपर 750 और जर्मनी में हाइलो ओपन में जीत हासिल करने के बाद पीवी सिंधु का आत्मविश्वास बढ़ा है। 2022 के बाद यह पहला सीजन है जिसमें सिंधु ने कई बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल जीते हैं। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ने सारब्रुकेन में टूर्नामेंट से पहले फ्रेंच ओपन का फाइनल भी खेला था, लेकिन वह दुनिया की नंबर 1 और पेरिस 2024 चैंपियन कोरिया की एन से-यंग से हार गई थीं। हाइलो ओपन जीतने के कुछ दिनों बाद, सिंधु ने



कोरिया ओपन और जापान मास्टर्स छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि उनका शुरुआती प्लान सभी टूर्नामेंट खेलने का था, लेकिन बाद में उन्होंने अपने शरीर की सुनने और दिसंबर में होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिए आराम करने और फिट होने का फैसला किया। बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित मीडिया बातचीत के दौरानएक सवाल पर सिंधु ने कहा, 'लंबा टूर खेलने के बाद, मैंने सोचा था कि मैं कोरिया ओपन और उसके बाद के टूर्नामेंट नहीं खेल पाऊंगी, लेकिन मेरे लिए वापस आकर आराम करना भी जरूरी था। मेरे लिए अपने शरीर का ध्यान रखना और अगले टूर्नामेंट के लिए फिट होना जरूरी था। यही प्लान था। मुझे लगता है कि मेरे लिए यह फैसला लेना जरूरी था कि मैं नहीं खेलूंगी। मुझे अपने शरीर का ध्यान रखना है और कोर्ट पर फिर से मजबूती से वापस आना है। ' सिंधु ने कहा, 'मैं अब जवान नहीं रही, लेकिन मैंने यह भी कहा कि 31 अब नया 21 है, इसलिए मुझे अपने शरीर का ध्यान रखना है। '

नया 3म15 स्कोरिंग सिस्टम 4 जनवरी, 2027 से लागू होगा। सिंधु ने यह भी बताया कि क्या यह गेम को बदल देगा और क्या उनका गेम नए पॉइंट सिस्टम के हिसाब से सही होगा। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को शुरू से ही चौकन्ना रहने और आसान पॉइंट न गंवाने के लिए अलर्ट रहने की जरूरत है। सिंधु ने कहा, '15 पॉइंट्स ऐसी चीज है जिस पर हर किसी को जरूर काम करना चाहिए, और हम इतने सालों से 21 पॉइंट्स पर खेल रहे हैं। इसलिए, हमने यह पक्का किया कि हम उस स्कोरिंग के लिए भी ट्रेनिंग और अभ्यास करें। हर किसी के लिए यह अलग होगा, इसलिए शुरू से ही अलर्ट रहना भी जरूरी है। ' उन्होंने आगे कहा, 'यह जरूरी है कि आप शुरू से ही अलर्ट रहें। यह भी जरूरी है कि जब तक आपको पता चले कि आधा गेम खत्म हो गया है, तब तक आप कोई और आसान पॉइंट न दे सकें।

बर्थडे स्पेशलः विराट कोहली के 38वें जन्मदिन पर जानें उनके शरीर पर बने 13 'टैटू' का राज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली आज 38 साल के हो जाएंगे। क्रिकेट विराट के जीवन का पहला प्यार है। इस खेल में खुद को सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए उन्होंने पूर्ण समर्पण के साथ कड़ी मेहनत की है और ये सिलसिला अब भी जारी है। क्रिकेट के अलावा विराट को टैटू बेहद पसंद है।

विराट कोहली टैटू के बहुत बड़े फैन हैं। इसका सबूत उनके शरीर पर बने टैटू की संख्या देती है। विराट ने अपने पूरे शरीर के अलग-अलग हिस्सों में 13 टैटू बनाए हैं जिनका अलग-अलग अर्थ है।

1. विराट ने अपने बाएं ट्राइसेप 'ओम का निशान' बनवाया है। ये टैटू आध्यात्मिकता और उस यूनिवर्सल आवाज को दिखाता है जो ब्रह्मांड में हमेशा एक जैसी रहती है।
2. कोहली ने अपने बाएं कंधे पर एक मॉनेस्ट्री की तस्वीर बनवाई है। मठ एक इमारत या इमारतों का ग्रुप होता है जहां एक धार्मिक समुदाय, ज्यादातर साधु समाज से दूर रहते हुए साधना करते हैं।
3. पूर्व कप्तान की राशि स्कॉर्पियो है। इस वजह से दाहिने हाथ के ऊपरी हिस्से में उन्होंने स्कॉर्पियो का निशान बनवाया है। स्कॉर्पियो राशि वाले बहुत ज्यादा पैशन, इंटेंसिटी और समर्पण दिखाने के लिए जाने जाते हैं। कोहली में ये सारी खूबियां दिखती हैं।
4. कोहली ने अपने बाएं हाथ पर 269 का टैटू बनवाया है। यह उनका टेस्ट कैप नंबर है।
5. विराट का वनडे कैप नंबर 175 है। उन्होंने अपने बाएं हाथ पर इस नंबर का भी टैटू बनवाया है।
6. 'किंग' के नाम से मशहूर कोहली ने अपने बाएं हाथ पर पिता प्रेम कोहली और माता सरोज कोहली के नाम का टैटू बनवाया है।
7. कोहली के बाएं ऊपरी हाथ पर एक खास जापानी समुराई टैटू है, जो पारंपरिक बुशिडो कोड ऑफ डिसिप्लिन और ऑनर से प्रेरित है। विराट खुद ताकत, अनुशासन और आत्मनियंत्रण की मिसाल हैं, ये गुण समुराई टैटू डिजाइन से जुड़े हैं।
8. विराट के बाएं कंधे पर जापानी समुराई टैटू के ठीक ऊपर एक दिव्य आंख का टैटू भी है। 'गॉड्स आई' टैटू उनके इस विश्वास को दिखाता है कि उनके हर काम पर नजर रखी जा रही है। इससे वह अपने फैसलों के लिए जिम्मेदार रहते हैं।
9. पियोनी टैटू विराट कोहली के बाएं कंधे पर बने आर्टवर्क का हिस्सा है। इस फूल का एशिया में, खासकर चीनी परंपरा में, बहुत गहरा सांस्कृतिक महत्व है, जहां इसे अक्सर धन, खुशहाली, सम्मान और ऊंचे सामाजिक स्तर से जोड़ा जाता है।
10. विराट के दाएं फोरआर्म पर मेटाट्रॉन क्यूब, एक क्यूबिक पैटर्न और आध्यात्मिक सिंबल का एक रूप है।
11. कोहली के बाएं हाथ पर कैलाश पर्वत पर ध्यान करते हुए भगवान शिव की एक तस्वीर है। उसके बैकग्राउंड में मानसरोवर झील है। टैटू विराट के आध्यात्मिक जुड़ाव को दिखाता है।
12. आईपीएल 2026 के शुरू होने से पहले कोहली ने अपने बाएं हाथ पर पूरी आस्तीन का 'लोटस' टैटू बनवाया था। यह उनकी जीवन यात्रा को प्रदर्शित करता है।
13. कोहली ने अपने बाएं हाथ पर एक नया टैटू बनवाया है। इसमें एक गोल डिजाइन है जो एक बीच के पॉइंट से निकलती हुई कई घुमावदार लाइनों से बना है। इसमें पानी में एक बूंद गिरने के बाद पानी की सतह पर लहर जैसा प्रभाव दिखता है। यह डिजाइन दिखाता है कि कैसे एक छोटी सी घटना या किसी व्यक्ति के काम बहुत बड़ा असर डाल सकते हैं।

विराट का जन्म 5 नवंबर 1988 को दिल्ली में हुआ था। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 18 अगस्त 2008 को श्रीलंका के खिलाफ वनडे से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज किया था।

टेस्ट और टी20 संन्यास ले चुके विराट का अगला लक्ष्य वनडे विश्व कप 2027 में भारत को चैंपियन बनाना है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को हो रहे पहले वनडे से पहले विराट ने अपने करियर में 317 वनडे में 55 शतक और 79 अर्धशतक की बदौलत 15,109 रन बनाए हैं। वहीं, 123 टेस्ट में 30 शतक की बदौलत 9,230 रन और 125 टी20 में 1 शतक और 38 अर्धशतक की बदौलत उनके नाम 4,188 रन दर्ज हैं।

भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया

कोहली की धमाकेदार बल्लेबाजी; अर्शदीप की घातक गेंदबाजी

ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला आज ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला गया। भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। न्यूजीलैंड की पारी 185 रन पर सिमट गई। हालांकि, टारगेट रिवाइज किया गया और भारत को 32 ओवर में 143 रन बनाने थे। भारत ने यह लक्ष्य 22.5 ओवर में पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

भारत पांच विकेट से जीता

भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया है। भारत को डकवर्थ लुईस नियम के तहत जीत के लिए 32 ओवर में 143 रन का लक्ष्य मिला था। टीम इंडिया ने यह लक्ष्य 22.4 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अगला वनडे सात नवंबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की पारी 185 रन पर सिमटी थी - टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की पारी 40.2 ओवर में 185 रन पर सिमट गई।



स्कोर और भी कम होता, लेकिन आखिरी में ब्लेयर टिकनर की तूफानी पारी ने कीवियों को 180 के पार पहुंचाया। भारत को न्यूजीलैंड के शीर्षक्रम और मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने इतना परेशान नहीं किया, जितना परेशन 11वें नंबर पर आए ब्लेयर टिकनर ने किया। न्यूजीलैंड का स्कोर एक वक्त नौ विकेट पर 146 रन था। इसके बाद टिकनर ने जैकब डफी के साथ 10वें विकेट के लिए 31 गेंद में 39 रन की साझेदारी निभाई। टिकनर 23 गेंद में एक चौका और चार छक्के की मदद से 34 रन की तूफानी पारी खेलकर आखिरी विकेट के रूप में आउट हुए। उन्हें गुरनूर बराड़ ने विकेटकीपर राहुल के हाथों कैच कराया। डफी 15 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी बेहद खराब रही। इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि सिर्फ पांच बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। टिम साइफर्ट 43 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 38 रन, डेरिल मिचेल 41 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 28 रन और ग्लेन फिलिप्स 51 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा टिकनर और डफी ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। विल यंग नौ रन, हेनरी निकोल्स नौ रन, टॉम लाथम तीन रन, कप्तान मिचेल सैंटनर चार रन, नाथन स्मिथ एक रन और काइल जेमीसन एक रन बनाकर आउट हुए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने चार विकेट लिए, जबकि गुरनूर बराड़ को तीन विकेट मिले। अंशुल कंबोज को दो विकेट मिले।

भारत ने 22.4 ओवर में हासिल किया लक्ष्य - जवाब में भारत की शुरुआत भी खराब रही। रोहित शर्मा खाता खोले बिना आउट हो गए। फिर शुभमन गिल और विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की। इस बीच मैच को दो बार बारिश के कारण रोकना पड़ा। पहली बार 10.5 ओवर के बाद मैच रोका गया। हालांकि, बारिश रुकी और मैच 40 ओवर का कर दिया गया। संशोधित लक्ष्य 167 रन का किया गया। हालांकि, कुछ गेंदों के बाद फिर बारिश शुरू हो गई और मैच रोकना पड़ा। बारिश जब रुकी तो एक बार फिर लक्ष्य को संशोधित किया गया।

आईपीएल 2027:

13 करोड़ के सनराइजर्स के इस ऑलराउंडर को शामिल करने की तैयारी में चेन्नई?

चेन्नई, एजेंसी। आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स की नजर सनराइजर्स हैदराबाद के 13 करोड़ रुपये के खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन पर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक अन्य फ्रेंचाइजी ने भी दिलचस्पी दिखाई है, लेकिन सनराइजर्स ने अभी फैसला नहीं लिया है। दूसरी ओर, हार्दिक पांड्या की ट्रेड रेस में पंजाब किंग्स आगे बताई जा रही है। आईपीएल 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले खिलाड़ियों की ट्रेडिंग को लेकर हलचल तेज हो गई है। हार्दिक पांड्या के मुंबई इंडियंस छोड़ने की चर्चाओं के बीच अब चेन्नई सुपर किंग्स की नजर सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, चेन्नई की टीम इंग्लैंड के इस खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ने के विकल्प तलाश रही है। हालांकि,



सनराइजर्स हैदराबाद ने अभी तक इस मामले में कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चेन्नई सुपर किंग्स लियाम लिविंगस्टोन को अपनी टीम में शामिल करने की संभावनाएं तलाश रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि उत्तर भारत की एक अन्य फ्रेंचाइजी ने भी इस खिलाड़ी में दिलचस्पी दिखाई है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 से पहले हुई नीलामी में लिविंगस्टोन को 13 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने पूरे सीजन में केवल दो मुकाबले खेले और 15 रन बनाए। खराब फॉर्म के कारण उन्हें बाकी सीजन में प्लेइंग-11 और इम्पैक्ट प्लेयर के विकल्प में भी जगह नहीं मिली।



फिल्म इंडस्ट्री कोई परिवार नहीं, ये भ्रम है

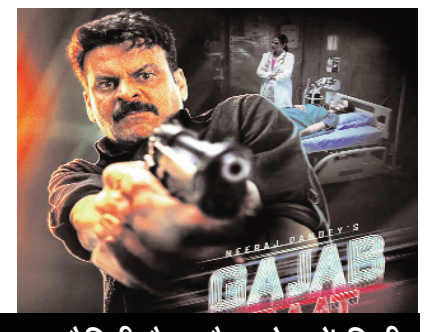
मनोज बाजपेयी इन दिनों बॉलीवुड से कुछ ज्यादा ही नाराज चल रहे हैं। चार बार नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीत चुके मनोज की पिछली दो फिल्में 'लास्ट मैन इन टावर' और 'गर्वनर' बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई हैं। इन दिनों वह नेटफ्लिक्स पर रिलीज अपनी फिल्म 'गजब रात' को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि, इस फिल्म को भी बहुत अच्छे रिव्यूज नहीं मिले हैं। इस बीच 57 साल के एक्टर ने फिल्म इंडस्ट्री को 'एक बड़ा परिवार' मानने वाली आम धारणा को चुनौती दी है। 'गजब रात' के प्रमोशन के दौरान मनोज बाजपेयी ने कहा कि 'यह इंडस्ट्री बकवास है' और यहां किसी को किसी की कोई कद्र नहीं है।

बातचीत में मनोज बाजपेयी ने कहा, 'अगर आप मुझे एक उदाहरण मानना चाहें, तो मैं एक उदाहरण हूं। मैं फिल्म इंडस्ट्री से हूं, फिर भी मुझे नहीं लगता कि मैं इसका हिस्सा हूं। जरूरी नहीं कि आप बांद्रा से ही हों। आप मलाड में रहकर भी एक्टिंग कर सकते हैं। अहम बात यह है कि आप जो भी करें, वह अच्छा हो। बाकी बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता। असल में कोई 'परिवार' या 'बिरादरी' जैसी चीज नहीं होती। सबसे बड़ा भ्रम यही है कि यह इंडस्ट्री एक परिवार है। यह किसी परिवार की तरह नहीं है। सबके ऑफिस अलग-अलग हैं, कोई किसी के साथ पार्टी नहीं करता और अगर किसी को किसी की फिल्म पसंद आ जाए, तो भी कोई फोन करके तारीफ नहीं करता।'

मनोज बाजपेयी ने दो टूक कहा कि इंडस्ट्री में कोई भी एक्टर किसी दूसरे की सफलता देखकर खुश नहीं होता। कोई भी डायरेक्टर खुद को दूसरे निर्देशक से कम नहीं समझता। कोई भी प्रोडक्शन हाउस किसी दूसरे प्रोडक्शन हाउस को ज्यादा पैसे कमाते देखकर खुश नहीं होता। इसलिए, इन सब बातों को अपने दिमाग से निकाल देना चाहिए।

साल 2024 में ओटीटी पर रिलीज 'गुलमोहर' के लिए नेशनल अवॉर्ड पाने वाले मनोज बाजपेयी कहते हैं, 'आप अकेले आए हैं और जब आप जाएंगे, तब भी अकेले ही जाएंगे। वैसे, इस तरह की सलाह देने के लिए मैं शायद सही इंसान नहीं हूं। मैं आपको पहले ही यह डिस्क्लेमर दे देता हूं, क्योंकि मैं किसी को भी इस तरह से नहीं मानता। मैं अपना काम करता हूं, अपने पैसे लेता हूं और घर वापस आ जाता हूं।'

राज एंड डीके की सीरीज 'द फैमिली मैन' फेम एक्टर ने आगे काम के प्रति अनुशासन के महत्व पर जोर दिया। कहा कि अनुशासन लोगों को उनके करियर में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार रहने में मदद करता है। लेकिन साथ ही कहते हैं, 'ऐसे कई अभिनेता हैं जो अनुशासित नहीं हैं, फिर भी उनकी तारीफ होती है और वे अच्छा पैसा भी कमाते हैं। मैं किसी और की बात नहीं कर रहा हूं। मैं अपनी बात कर रहा हूं, मुझे अनुशासित रहना पसंद है।



अब सेट पर बात नहीं करते एक्टर्स, सब वैनिटी वैन और फोन में बिजी

जब मनोज बाजपेयी से पूछा गया कि उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा क्या नापसंद है, तो उन्होंने सेट पर होने वाले असमान व्यवहार का जिक्र किया। पुराने दौर को याद करते हुए कहा कि उस जमाने में एक्टर्स शूटिंग के बीच एक-दूसरे के साथ समय बिताते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया और वैनिटी वैन में रहते हैं। वह कहते हैं, 'मैं बहुत परेशान रहने वाला इंसान हूं। कई चीजों को लेकर मेरे मन में काफी उलझनें और बेचैनी रहती है। पहली बात, हर सेट पर बराबरी होनी चाहिए। सबको एक जैसा खाना मिलना चाहिए। दूसरी बात, कलाकारों को एक-दूसरे के साथ बैठकर बातचीत करनी चाहिए। पहले के समय में, कलाकार साथ बैठकर बातें करते थे। अगर उनका शेड्यूल इजाजत देता, तो वे शाम को भी मिलते थे, खूब गपशप करते थे और मजे करते थे। लेकिन अब, हर कलाकार अपनी वैन में चला जाता है और बस सोशल मीडिया पर लगा रहता है।'



ऑस्कर की रेस में भारतीय फिल्म का साथ देंगी प्रियंका चोपड़ा, 'वी वर हीअर' का थामा हाथ

फिल्ममेकर प्रणव भसीन की फिल्म 'वी वर हीअर' को अब ऑस्कर की दौड़ के लिए तैयार किया जा रहा है। उनकी मदद के लिए अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने हाथ आगे बढ़ाया है।

प्रियंका चोपड़ा का फिल्म से क्या है कनेक्शन

प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर भारतीय सिनेमा को इंटरनेशनल लेवल पर पहचान दिलाने की दिशा में कदम बढ़ाती नजर आ रही हैं। प्रणव भसीन के निर्देशन और लेखन में बनी शॉर्ट फिल्म 'वी वर हीअर' को अब तक 80 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में दिखाया जा चुका है। फिल्म से जुड़ने को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने एक प्रेस नोट में कहा, 'यह फिल्म एक ऐसे विषय को नए और मजेदार अंदाज में पेश करती है, जो आज के समय में काफी प्रासंगिक है। एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर इससे जुड़ने का मौका मिलते ही मैंने हां कर दी। मैं इस क्रिएटिव टीम का साथ देना चाहती हूं, ताकि उनकी शानदार और अनोखी सोच को वह पहचान मिल सके जिसकी वह हकदार है।'

20 से ज्यादा अवॉर्ड जीत चुकी है फिल्म

'वी वर हीअर' ने अपने फेस्टिवल सफर में कई बड़े अवॉर्ड जीते हैं। फिल्म को साउथ बाय साउथवेस्ट फिल्म फेस्टिवल में ऑडियंस अवॉर्ड फॉर बेस्ट नैरेटिव शॉर्ट और रेडब्रेस्ट अनहिडन अवॉर्ड मिला। इसके अलावा पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल शॉर्टफेस्ट में फिल्म ने 15 मिनट से कम की बेस्ट लाइव-एक्शन शॉर्ट फिल्म और बेस्ट कॉमेडी शॉर्ट का अवॉर्ड जीता। वहीं, क्लेरमॉन्ट-फेरांड इंटरनेशनल शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल में इसे कैनाल प्लस प्राइज मिला था। इसी फिल्म फेस्टिवल में इसका वर्ल्ड प्रीमियर भी हुआ था। पाम स्प्रिंग्स में मिले अवॉर्ड की वजह से ही फिल्म ऑस्कर के लिए क्वालिफाई कर पाई।



रामायण में सीता बनने के लिए साई पल्लवी ने लिया मेडिटेशन का सहारा

अभिनेत्री साई पल्लवी जल्द ही फिल्म 'रामायण' में मां सीता के किरदार में नजर आएंगी। इस किरदार को निभाना उनके लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनने जैसा नहीं बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। साई पल्लवी ने बताया कि इस सम्मानित किरदार को पूरी गरिमा के साथ पर्दे पर उतारने के लिए उन्होंने मेडिटेशन का सहारा लिया। उनका मानना है कि यह फिल्म सिर्फ एक सिनेमाई अनुभव नहीं होगी बल्कि इतिहास का हिस्सा बनेगी, जिसे आने वाली पीढ़ियां भी देखेंगी। साई पल्लवी हाल ही में लोकप्रिय क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में पहुंचीं। यहां उन्होंने शो के होस्ट और मेगास्टार अमिताभ बच्चन के साथ बातचीत के दौरान सीता मां का किरदार निभाने की अपनी तैयारी के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस भूमिका को लेकर उनके मन में काफी सम्मान और जिम्मेदारी का भाव था। वह चाहती थीं कि इस किरदार को निभाते समय किसी तरह की बाधा न आए और वह इसे पूरी गरिमा के साथ पर्दे पर उतार सकें।

साई ने कहा, ''इस किरदार के लिए मैंने सिर्फ प्रार्थना की। मैंने भगवान से यही मांगा कि इसे निभाने के दौरान मेरे सामने जितनी भी मुश्किलें आएं, वे दूर हो जाएं। हम जो फिल्म बना रहे हैं, वह सिर्फ एक फिल्म नहीं है बल्कि इतिहास का हिस्सा भी बनेगी। आने वाली पीढ़ियां और भविष्य के लोग भी इसे देखेंगे। उस समय हममें से कोई यहां नहीं होगा लेकिन फिल्म रहेगी। इसलिए उस किरदार में गरिमा होनी चाहिए। इसी वजह से मैं इस भूमिका के लिए सिर्फ प्रार्थना कर रही थी।'' अभिनेत्री ने बताया कि सीता मां का किरदार निभाते हुए उन्होंने मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया। इससे उन्हें अपने विचारों को शांत रखने और मुश्किल परिस्थितियों में खुद को संभालने में मदद मिली।



साई ने कहा, ''असल में मेडिटेशन न करने पर मेरे मन में और ज्यादा विचार आने लगते हैं। इसलिए सीता मां का किरदार निभाते समय भी मैं ज्यादातर मेडिटेशन करती थी। इस भूमिका से मैंने सीखा कि जब भी आप किसी तनावपूर्ण स्थिति में हों, तो उस पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय उसे सिर्फ देखना और समझना चाहिए। जब भी मेरे सामने कोई मुश्किल या तनावपूर्ण स्थिति आती थी, तो मैं सोचती थी कि सीता मां ऐसी परिस्थिति में कैसे प्रतिक्रिया देतीं। मुझे लगता है कि उनके किरदार से मैंने यही सबसे बड़ी बात सीखी है।''

गौरतलब है कि फिल्म 'रामायण' का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे जबकि रवि दुबे भगवान लक्ष्मण का किरदार निभा रहे हैं। वहीं, साई पल्लवी मां सीता की भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता है। फिल्म 5 नवंबर को रिलीज होने वाली है।



रोमांटिक कॉमेडी 'पारिवारिक मनोरंजन' में पंकज त्रिपाठी के साथ नजर आएंगी अदिति राव हैदरी

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी आगामी पारिवारिक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' में अभिनेता पंकज त्रिपाठी के साथ नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि को-स्टार पंकज त्रिपाठी के साथ काम करना उनके मजेदार अनुभवों में से एक रहा। अभिनेत्री का कहना है कि पंकज त्रिपाठी का सहज ह्यूमर सीन को हल्का और मजेदार बनाने में मदद करता है। अदिति राव हैदरी ने कहा, 'पंकज जी के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करना सच में बहुत खुशी की बात थी। उनका ह्यूमर इतना सहज और नेचुरल है कि हर सीन हल्का और ज्यादा मजेदार लगने लगा।' अभिनेत्री इस फिल्म में 'हेलेन' नाम का किरदार निभा रही हैं, जो एक प्रॉपर्टी मैनेजर और हाउसकीपर के रूप में रंजन के घर आती हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने कहा, 'यह एक ऐसी फिल्म है, जिसमें हमारे दर्शकों को रोमांस, ह्यूमर और फैमिली ड्रामा देखने को मिलेगा। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसे हमारे दर्शक चाहने वालों के साथ देखना पसंद करेंगे। मुझे इस किरदार के साथ काम करने में बहुत मजा आया है। उसकी खूबियों को और वो अपने आसपास के लोगों से कैसे जुड़ती है, ये सब खोजने में।' वहीं, पंकज त्रिपाठी ने फिल्म को लेकर कहा, 'मुझे इस फिल्म में इसकी सादगी, किरदारों का असल जिंदगी से जुड़ा होना और ह्यूमर के छोटे-छोटे पल बहुत पसंद आए, जो फैमिली स्टोरीज को खास बनाते हैं। इसमें परिवार की गर्मजोशी है, थोड़ा रोमांस है और वो मजा है जो इसे त्योहारों में देखने के लिए परफेक्ट बनाता है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत अच्छा लगा और मैं चाहता हूं कि दर्शक भी अपने चाहने वालों के साथ इस फिल्म को एन्जॉय करें।' यह फिल्म एक फैमिली एंटरटेनर है, जिसमें रोमांस, ह्यूमर और फैमिली ड्रामा का तड़का है। फिल्म का मकसद त्योहारों के मौके पर दर्शकों को एक हल्की-फुल्की फिल्म देना है, जिसे वे अपने परिवार के साथ एन्जॉय कर सकें।



क्या पलक-इब्राहिम का हुआ ब्रेकअप

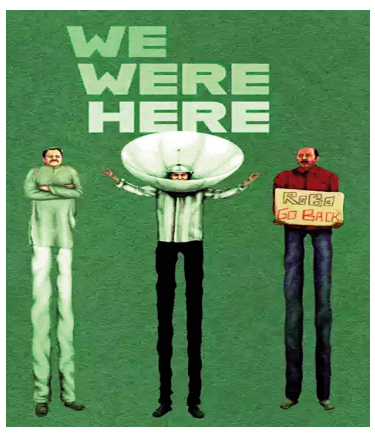
साथ करने वाले थे शूट, फिर किया रद्द

पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान अक्सर एक-दूसरे के साथ स्पॉट किए गए हैं। खबरों के मुताबिक दोनों 3 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। लेकिन अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि इस रिश्ते को खत्म करने का फैसला इब्राहिम की तरफ से लिया गया। इतना ही नहीं, दोनों के साथ होने वाले कुछ शूट भी या तो रद्द कर दिए गए हैं या फिलहाल रोक दिए गए हैं। हालांकि, अभी तक पलक और इब्राहिम में से किसी ने भी इस खबर पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। बातचीत में एक सूत्र ने बताया कि दोनों के अलग होने की असली वजह के बारे में किसी को जानकारी नहीं है। हालांकि, उनका ब्रेकअप आपसी सहमति से हुआ है। दोनों इस मामले को सार्वजनिक नहीं करना चाहते हैं। फिलहाल पलक और इब्राहिम अपना पूरा ध्यान अपने-अपने करियर पर लगाना चाहते हैं।



कैसे शुरू हुई थी पलक और इब्राहिम के अफेयर की चर्चा?

पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान के अफेयर की खबरें साल 2022 में सामने आई थीं। दोनों को पहली बार मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर साथ देखा गया था। इस दौरान पलक पैपराजी से अपना चेहरा छिपाती नजर आई थीं। इसके बाद से ही दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई थीं। समय के साथ दोनों को कई मौकों पर एक साथ देखा गया। यहां तक कि दोनों के साथ छुट्टियां मनाने की खबरें भी सामने आईं। हालांकि, पलक और इब्राहिम ने कभी भी अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया। अब दोनों के अलग होने की खबरों ने एक बार फिर उनके रिश्ते को चर्चा में ला दिया है।



सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3% की बढ़ोतरी, 8 लाख कर्मचारियों-पेंशनरों को मिलेगा लाभ

सरकार ने 363 करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ देने का किया दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों को राहत देते हुए महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने चंडीगढ़ में इसकी जानकारी दी। इस फैसले से करीब 8 लाख कर्मचारियों और पेंशनरों को लाभ मिलेगा। बढ़ोतरी के बाद कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत से बढ़कर 53 प्रतिशत हो गया है। मुख्यमंत्री के अनुसार, बढ़े हुए महंगाई भत्ते का लाभ नवंबर महीने के वेतन और दिसंबर में मिलने वाली पेंशन में शामिल किया जाएगा। इस बढ़ोतरी से कर्मचारियों और पेंशनरों को करीब 363 करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि वर्ष 2022 में जब उनकी सरकार ने सत्ता संभाली थी, उस समय कर्मचारियों को 28 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा था। इसके बाद समय-समय पर इसमें बढ़ोतरी की गई। सितंबर 2026 में सरकार ने महंगाई भत्ते में 8 प्रतिशत की वृद्धि की थी, जिससे यह 42 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया था। अब एक बार फिर 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।

कर्मचारियों की सैलरी में कितना होगा इजाफा

महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की नई बढ़ोतरी से कर्मचारियों की मासिक आय में उनकी मूल सैलरी के अनुसार इजाफा होगा। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी कर्मचारी की मूल सैलरी 40 हजार रुपये है तो उसे हर महीने 1,200 रुपये अतिरिक्त मिलेंगे। इसी तरह 60 हजार रुपये मूल वेतन वाले कर्मचारी को 1,800 रुपये और एक लाख रुपये मूल वेतन वाले कर्मचारी को 3 हजार रुपये का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। वहीं, 53 प्रतिशत महंगाई भत्ते के हिसाब से 40 हजार रुपये मूल वेतन वाले कर्मचारी को 21,200 रुपये, 60 हजार रुपये मूल वेतन वाले कर्मचारी को 31,800 रुपये और एक लाख रुपये मूल वेतन वाले कर्मचारी को 53 हजार रुपये महंगाई भत्ता मिलेगा।

कर्मचारी संगठनों ने गिफ्ट बताने पर उठाए सवाल

सरकार की घोषणा के बाद कर्मचारी संगठनों ने इसे दिवाली का तोहफा बताने पर सवाल उठाए हैं। कर्मचारी यूनियन के नेता सुखचैन खैहरा ने कहा कि मुख्यमंत्री इसे दिवाली का गिफ्ट बता रहे हैं, जबकि महंगाई भत्ता कर्मचारियों का अधिकार है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का बकाया भुगतान करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने दावा किया कि कर्मचारियों का 18 प्रतिशत महंगाई भत्ता अभी भी बकाया है और उसमें से केवल 3 प्रतिशत जारी किया गया है। खैहरा ने कहा कि सरकार



यदि इसे उपहार बता रही है तो कर्मचारियों का पूरा बकाया क्यों नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कर्मचारी संगठनों की सांझी तालमेल कमेटी चंडीगढ़ प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार के दावों पर अपना पक्ष रखेगी। इसके बाद संगरूर में पक्का मोर्चा लगाने की भी घोषणा की गई है।

अंबा में 57 स्वयं सहायता समूहों को मिला 85 लाख रुपये का ऋण, मिलेगा स्वरोजगार बढ़ाने का अवसर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबा। यूको बैंक की ओर से बुधवार को स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से ऋण वितरण कैंप आयोजित किया गया। कैंप में जीविका से जुड़े कुल 57 स्वयं सहायता समूहों को 85 लाख रुपये का ऋण वितरित किया गया। इस दौरान समूहों की प्रतिनिधियों को सांकेतिक चेक सौंपकर ऋण राशि की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जीविका दीदियों ने भाग लिया। ऋण मिलने से समूहों से जुड़ी महिलाओं में खुशी देखने को मिली। कार्यक्रम में यूको बैंक के उप अंचल प्रमुख श्रीकांत सिंह, कुटुंबा प्रखंड प्रमुख धर्मेंद्र कुमार, जीविका औरंगाबाद के माइक्रो फाइनेंस प्रबंधक पंचम दांगी और प्रखंड परियोजना प्रबंधक धनंजय कुमार प्रमुख रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा यूको बैंक अंबा के शाखा प्रबंधक अभिषेक कुमार तथा यूको बैंक अंचल कार्यालय पटना के प्रबंधक आदित्य आनंद भी कार्यक्रम में शामिल हुए। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने स्वयं सहायता समूहों को ऋण वितरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों से ऋण का उचित उपयोग करने और अपने छोटे कारोबार को आगे बढ़ाने की अपील की। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को बैंकिंग व्यवस्था से जुड़कर आर्थिक गतिविधियों का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया गया।

दो बाइक पर लदी 238 लीटर देसी शराब जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रफीगंज। प्रखंड के कासमा थाना क्षेत्र में पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो बाइक पर लदी 238 लीटर देसी शराब बरामद की है। इस दौरान पुलिस ने मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार किया। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में शराब तस्करी से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, कासमा थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के खैरा मनोरथ मोड़ के रास्ते दो बाइक के जरिए बड़ी मात्रा में देसी शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और शराब तस्करों को पकड़ने के लिए विशेष रणनीति तैयार की। इसके बाद मंगलवार की रात पुलिस टीम ने खैरा मनोरथ मोड़ के पास छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से दो बाइक को रोककर उनकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान दोनों बाइक पर लदी कुल 238 लीटर देसी शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब के साथ दोनों बाइक को भी जब्त कर लिया। वहीं, मौके से एक युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान गया जिले के कोच थाना क्षेत्र के अंबा गांव निवासी बाल्मीकि यादव के पुत्र आनंदन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी से शराब की तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं को लेकर जानकारी जुटा रही है। हालांकि, शराब कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था, इस संबंध में फिलहाल विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। थानाध्यक्ष रूपेश कुमार ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने दो बाइक पर लदी 238 लीटर देसी शराब जब्त की है और एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।



मणिपुर में दो नगा उग्रवादी गुटों के बीच गोलीबारी, चार उग्रवादियों के मारे जाने की आशंका

ग्रामीणों में दहशत; घर छोड़कर सुरक्षित ठिकानों की ओर भागे लोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंफाल। मणिपुर के नोनी जिले में बुधवार सुबह करीब 4 बजे दो नगा उग्रवादी गुटों के बीच भीषण गोलीबारी हुई। इस घटना में चार उग्रवादियों के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है। गोलीबारी में जेलियांग्रोंग यूनाइटेड फ्रंट (जेंचुई) और नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालिम (एनएससीएन-आईएम) के सदस्य शामिल होने की आशंका है। घटना खौपुम इलाके के ताओदाइजांग गांव में हुई। गोलीबारी के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया है। घटना की जानकारी मिलने पर महिलाओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दोनों गुटों से गोलीबारी बंद करने की अपील की। लगातार हो रही गोलीबारी से भयभीत ग्रामीण अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं। गांव में रहने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस बीच रोंगमेई नगा लुपुआम संगठन ने दोनों सशस्त्र गुटों से संघर्ष बंद करने और क्षेत्र में शांति बनाए रखने की अपील की है। संगठन ने कहा कि लगातार गोलीबारी से आम नागरिकों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है। फिलहाल गोलीबारी में



मारे गए लोगों की वास्तविक संख्या और उनकी पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस और सुरक्षाबलों के मौके पर पहुंचकर जांच करने के बाद ही घटना की पूरी जानकारी सामने आ सकेगी। रुक-रुककर हो रही गोलीबारी के बीच ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाना प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती बनी हुई है। मणिपुर में हाल के दिनों में हिंसा की अन्य घटनाएं भी सामने आई हैं। नोनी जिले के केकरू नगा गांव में 31 अक्टूबर को दो हथियारबंद गुटों के बीच कई घंटे तक गोलीबारी हुई थी। इस घटना में कुकी समुदाय के तीन लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, कांगपोकपी जिले में 29 अक्टूबर से लापता दो युवकों के शव 1 नवंबर को मिले थे। दोनों युवक ताफौ कुकी गांव से लापता हुए थे। पहाड़ी इलाके में मिले शवों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। राज्य में मई 2023 से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा जारी है। राज्य के गृह मंत्री गोविंदास कोंथौजम ने 3 सितंबर को विधानसभा में बताया था कि इस हिंसा में अब तक 306 लोगों की मौत हुई है, जबकि 49 लोग अभी भी लापता हैं। हिंसा के बाद से राज्य में सुरक्षा व्यवस्था और शांति बहाली को लेकर लगातार चुनौतियां बनी हुई हैं। इसी बीच सुरक्षा बलों ने कांगपोकपी जिले के साइनाई क्षेत्र में कुकी-जो उग्रवादी समूहों के एक शिविर पर कब्जा किया। शिविर के अभिलेखों में 159 सदस्यों के नाम दर्ज थे, लेकिन मौके पर केवल एक सदस्य मिला। सुरक्षा बलों ने शिविर से 24 हथियार भी बरामद किए। इस घटना के बाद राज्य के सभी 14 ऐसे शिविरों की जांच करने की योजना बनाई गई है। शिविर में दर्ज सदस्यों और मौके पर मौजूद लोगों की संख्या में बड़े अंतर के बाद उग्रवादी समूहों के साथ हुए समझौते के नियमों के पालन पर भी सवाल उठने लगे हैं।

बाजार में झोला लेकर फरार हुआ बदमाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू के मेदिनीनगर में बुधवार को दिनदहाड़े झपटमारी की वारदात सामने आई। यहां एक युवक महिला के हाथ से चार लाख रुपये से भरा झोला छीनकर फरार हो गया। महिला ने अपने पति के कमर के ऑपरेशन के लिए मुख्य बाजार स्थित पंजाब एंड सिंध बैंक से रुपये निकाले थे। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, चैनपुर थाना क्षेत्र के सलतुआ गांव निवासी ललिता देवी (32), भोला साव की पत्नी हैं। बुधवार को वह अपने ससुर के साथ बाजार आई थीं। उन्होंने मुख्य बाजार स्थित पंजाब एंड सिंध बैंक से चार लाख रुपये निकाले थे। इसके बाद बाजार में कुछ खरीदारी की और घर लौटने के लिए वाहन पकड़ने तिनकोनिया गैरेज पहुंचीं। ललिता महिंद्रा आर्केड रोड से पैदल चलते हुए वहां आई थीं और वाहन का इंतजार कर रही थीं। इसी दौरान पैदल आए एक युवक ने अचानक उनके हाथ से रुपयों से भरा झोला छीन लिया और तेजी से दौड़कर फरार हो गया। महिला कुछ समझ पातीं, इससे पहले ही आरोपी मौके से निकल गया। घटना के समय उनके ससुर सब्जी खरीदने गए हुए थे। बताया जा रहा है कि वारदात में एक अन्य युवक भी शामिल था, जो आसपास रहकर गतिविधियों पर नजर रख रहा था। इससे आशंका जताई जा रही है कि दोनों ने मिलकर घटना को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही शहर थाना पुलिस सक्रिय हुई। थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार ने पुलिस टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने बाजार में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है। बैंक से रुपये निकालने के बाद महिला जिन रास्तों से गुजरी थीं और जिन दुकानों पर खरीदारी की थी, वहां के कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस संदिग्ध युवकों की पहचान करने और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। दिनदहाड़े चार लाख रुपये की झपटमारी की इस घटना के बाद बाजार क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।



कनॉट प्लेस में 6 और 7 नवंबर को होगा 'दिल्ली की दिवाली' उत्सव, ड्रोन शो में दिखेंगे भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

दिल्ली। दिल्ली सरकार की ओर से 6 और 7 नवंबर को कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में 'दिल्ली की दिवाली' उत्सव आयोजित किया जाएगा। दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 6 नवंबर को शाम 6 बजे करेंगी। दोनों दिन शाम 6 से रात 10 बजे तक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। उत्सव का मुख्य आकर्षण ड्रोन शो रहेगा, जिसमें आसमान में भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े प्रसंगों को प्रदर्शित किया जाएगा। कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आयोजन का उद्देश्य राजधानी में उत्सवी माहौल बनाना और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दिनों कनॉट प्लेस सहित कई इलाकों में धरने-प्रदर्शनों के जरिए नकारात्मक माहौल बनाने की कोशिश हुई। ऐसे में बाजारों की रौनक बढ़ाने और लोगों को उत्सव से जोड़ने के लिए सेंट्रल पार्क को चुना गया है। कार्यक्रम में गणेश-लक्ष्मी महाआरती, दीपोत्सव और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। 7 नवंबर को भजन क्लबिंग का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पारंपरिक भक्ति संगीत को आधुनिक अंदाज में प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। रंगोली प्रतियोगिता में कुल 5 लाख 71 हजार रुपये के पुरस्कार बांटे जाएंगे।



14 जनवरी से महिला प्रीमियर लीग का आगाज

वडोदरा में होंगे शुरुआती 11 मुकाबले, 26 जनवरी से मुंबई में सजेगा क्रिकेट का रोमांच; 7 फरवरी को खेला जाएगा खिताबी मुकाबला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली/मुंबई। महिला प्रीमियर लीग का पहला मुकाबला 14 जनवरी को मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के बीच खेला जाएगा। वडोदरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला यह मुकाबला शाम 7:30 बजे शुरू होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टूर्नामेंट के आयोजन के लिए वडोदरा और मुंबई को चुना है। शुरुआती 11 मुकाबले 14 से 24 जनवरी तक वडोदरा में खेले जाएंगे। इसके बाद 26 जनवरी से मुंबई में लीग के शेष मुकाबले आयोजित होंगे। लीग चरण का अंतिम मुकाबला 3 फरवरी को दिल्ली कैपिटल्स और यूपी वॉरियर्स के बीच खेला जाएगा। इसके बाद 5 फरवरी को एलिमिनेटर मुकाबला होगा, जबकि टूर्नामेंट का फाइनल 7 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। इस बार प्रतियोगिता में कुल पांच टीमें हिस्सा लेंगी। लीग चरण में प्रत्येक टीम बाकी चार टीमों के खिलाफ दो-दो मुकाबले खेलेगी। इस तरह लीग चरण में 20 मैच होंगे। एलिमिनेटर और फाइनल को मिलाकर पूरे टूर्नामेंट में कुल 22 मुकाबले खेले जाएंगे। प्रतियोगिता 25 दिनों तक चलेगी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस दोनों टीमें अब तक दो-दो बार खिताब जीत चुकी हैं। बेंगलुरु ने 2022 और 2026 में चैंपियन बनने



का गौरव हासिल किया था, जबकि मुंबई इंडियंस भी दो बार खिताब अपने नाम कर चुकी है। दोनों टीमों के बीच दूसरा मुकाबला 26 जनवरी को मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में खेला जाएगा। यूपी वॉरियर्स अपने अभियान की शुरुआत 15 जनवरी को गुजरात जायंट्स के खिलाफ करेगी। हालिया नीलामी में यूपी वॉरियर्स ने कई बड़े खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया है। टीम ने ऑस्ट्रेलिया की सोफी मोलिन्यू को 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा, जबकि ग्रेस हैरिस को भी दोबारा अपनी टीम में शामिल किया है। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स की टीम अपना पहला मुकाबला 16 जनवरी को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेलेगी। दिल्ली की टीम अब तक चार बार फाइनल में पहुंच चुकी है, लेकिन उसे अभी तक खिताब जीतने में सफलता नहीं मिली है। टूर्नामेंट से पहले 28 अक्टूबर को पांचवें सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी आयोजित की गई थी। इसमें कुल 25 खिलाड़ियों पर बोली लगी, जिनमें 18 भारतीय और सात विदेशी खिलाड़ी शामिल रहीं। ऑस्ट्रेलिया की सोफी मोलिन्यू इस नीलामी की सबसे महंगी खिलाड़ी रहीं, जिन्हें यूपी वॉरियर्स ने 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। भारतीय ऑलराउंडर स्नेह राणा को भी यूपी वॉरियर्स ने 30 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया। वहीं, किरण नवगिरे को दिल्ली कैपिटल्स ने 75 लाख रुपये और जी कमलिनी को गुजरात जायंट्स ने 40 लाख रुपये में खरीदा।

चरस तस्करी के मामले में मुनव्वर हुसैन बरी, सबूतों की कमी पर अदालत ने दिया संदेह का लाभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नैनीताल। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा एनडीपीएस एक्ट विशेष न्यायालय के पीठासीन अधिकारी संजीव कुमार की अदालत ने चरस तस्करी के मामले में आरोपी मुनव्वर हुसैन को बरी कर दिया है। अदालत ने मामले में पर्याप्त सबूत नहीं मिलने और अभियोजन पक्ष की ओर से आरोपों को संदेह से परे साबित नहीं कर पाने के आधार पर आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया। मामला काठगोदाम थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने 12 फरवरी 2019 को चेकिंग के दौरान दो आरोपियों से करीब एक किलो चरस बरामद करने का दावा किया था। मामले में सह-आरोपी मो. कामिल की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो गई थी। इसके बाद 6 दिसंबर 2022 को उनके खिलाफ कार्रवाई बंद कर दी गई थी। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने पुलिस की कार्रवाई और पेश किए गए दस्तावेजों में कई खामियां पाईं। अदालत ने कहा कि पुलिस टीम के थाने से रवाना होने से संबंधित सामान्य डायरी (जीडी) पेश नहीं की गई। इसके अलावा मौके पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 50 के तहत जरूरी कानूनी प्रावधानों का पालन भी नहीं किया गया था। अदालत ने यह भी पाया कि मामले में कोई स्वतंत्र गवाह मौजूद नहीं था और पुलिस की ओर से पेश किए गए दस्तावेजों में विसंगतियां तथा विरोधाभास थे। इन परिस्थितियों को देखते हुए अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ लगाए गए आरोपों को संदेह से परे साबित करने में असफल रहा। सभी तथ्यों और साक्ष्यों पर विचार करने के बाद अदालत ने मुनव्वर हुसैन को दोषमुक्त करते हुए उनके व्यक्तिगत बंधपत्र और जमानतनामे भी रद्द कर दिए। आरोपी की ओर से अधिवक्ता कैलाश जोशी ने पैरवी की।



वीरेंद्र शर्मा बने हैफेड के नए चेयरमैन, राज्यपाल ने जारी किए नियुक्ति के आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जींद। हरियाणा सरकार ने जींद निवासी एडवोकेट वीरेंद्र शर्मा को हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति एवं विपणन संघ लिमिटेड (हैफेड) का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। हरियाणा के राज्यपाल ने 3 नवंबर को उनकी नियुक्ति के आदेश जारी किए। दिवाली से पहले मिली इस जिम्मेदारी से उनके समर्थकों में खुशी की लहर है। नियुक्ति के बाद वीरेंद्र शर्मा ने कहा कि वह मुख्यमंत्री की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। वीरेंद्र शर्मा मूल रूप से जींद जिले के डाहौला गांव के निवासी हैं और वर्तमान में जींद के सुंदर नगर (पटियाला चौक) में रहते हैं। उनके पिता सतबीर शर्मा सेना से सेवानिवृत्त हैं, जबकि उनके भाई भी सेना में कार्यरत हैं। पेशे से वकील वीरेंद्र शर्मा की पृष्ठभूमि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी बताई जाती है। वह संगठन की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। नियुक्ति के बाद वीरेंद्र शर्मा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता सहित पार्टी नेतृत्व, पदाधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और पार्टी ने उन पर जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री और विभागीय मंत्री के मार्गदर्शन में सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारना तथा हैफेड की व्यवस्था को पारदर्शी बनाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। वीरेंद्र शर्मा की नियुक्ति पर बार काउंसिल की ओर से भी खुशी जताई गई। एडहॉक कमेटी के पदाधिकारी हरिमोहन शर्मा ने कहा कि बार के एक साथी को सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना सभी सदस्यों के लिए गर्व और खुशी की बात है। इस अवसर पर शरत अत्री, बादल शर्मा, रामफल शर्मा, एडवोकेट आरपी शर्मा, एडवोकेट विकास शर्मा, एडवोकेट संदीप कौशिक और एडवोकेट नरेंद्र कौशिक सहित कई लोगों ने उन्हें बधाई दी।



संविधान दिवस पर 26 नवंबर को होगा एक दिवसीय विशेष विधानसभा सत्र, कैबिनेट ने दी मंजूरी

विशेष सत्र को मंत्रिपरिषद की मंजूरी, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को सदन में विधायी कार्य प्रस्तुत करने की अनुमति देने का अधिकार सौंपा गया।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हरियाणा। हरियाणा सरकार ने इसी महीने एक दिवसीय विशेष विधानसभा सत्र आयोजित करने की मंजूरी दे दी है। यह सत्र 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में आधिकारिक पत्र जारी किया गया है। सरकार ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को विधानसभा के समक्ष किसी भी विधायी कार्य



को प्रस्तुत करने की स्वीकृति देने का अधिकार भी सौंपा है। इस निर्णय की जानकारी सभी प्रशासनिक सचिवों को भेज दी गई है। जानकारी के अनुसार, मंत्रिपरिषद की 3 नवंबर 2026 को हुई बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। शुरुआत में मुख्यमंत्री को विधायी कार्यों की स्वीकृति देने से जुड़ा प्रस्ताव कैबिनेट के एजेंडे में शामिल नहीं था, लेकिन बाद में इसे जोड़ा गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 26 नवंबर 2026 से शुरू होने वाले हरियाणा विधानसभा सत्र के दौरान सदन के समक्ष किसी भी विधायी कार्य को प्रस्तुत करने की अनुमति देने का अधिकार मुख्यमंत्री को होगा। संबंधित प्रशासनिक विभाग को इस निर्णय को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। विधानसभा में विधायी कार्य का अर्थ उन सभी प्रक्रियाओं और गतिविधियों से है, जिनके माध्यम से सरकार कानून बनाने, मौजूदा कानूनों में संशोधन करने और नीतिगत फैसलों को सदन के सामने रखती है। इसमें विधेयक पेश करना, उस पर चर्चा करना, संशोधन करना और मतदान के बाद उसे मंजूरी देना शामिल है। इसके अलावा प्रश्नकाल, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव और शून्यकाल जैसी संसदीय गतिविधियां भी विधानसभा की कार्यवाही का हिस्सा होती हैं। राज्यपाल की ओर से जारी आपातकालीन अध्यादेश को विधानसभा के समक्ष प्रस्तुत कर मंजूरी दिलाना भी विधायी प्रक्रिया में शामिल है। इसी तरह राज्य का वार्षिक बजट पेश करना, उस पर सामान्य चर्चा करना, विभिन्न विभागों के खर्च के लिए अनुदान मांगों पर विचार और मतदान करना भी विधायी कार्यों के अंतर्गत आता है। विशेष विधानसभा सत्र में इन प्रक्रियाओं के माध्यम से सरकार महत्वपूर्ण विषयों पर सदन में चर्चा और निर्णय करा सकती है।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.